शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सोनिया गांधी, राहुल गांधी देश के लोगों से माफी मांगें : आर अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 25 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-176

ऐसे सांसदों से लोकतंत्र और संविधान की समझ की उम्मीद!

78 फीसदी सांसद बीए पास भी नहीं!

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

इस बार यानी 18वीं लोकसभा में 78 प्रतिशत सांसद बीए पास भी नहीं हैं। ऐसे ही सांसदों से भारतवर्ष के लोगों को लोकतंत्र की समझ और संविधान के ज्ञान की उम्मीद है। दरअसल, भारतवर्ष के मतदाता ही समझ और ज्ञान में इतने महत हैं कि वे ऐसे ही लोगों को अपना प्रतिनिधि चुनना पसंद करते हैं।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज से शुरू हो गया। तमाम सांसदों ने शपथ ग्रहण किया। शपथ से भारत के लोकतंत्र और संविधान की कितनी समझ और प्रतिबद्धता सांसदों ने ग्रहण की होगी, इसका प्रदर्शन तो आने वाले दिनों में ही हो जाएगा, जब संसद का सत्र परवान चढ़ेगा। इस लोकसभा में 78 फीसदी नवनिर्वाचित सांसद बीए भी पास नहीं हैं। विडंबना यह है कि 22 फीसदी सांसद ऐसे हैं, जिन्होंने कॉलेज का मुंह ही नहीं देखा। राजनीति के धंधे में जाना था तो पढ़ने लिखने की क्या जरूरत थी! पिछली लोकसभा में भी ऐसे सांसदों की संख्या 27 फीसदी थी। यह तो तस्वीर है भारत के शिक्षित संसद की। जीत कर आए कुल सांसदों में से 48 फीसदी सांसद सामाजिक कार्यकर्ता का धंधा करके राजनीति में चमके और सांसद बने। 37 फीसदी सांसद कृषक पृष्ठभूमि से आते हैं और 32 फीसदी सांसदों की व्यवसायिक पृष्ठभूमि है। सात फीसदी सांसद कानूनविद हैं। चार फीसदी सांसद मेडिकल और पैरामेडिकल से जुड़े हैं। तीन फीसदी सांसद कला और मनोरंजन के क्षेत्र से और दो फीसदी सांसद सेवानिवृत्त नौकरशाह हैं।

18वीं लोकसभा में 240 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ा दल है। जबकि 98 सीटों के साथ कांग्रेस दूसरी बड़ी पार्टी, 37 सीटों के साथ सपा तीसरी और ▶10पर

आतंकियों के मददगारों से ऐसे निपटेगा नया कानून!

भितरघातियों के लिए एनिमी एजेंट्स एक्ट!

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में हाल में हुई आतंकी घटनाओं को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर राज्य सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने बताया कि आतंकियों की मदद करने वालों के खिलाफ एनिमी एजेंट्स एक्ट के तहत एक्शन लिया जाएगा। पिछले दिनों कठुआ, डोडा और रियासी सेक्टर में हुई आतंकी घटनाओं में जानकारी सामने आई थी कि कुछ स्थानीय लोगों ने आतंकियों की मदद की थी। इसके बाद पुलिस ने अब बड़ी तैयारी की है।

एनिमी एजेंट एक्ट को यूएपीए से भी कठोर माना जाता है। इस कानून में न्यूनतम सजा आजीवन कारावास या मृत्युदंड है। अधिनियम में आतंकवादियों के सहयोगी और उनके एजेंट के रूप में काम करने वाले को भी दुश्मन करार दिया गया है। आतंकवादियों को मुठभेड़ में मारा जाएगा और उनके एजेंटों को कानूनी प्रक्रिया से निपटाया जाएगा। एनिमी एजेंट्स एक्ट कानून के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए विशेष अदालतें स्थापित की जाएंगी। इस कानून से आतंकियों के मददगारों का बचना नामुमकिन होगा। इन मुकदमों की सुनवाई जल्दी पूरी की जाएगी। आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान होने से इस कानून को काफी सख्त कानून माना जा रहा है। पुलिस ने कठुआ से अब तक 6 ऐसे एजेंटों को गिरफ्तार किया है। वहीं रियासी आतंकी हमले के मामले में भी एक साजिशकर्ता को गिरफ्तार करके बड़ी सफलता हासिल हुई है।

उल्लेखनीय है कि 9 जून की शाम कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर में तीर्थयात्रियों को ले जा रही ▶10पर

18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र से पहले मीडिया से बतियाए पीएम मोदी

जनता ने लगातार तीसरी बार देश की सेवा का अवसर दिया है

हम संविधान के अनुरूप जीवंत लोकतंत्र के निर्माण का संकल्प लें

आपातकाल का कलंक धोएं, भविष्य में किसी को ऐसा न करने दें

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़े चुनाव का बहुत ही शानदार तरीके से और गौरवमय तरीके से सम्पन्न होना, हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। करीब 65 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा लिया। यह चुनाव इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया, क्योंकि आजादी के बाद दूसरी बार देश की जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार सेवा करने का अवसर दिया है। 18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने संसद भवन परिसर में कहा, संसदीय लोकतंत्र में आज का दिन गौरवमय है। यह वैभव का दिन है। आजादी के बाद पहली बार हमारे अपने नए संसद में यह शपथ ग्रहण हो रहा है। अब तक ये प्रक्रिया पुराने संसद में होती थी। आज के इस महत्वपूर्ण दिन पर मैं सभी नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत करता हूं सबका अभिनंदन करता हूं और सबको शुभकामनाएं देता हूं। ▶10पर

अलग-अलग भाषाओं में हुआ शपथ ग्रहण

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत होते ही भारत की संसद में भाषाई विविधता में हिंदी खो गई। नवनिर्वाचित सांसदों ने संस्कृत, हिंदी, डोगरी, बंगाली, असमिया और उड़िया और अंग्रेजी भाषाओं में शपथ ली। नरेंद्र मोदी ने जय श्री राम के नारे के साथ हिंदी में शपथ ली। इसके अलावा अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अन्नपूर्णा देवी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और मनोहर लाल खट्टर ने हिंदी भाषा में शपथ ली। ओडिशा के संबलपुर से सांसद चुने गए धर्मेंद्र प्रधान ने उड़िया भाषा में शपथ ली। केरल से निर्वाचित होने वाले पहले भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने भी 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में मलयालम भाषा में शपथ ली। मलयालम भाषा में शपथ लेने से पहले उन्होंने भगवान को याद करते हुए कृष्णा गुरुवायुरप्पा कहा। श्रीपद नाइक ने संस्कृत भाषा में शपथ ली। नाइक ने उत्तरी गोवा निर्वाचन क्षेत्र से छठी बार जीत हासिल की है। सुकांत मजूमदार ने बंगाली भाषा में शपथ ली। ▶10पर

मोदी के दिए घरों में रहते हैं, मुफ्त अनाज खाते हैं, पर वोट नहीं देते

असम पर कब्जा करना चाहते हैं बांग्लादेशी मुसलमान

सांप्रदायिकता हिंदू नहीं, सिर्फ मुस्लिम समुदाय करता है

गुवाहाटी, 24 जून (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बांग्लादेशी मूल के अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने कांग्रेस को बढ़-चढ़कर वोट दिया। इससे जाहिर होता है कि सांप्रदायिकता में हिंदू नहीं, बल्कि सिर्फ एक समुदाय, एक मजहब शामिल है, वह है मुसलमान। सरमा ने कहा कि बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों ने कांग्रेस को इसलिए वोट दिया, क्योंकि अगले 10 सालों में वे राज्य पर कब्जा करना चाहते हैं।

असम के पार्टी मुख्यालय में भाजपा और सहयोगी दलों के विजयी उम्मीदवारों के अभिनंदन समारोह में सीएम सरमा ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को लगभग 47 प्रतिशत वोट मिले, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को 39 प्रतिशत वोट मिले। भाजपा-एजीपी-यूपीपीएल गठबंधन ने राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 3 सीटें जीतीं।

सरमा ने कहा, मैं गर्व से कहता हूं कि असम में हिंदू समुदाय ने तुष्टिकरण की राजनीति नहीं की। हिंदुओं ने मेरिट पर वोट किया है। लेकिन एक विशेष समुदाय ने इस प्रकार की रणनीतिक वोटिंग

(टैक्टिकल वोटिंग) की है कि उनके क्षेत्र में चाहे जितना भी विकास हो, पूरे समुदाय ने अपना 100 प्रतिशत वोट कांग्रेस को दिया है। अगर कांग्रेस को मिले 39 प्रतिशत वोटों का विश्लेषण किया जाए तो यह पूरे राज्य से नहीं मिला है। इस वोट का 50 प्रतिशत हिस्सा 21 विधानसभा क्षेत्रों में केंद्रित है। ये विधानसभा क्षेत्र मुस्लिम बहुल हैं। इन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भाजपा को सिर्फ 3 प्रतिशत ही वोट मिले हैं। उन्होंने कहा कि इससे जाहिर होता है कि सांप्रदायिकता हिंदू नहीं, बल्कि सिर्फ एक मुस्लिम समुदाय करता है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि मुस्लिम बहुल इलाकों में भले ही सड़कें न हों, बिजली न हो, लेकिन वे कांग्रेस को भारी मत देते रहे हैं और ऐसा ही इस बार भी हुआ। ▶10पर

आपातकाल पर देशव्यापी अभियान चलाएगी भाजपा

कांग्रेस के सत्तावाद को बेनकाब करने की मुहिम

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तय किया है कि पूरे देश में 1975 के आपातकाल पर एक अभियान शुरू किया जाएगा। भाजपा के अनुसार इस दौरान कांग्रेस को बेनकाब किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा द्वारा अभियान के मुख्य आयोजन को संबोधित किया जाएगा। इस अभियान को लोकतंत्र का काला दिन नाम दिया गया है।

अनिल बलूनी ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोप दिया था। उन्होंने कहा, भारत के मजबूत लोकतंत्र में आपातकाल एक कभी न भूला जाने वाला काला अध्याय है। आपातकाल लागू होने के अगले 21 महीनों में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश के लोकतंत्र और संविधान को बंधक बना लिया था। जनता, मीडिया और विपक्ष के नेताओं पर अनगिनत अत्याचार किए गए। इस दौरान नागरिक अधिकारों को खत्म कर दिया गया और तत्कालीन सरकार के खिलाफ उठने वाली आवाजों का दमन किया गया। ▶10पर

जमानत के लिए ताबड़तोड़ मचाए केजरीवाल

सुप्रीम कोर्ट ने भी नहीं दी कोई राहत

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तत्काल राहत देने से इन्कार कर दिया है। केजरीवाल ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में निचली अदालत की ओर से उन्हें दी गई जमानत पर रोक लगाने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने कहा, हम आपको 26 जून को सुनेंगे। ▶10पर

नीट पेपर लीक कांड की जांच सीबीआई ने संभाली

सीबीआई टीम पटना पहुंची जांच में आई तेजी

आरोपियों का कराया जा सकता है नार्को-टेस्ट

पटना, 24 जून (एजेंसियां)।

नीट परीक्षा के पेपर लीक कांड की जांच सीबीआई ने संभाल ली है। पहले यह जांच बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई कर रही थी। सीबीआई टीम पटना पहुंच चुकी है। जांच में तेजी आई है। हालांकि बिहार पुलिस ने इस मामले में उल्लेखनीय काम किया है। सीबीआई सभी सबूतों की समीक्षा कर रही है। बिहार पुलिस की अपराध शाखा के जांच अधिकारियों से सीबीआई बात करेगी और आवश्यक सहयोग लेगी।

नीट-यूजी में अनियमितताओं के आरोपों की जांच के सिलसिले में दिल्ली से सीबीआई की एक टीम सोमवार को पटना में बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के कार्यालय पहुंची। बिहार की जांच टीम ने सभी सबूत शिक्षा मंत्रालय को सौंप दिए हैं। अब इसी के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई को इस मामले की जांच करने की जिम्मेदारी दी है।

बिहार पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों का अब नार्को टेस्ट कराया जाएगा। बिहार पुलिस का कहना है कि जांच टीम 13 आरोपियों की नार्को एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग टेस्ट कराने की मांग शिक्षा मंत्रालय से करेगा। आदेश मिलने के बाद इनका नार्को टेस्ट कराया जायेगा। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,970/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 91,230/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 37^0

न्यूनतम : 28^0

पानी संकट का दोषी केजरीवाल, नौ साल में कोई बजट ही नहीं दिया

जब आंखों का पानी गिरा दिया तो पीने का पानी कौन दे?

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

भीषण गर्मी के बीच देश की राजधानी दिल्ली जल संकट से जूझ रही है। देश की राजधानी में रहने वाली जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा चिलचिलाती धूप के बीच पानी के लिए तरस रहा है। दिल्ली के वीआईपी इलाकों में भी पानी के टैंकरों के पीछे-पीछे बच्चे और बूढ़े तक भाग रहे हैं। दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से आने वाला पानी गंदा है। यह अव्यवस्था की स्थिति क्यों है, इसकी पोल अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आपा) सरकार के खुद के दस्तावेज खोलते हैं।

केजरीवाल सरकार द्वारा जनता में रखे गए कागज ही बताते हैं कि बीते 9-10 वर्षों में दिल्ली में पानी की आपूर्ति बढ़ाने पर कोई काम नहीं हुआ है। दिल्ली पानी आपूर्ति पर किए जाने वाले खर्चे भी कमी कर दी गई है। उस पर जितने खर्चे की योजना बन रही है, उसका आधा ही पैसा उसे दिया जा रहा है। इस बीच दिल्ली की जनसंख्या बढ़ती जा रही है। राजधानी में पानी की मांग भी इन वर्षों में लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है, लेकिन धरना-प्रदर्शन वाली सरकार जमीन पर कुछ भी नहीं कर पाई है। अरविंद केजरीवाल की सरकार के दावों की पोल उन्होंने खुद दिल्ली के आर्थिक सर्वे में खोली है। इस आर्थिक सर्वे में कई चौंकाने वाले खुलासे हैं।

न पानी सप्लाई की क्षमता बढ़ाई न सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनाए

दिल्ली में पिछले नौ साल में पानी का कोई काम ही नहीं हुआ

दूसरे राज्यों पर अपनी नाकामी का ठीकरा फोड़ने वाले केजरीवाल ने 2015 में स्थायी रूप से सत्ता में आने के बाद से दिल्ली में जल आपूर्ति क्षमता में कोई वृद्धि नहीं की है। इस क्षेत्र में उनका काम एकदम नगण्य है। उनसे पहले सत्ता में रहने वाली शीला दीक्षित के मुकाबले वह कहीं नहीं ठहरते। दिल्ली को अलग-अलग स्रोतों पानी से मिलता है और इसे ट्रीटमेंट प्लांट में साफ करके भेजा जाता है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

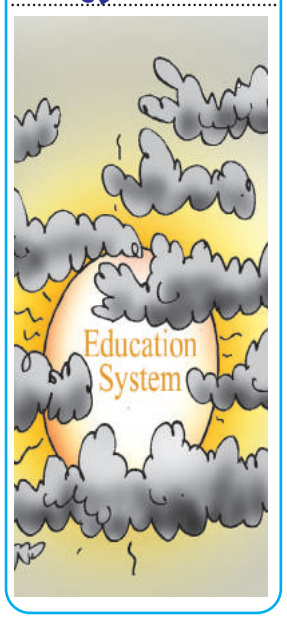

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

योग हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद : मीनाक्षी जैन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा विश्व योग दिवस पर राष्ट्रीय प्रोजेक्ट स्पोर्ट्स के अंतर्गत एपेक्स के निर्देशानुसार जीतो कार्यालय राजाजीनगर में योग कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रशिक्षक मीनाक्षी जैन ने योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

लोग इसे लगातार अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। इसे करने से केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक तौर पर भी कई सारे फायदे पहुंचते हैं। योग एक प्राचीन अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई और इसने अपने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के लिए दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की। मीनाक्षी ने योग के विभिन्न पद्दतियों के बारे में बताया। तत्पश्चात् प्रायोगिक योग आसन एवं सूर्यनमस्कार करवाया। नये-नये योग आसन के फायदे बताते हुए नियमित करने की प्रेरणा दी।

उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने कहा कि स्वास्थ्य हमारे लिए ईश्वर का उपहार है। इसका तात्पर्य मनुष्य की शारीरिक और मानसिक स्थिति से है। स्वस्थ रहना कोई विकल्प नहीं बल्कि सुखी जीवन जीने की आवश्यकता है। उपाध्यक्ष रेश्मा पुनमिया ने योगाभ्यास करते हुए सभी सदस्यों से कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के बुनियादी नियम हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन, हमारे द्वारा किए जाने वाले शारीरिक व्यायाम की मात्रा, हमारी स्वच्छता, आराम और विश्राम से संबंधित हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति आमतौर पर अधिक आत्मविश्वासी, मिलनसार और ऊर्जावान होता है। संयोजिका सोमना सिसोदिया ने कहा कि स्वास्थ्य ही धन है, इसका अर्थ बहुत ही साधारण और सरल है। हमारा अच्छा स्वास्थ्य ही हमारी वास्तविक दौलत या धन है, जो हमें अच्छा स्वास्थ और मन देता है और हमें जीवन की सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाता है। सह-संयोजिका दीपू मांडोत ने प्रशिक्षक मीनाक्षी का परिचय दिया और कहा कि अच्छा स्वास्थ्य अच्छे शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और अच्छी जीवनशैली अच्छे भविष्य का निर्माण करती है। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ चेयरमैन इंदरचंद बोहरा, महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा ने शुभकामना संप्रेषित की। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। संयोजिका सोमना सिसोदिया ने संचालन किया। उपाध्यक्ष रेश्मा पुनमिया ने धन्यवाद दिया। कार्यसमिति सदस्य साधना धोका, मधु दुधेड़िया, प्रिया भंडारी, नेहा भंडारी, रेश्मी मेहता आदि का सहयोग रहा। राष्ट्रगान के साथ योग कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रथम परामर्शक, पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, राजाजीनगर के नवमनोनीत अध्यक्ष अशोक चौधरी के नेतृत्व में सत्र 2024-26 की प्रथम परामर्शक, पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक हुई।

सामूहिक मंगलाचरण पश्चात श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन वरिष्ठ श्रावक एवं परमर्शक सुखलाल पितलिया ने किया एवं निष्ठा पत्र का अर्थ संक्षिप्त में प्रस्तुत किया। अध्यक्ष अशोक चौधरी ने सभी का स्वागत किया व अपने मंत्रिमंडल के परामर्शक एवं पदाधिकारियों का विस्तृत परिचय दिया। साथ ही भाव व्यक्त करते हुए संघपति के प्रति समर्पित होकर महासभा के निर्देशित दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य करने एवं भावी पीढ़ी में संस्कारों के निर्माण के लिए ज्ञानशाला का विकास करने की आशा व्यक्त की। तेरापंथ सभा, राजाजीनगर क्षेत्र में आध्यात्मिक विकास एवं धर्म संघ की प्रभावना, व्यवस्था हेतु विभिन्न क्षेत्रों के संयोजकों की नियुक्ति की गई, एवं ज्ञानशाला, भवन रख-रखाव एवं विहार सेवा के विभागों के प्रभारी की नियुक्ति की गई। चातुर्मास के अंतर्गत चरित्रत्माओं के प्रवचन में जाने हेतु राजाजीनगर भवन से बस की व्यवस्था करने का निर्णय किया गया। राजाजीनगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले परिवारों की जानकारी एकत्रित कर एक डिजिटल डायरेक्टरी बनाने का निर्णय किया गया। महासभा के पूर्व सदस्य एवं परामर्शक कैलाश बोराणा ने राजाजीनगर सभा के द्वारा की गई गतिविधियों की जानकारी महासभा तक पहुंचाने, महासभा के विभिन्न आयामों को आयोजित करने का आह्वान किया। तेयुप के मंत्री कमलेश चौरडिया, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी एवं ज्ञानशाला प्रशिक्षिका चेतना वेदमुथा, धीरेंद्र श्रीश्रीमाल, महावीर मेहता ने अपने विचार प्रकट किए। बैठक में सभी परामर्शक एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने मार्गदर्शन एवं संपूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। कुशलता पूर्वक संचालन सभा के मंत्री चंद्रेश मांडोत ने किया एवं आभार सहमंत्री सतीश पोरवाड ने दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक मारवाड़ी समाज और मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के तत्वावधान में रविवार को जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में योग शिक्षिका स्वेता क्याल के कुशल निर्देशन में योगाभ्यास संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष बिमल सरावगी और पूर्व अध्यक्ष बिकास पोद्दार ने स्वेता क्याल का सम्मान किया और योग को जीवनशैली में शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला। लाफ्टर योगा और योगा गेम्स ने सभी प्रतिभागियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में कर्नाटक मारवाड़ी समाज के वॉकथान कार्यक्रम के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया गया। इस आयोजन की सफलता के लिए मोहित तुलस्यान को विशेष धन्यवाद दिया गया। संदीप पोद्दार और अमित मोदी द्वारा स्वादिष्ट जलपान की व्यवस्था के लिए उनका आभार प्रकट किया गया। मोहित तुलस्यान, रिंकेश बैरोलिया, राकेश जिंदल, प्रभात यादुका, स्नेहकुमार जाजू एवं तरुण चाँदगोठिया ने कार्यक्रम की सफल व्यवस्था में महत्वपूर्ण यो-गदान दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रभात यादुका और मनीष अग्रवाल ने किया और दोनों संस्थाओं के अध्यक्ष विकाश बालोदिया एवं स्नेहकुमार जाजू ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। इस विशेष अवसर पर कर्नाटक मारवाड़ी समाज के सदस्य विजय बंका, आनंद गिंडोरिया, रंजन भवसिंगका, आनंद अग्रवाल, मनीष खेमका, पंकज अग्रवाल, सितेश जालान, उमेश तुलस्यान, कांता बंका, वंदना तुलस्यान, स्वाति बालोदिया, नेहा बैरोलिया, किरण गिण्डोरिया, शीतल जिंदल, नीलम अग्रवाल, किरण भावसिंगका, पूनम जालान उपस्थित रहे। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु से सुशील सैनी ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

12 रक्तदान शिविरों में 349 यूनिट रक्त किया एकत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा चलाए जा रहे रक्तदान पखवाड़ा के अंतर्गत शहर में रक्तदान महोत्सव का आयोजन किया। नारायण हृदयालय, स्पर्श, एस्टर और एच सी जी अस्पतालों की सहायता से लगाए गए 12 रक्तदान शिविरों में कुल 349 यूनिट रक्त सिर्फ 2 दिन के अंतराल में संग्रहित किया गया, जोकि मंच के लिए एक नया कीर्तिमान है। शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका ने बताया कि पहले दिन गोदरेज इ सिटी में आयोजित रक्तदान शिविर में 51 यूनिट रक्त संचय किया गया, जबकि दूसरे दिन बेंगलूरु शहर के 11 पृथक क्षेत्रों में लगाए गए शिविरों में 298 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। मंच के 11 सफलतम वर्ष पूर्ण होने की खुशी पर एक साथ 11 रक्तदान शिविर आयोजित किये गए। साथ ही बेंगलूरु निवासियों को निकटतम इलाके में ही रक्तदान की सुविधा उपलब्ध कराकर ज्यादा से ज्यादा रक्त संग्रहित करना भी मंच का उद्देश्य रहा ताकि अधिक रक्त जरूरतमंदों की सहायता हो सके। मंच की नीव रखने वाले लोगों से लेकर वर्तमान सदस्यों तक ने इस मुहिम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपना विशेष योगदान दिया। शाखा सलाहकार रवि राम सिंघानिया ने परिवार सहित शिविर में सहयोग दिया। उनके साथ-साथ कर्नाटक प्रांत के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष सुशील कुमार बंसल, शाखा के संस्थापक अध्यक्ष मनोज पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष ऋषभ सर्राफ ने रक्तदान करके मंच और मानवता के प्रति अपने जज्बे को बखूबी दर्शाया। शाखा उपाध्यक्ष अर्चित बजाज ने बताया कि इन रक्तदान शिविरों को हाउस ऑफ हीरानंदानी बन्नेरघट्टा रोड, ब्रिगेड गोल्डन ट्रायंगल होसकोटे रोड, प्लैटिनम सिटी अपार्टमेंट्स पीन्या, असेट्ज हियर एंड नाउ थानीसांड्रा, सलारपुरिया सत्वा अनुग्रह विजयनगर, मैजेस्टिक रेसिडेंसी बीटीएम, गोकुलम अपार्टमेंट्स कनकपुरा रोड, अरविन्द स्पोर्सिया रचेन्हल्ली, सांई पूर्णिया लक्जुरिया अपार्टमेंट्स हरलुर मेन रोड, वैरासियस लेंसडेल वाइटफील्ड और बीडीए फ्लैट्स केंगेरी में आयोजित किया गया। सभी रक्तदान शिविरों में अपार्टमेंट्स और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों ने बढ़चढ़ कर अपना सहयोग दिया।

रक्तदान संयोजक विकास अग्रवाल के अनुसार कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों ने इस नेक काम के प्रति अपना समर्पण दिखाते हुए अलग अलग विभागों में बँटकर अपने अपने क्षेत्र में पूर्ण जिम्मेदारी का बेहतरीन तरीके से निर्वाह करते हुए शिविरों को सफल करने में पुरजोर कोशिश की। पुनीत गोयल, अमित अग्रवाल, दीपक बंसल, सुनील अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, विक्की अग्रवाल, विजय दुदानी, आयुष अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, नितिन गोयल, गौरांग गुप्ता, गौरव अग्रवाल, परवीन बंसल, शशांक सर्राफ, उत्तम बगरेचा, वरुण गुप्ता और मनीष डालमिया की लगन काबिले तारीफ रही। शाखा सचिव पंकज जैन के कथनानुसार मंच सदस्य मयंक गर्ग और अंकित गुप्ता की मेहनत रंग लायी।

श्री राम कथा के आयोजन पर महत्वपूर्ण बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारतीय राजपुताना सेवा संगठन की ओर से श्री राम कथा का भव्य आयोजन 29 जून से 7 जुलाई तक शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में बनारस के प्रसिद्ध कथावाचक श्री पूज्य शशिकांत जी और उनके साथ पूज्या आराधना देवी शामिल होंगी।

आयोजन को लेकर सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रमुख विषयों में से एक था कलश यात्रा की रूपरेखा और इसका मार्ग। यह यात्रा आयोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और इसके सफल संचालन के लिए विस्तृत योजना बनाई गई। सभी सदस्यों ने अपने विचार और सुझाव साझा किए ताकि इस आयोजन को सफल और यादगार बनाया जा सके। संगठन के अध्यक्ष ने सभी सदस्यों को उनके योगदान और समर्पण के लिए सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता और सद्भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि सभी सदस्य अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें और आयोजन को सफल बनाने के लिए मिलकर काम करें। इस बैठक में संगठन के वरिष्ठ सदस्य, मातृशक्ति, युवा प्रतिनिधि और विभिन्न समितियों के प्रमुख शामिल हुए। सभी ने अपनी-अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझा और उनके निष्पादन के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। श्री राम कथा का यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि समाज में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने का एक माध्यम भी है। इसके माध्यम से भारतीय राजपुताना सेवा संगठन समाज में सेवा और समर्पण की भावना को और मजबूत करना चाहता है। आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

कमलेश कुमार चोपड़ा बने तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर की 17वीं वार्षिक साधारण सभा विजयनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में आयोजित की गयी। साधारण सभा की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने स्वागत किया। मंत्री कमलेश चोपड़ा ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, कोषाध्यक्ष अशोक मारू ने आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया जिसे सदन ने पारित किया। संगठन मंत्री पवन बैद ने संगठन की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की। प्रबंध मंडल से सहमंत्री संजय भटेवरा, रौनक चोराडिया, उपाध्यक्ष प्रवीण गन्ना, विकास बांठिया ने राकेश पोखरणा

द्वारा प्रदत्त अवसर एवं प्रोत्साहन हेतु आभार प्रकट किया। सभी उपस्थित पूर्व अध्यक्षों राकेश दुधोडिया, अशोक कोठारी, महेंद्र टेबा, अभिषेक कावड़िया, दिनेश मरोठी, अमित दक, श्रेयांस गोलछा, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने 2023-24 के सफलतम सत्र हेतु अध्यक्ष राकेश पोखरणा, प्रबंधमंडल को बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर सेवानिवृत हो रहे परिषद् सदस्य, कार्यकारिणी सदस्य, प्रबंध मंडल को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। संचालन कमलेश चोपड़ा ने किया। वर्ष 2024-25 कार्यकाल के लिए चुनाव अधिकारी पन्नालाल लूणीया एवं महेन्द्र टेबा ने प्राप्त नामांकन अनुसार कमलेश चोपड़ा को अध्यक्ष घोषित किया। सभी पूर्व अध्यक्ष एवं राकेश पोखरणा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए नए नेतृत्व के उज्जवल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं की।

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। गदग रोड स्थित वंट हनुमानजी मंदिर के पास आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा नई दिल्ली के राष्ट्रीय मंत्री सुभाष चंद्रा डंक और जागो राजस्थानी युवा मंच हुब्बल्ली के अध्यक्ष खेतसिंह राजपुरोहित ने वृक्षारोपण किया।

श्रीवसी मालाणी बाड़मेर जैन संघ का 35वां स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वसी मालाणी बाड़मेर जैन संघ का 35वां स्नेह मिलन लाभार्थी मांगीलाल नवकारकुमार नाहटा परिवार बाड़मेर-बेंगलूरु एमएस माइक्रो आर्ट फर्नीचर के सहयोग से जैन फर्म में आयोजित किया गया। दीप प्रज्वलित व मंगलाचरण से साधारण सभा का शुभारंभ हुआ। संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी का

स्वागत कर लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। महामंत्री सुरेश धारीवाल ने संघ द्वारा किये गए कार्य का विवरण देकर नई कार्यकारिणी की बात रखी। सभी ने संघ के कार्यो की प्रसंशा कर अपने अपने सुझाव देकर सर्वसम्मति से पुनः कैलाश संखलेचा को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। संघ के कोषाध्यक्ष गौतम बोहरा एवं सहकोषाध्यक्ष दिनेश धिया ने लेखा-जोखा पेश किया। श्री संघ द्वारा लाभार्थी परिवार सहित वर्षीतप के तपस्वियों का बहुमान किया गया। उपाध्यक्ष गणेश बोथरा व सोहन छाजेड़ ने भोजन व्यवस्था में अपना सहयोग दिया। सहमंत्री सुरेश बोथरा, विक्रम बोथरा, गौरव संखलेचा ने खेल-कूद प्रतियोगिता में अपना सहयोग दिया। आगामी स्नेहमिलन का लाभ गौतमचंद दानमल बोहरा ने लिया। कैलाश संखलेचा ने पुनः श्री संघ का अध्यक्ष मनोनीत करने पर सभी का आभार प्रकट किया। नई कार्यकारिणी की घोषणा शीघ्र कर दी जाएगी।

तटीय-पर्वतीय क्षेत्र में अगले 3 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अगले तीन दिनों तक तटीय और पहाड़ी जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़, शिवमोग्गा, चिकमगलूरु, हासन, मैसरु, धारवाड़, हावेरी, कोडागु जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि तटीय और पहाड़ी जिलों में सबसे अधिक बारिश होने की संभावना है, दक्षिणी अंतर्देशीय जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। हालांकि पिछले तीन-चार दिनों से मानसून ठीक हो गया है, लेकिन राज्य के अंदरूनी इलाकों में उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं हुई है। कुछ छिटपुट बारिश के अलावा तटीय और पहाड़ी इलाकों में उम्मीद के मुताबिक अच्छी बारिश नहीं हुई है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 27 जून को राज्य में मानसून मजबूत होगा और अच्छी बारिश के आसार हैं। अरब सागर में ट्रफ बनने से तटीय और पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर बारिश होगी।

लेकिन अंदरूनी हिस्से में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और तेज ऊपरी हवाएँ चलेंगी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश के आसार हैं। एक जून से राज्य में नियमित बारिश हो रही है। लेकिन पहाड़ी और तटीय इलाकों में सामान्य से कम बारिश हो रही है। केवल अंतर्देशीय में ही अधिक वर्षा होती है। मौसम विभाग ने जिन जिलों में भारी बारिश हो रही है वहां के जिला प्रशासन को जरूरी एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया है।

सोनिया गांधी, राहुल गांधी देश के लोगों से माफी मांगें: आर अशोक

संविधान का अपमान करने वाले दोषी हैं कांग्रेसी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी दल के नेता आर. अशोक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश विरोधी और संविधान विरोधी है। ऐसी पार्टी को आज देश के सामने नतमस्तक होकर कहना चाहिए कि आपातकालीन स्थिति को लेकर हमने देश को धोखा दिया है। उन्होंने सोमवार को फ्रीडम पार्क के पास आयोजित पेस्टर अभियान के दौरान इंदिरा गांधी द्वारा भारत पर थोपे गए आपातकाल की निंदा की और इस संबंध में राहुल गांधी से माफी की मांग की।

वे कहते हैं कि हमने संविधान बदल दिया है। हमने कुछ भी नहीं बदला है। यह आलोचना करते हुए कि यदि वे ऐसा नहीं भी करते हैं, तो भी वे हम पर एक अपवाद डालते हैं, उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेसी ही वे लोग हैं जिन्होंने संविधान का अपमान और विश्वासघात किया है। ऐसी कांग्रेस

पार्टी देश की जनता के सामने अपराधी की स्थिति में खड़ी है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी को रामलीला मैदान में आकर देश और देश की जनता को नमन करते हुए संविधान का अपमान करने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा किसी भी कारण से संविधान बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हमारा संविधान हमारे लिए भगवद गीता की तरह है। उन्होंने

शिकायत की कि ऐसे संविधान का अपमान करने वाले दोषी कांग्रेसी हैं। उन्होंने बताया कि एक छात्र के रूप में, उन्होंने अन्य छात्रों के साथ जनसंघ और आरएसएस की ओर से इंदिरा

गांधी के खिलाफ नारे लगाए थे। उन्होंने कहा कि उन्हें वहां से गिरफ्तार किया गया और प्रताड़ित किया गया। 200 लोगों के लिए सिर्फ एक बाथरूम था। ठीक से खाना भी नहीं दे रहे थे। ऐसी गद्दार कांग्रेस पार्टी प्रदेश की सत्ता में है।

उन्होंने याद दिलाया कि आ-पातकाल का मतलब काले दिन थे। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए उसे बदमाशों, धोखेबाजों और राष्ट्र विरोधी नीतियों वाली पार्टी बताया। उन्होंने ऐलान किया कि ये पोस्टर कांग्रेस दफ्तर में चिपकाए जाएंगे। हालांकि बाद में सभी नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस मौके पर राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, विधायक मुनिराजू, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, चलवाडी नारायण स्वामी, केशवप्रसाद, भाजपा के राज्य महासचिव पी. राजीव, प्रदेश उपाध्यक्ष एन. महेश, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, प्रमुख लोग और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कन्नड़ संगठनों ने सरकार से महाराष्ट्र के साथ जल अदला-बदली संधि में तेजी लाने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ संगठनों ने कर्नाटक सरकार से पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के साथ प्रस्तावित जल अदला-बदली संधि में तेजी लाने का आग्रह किया है, ताकि दोनों राज्यों में जल की कमी की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। महाराष्ट्र द्वारा 2016 में प्रस्तावित संधि का उद्देश्य एक राज्य से दूसरे राज्य को जलाशयों से छोड़े जाने वाले पानी के लिए भुगतान करने के बजाय राज्यों के बीच जल का आदान-प्रदान करना है।

कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच जल बंटवारे की मौजूदा व्यवस्था अभी तक, कर्नाटक को गर्मियों के महीनों में महाराष्ट्र के बांधों से सालाना औसतन लगभग चार टीएमसीएफटी पानी मिलता है। इसका उपयोग पेयजल आपूर्ति के लिए किया जाता है। कर्नाटक सिंचाई विभाग इस गैर-मानसून मौसम के पानी के लिए महाराष्ट्र को भुगतान करता है। महाराष्ट्र ने सुझाव दिया है कि कर्नाटक दक्षिण-पूर्वी महाराष्ट्र के सूखे जिलों को भी इसी मात्रा में पानी छोड़े। उनके अधिकारियों ने बताया कि एक बार ऐसा हो जाने पर भुगतान की कोई आवश्यकता नहीं होगी। कर्नाटक सरकार ने सैद्धांतिक रूप से प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, सिंचाई इंजीनियरों

ने एक व्यावहारिक समस्या की ओर इशारा किया है, जो कार्यान्वयन को मुश्किल बनाती है। उनका तर्क है कि कर्नाटक के विजयपुरा जिले में तुबाची-बाबलेश्वर लिफ्ट सिंचाई योजना से महाराष्ट्र के जट्ट तालुक जैसे क्षेत्रों तक पानी ले जाने के लिए नहर नेटवर्क की आवश्यकता है। इस नेटवर्क की लागत 500 करोड़ तक हो सकती है। वे चाहते हैं कि महाराष्ट्र या तो नेटवर्क का निर्माण करे या इसके लिए कर्नाटक को भुगतान करे। एक अन्य सुझाव यह है कि महाराष्ट्र आपातकालीन रिलीज के लिए पानी को रोकने के लिए एक छोटा जलाशय बनाए। विशेष रूप से, अधिकारियों ने तुबाची-बाबलेश्वर से चार टीएमसीएफटी पानी छोड़ने पर सहमत होने के खिलाफ चेतावनी दी है, क्योंकि बांध को केवल छह टीएमसीएफटी पानी रखने के लिए डिजाइन किया गया है। तुबाची-बाबलेश्वर लिफ्ट सिंचाई योजना 3,700 करोड़ की लागत से बनाई गई थी और 2018 से चालू है। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में शामिल कन्नड़ संगठनों के संयोजक अशोक चंद्रागी ने कहा महाराष्ट्र न तो परियोजना के लिए भुगतान करने को तैयार है और न ही निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने को। इसके कारण गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। महाराष्ट्र को नहरों के निर्माण और जरूरत पड़ने पर एक छोटे जलाशय के निर्माण के लिए भुगतान करने के लिए आगे आना चाहिए। दोनों राज्यों के अधिकारी इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दो बार मिल चुके हैं।

इस मोर्चे पर ज्यादा प्रगति नहीं हुई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुलाई गई दोनों मुख्यमंत्रियों की बैठक में भी ये मुद्दे उठे थे। इस मोर्चे पर ज्यादा प्रगति नहीं हुई है। कन्नड़ संगठनों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखकर महाराष्ट्र सरकार से संपर्क करने और जल विनिमय संधि को अंतिम रूप देने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि उत्तरी कर्नाटक के अधिकांश जिले सूखे और बाढ़ के चक्र से पीड़ित हैं। जलाशयों के बुद्धिमानीपूर्ण उपयोग से इन आपात स्थितियों से होने वाले नुकसान को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कर्नाटक और महाराष्ट्र को तुरंत एक समझौते पर आना चाहिए और एक संधि पर हस्ताक्षर करना चाहिए। यह न केवल दोनों राज्यों में पानी की कमी को दूर करेगा, बल्कि इससे कर्नाटक को पैसे बचाने में भी मदद मिलेगी। महाराष्ट्र में लगातार सरकारों के नेताओं ने आरोप लगाया है कि अलमट्टी बांध में पानी रोकने से बैकवाटर बढ़ जाता है जिससे महाराष्ट्र में बाढ़ आती है। कर्नाटक के लोगों का कहना है कि यह उचित नहीं है।

विधान परिषद के 17 सदस्यों ने शपथ ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के कुल 17 सदस्यों ने सोमवार को शपथ ली, जिनमें विधानसभा के लिए चुने गए 11 निर्विरोध सदस्य, 6 स्नातक और शिक्षक क्षेत्र से चुने गए सदस्य शामिल थे। विधान सौधा के बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक समारोह में, विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने नए सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, जिसमें 11 सदस्य विधान परिषद के, तीन शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के और तीन सदस्य स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शामिल थे।

मंत्री एनएस बोसराजू, के. गोविंदराजू, ए. वसंतकुमार, डॉ. यतींद्र सिद्धरामैया, इवान डिसूजा, जगदेव गुट्टेदार, बाल्किस बानू, डीटी श्रीनिवास, रामोजीगौड़ा, डॉ. चन्द्रशेखर बसवराज पाटिल समेत 10 लोगों ने शपथ ली। भाजपा से सीटी रवि, एन. रविकुमार, मारुति राव, डॉ. धनंजय सरजी और चार अन्य और जेडीएस से टी. एन. जा-वराई गौड़ा, एस. एल. भोजे गौड़ा, के. विवेकानन्द सहित तीन सदस्यों ने सदस्य पद की शपथ ली। समारोह में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, कानून मंत्री एचके पाटिल, विधायक, राजनीतिक दलों के नेता, प्रशंसक और परिवार मौजूद थे और नए सदस्यों को बधाई दी।

डेंगू की दस्तक से बीबीएमपी चिंतित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ को डेंगू बुखार है। डेंगू की दस्तक ने मुख्य आयुक्त को चिंता में डाल दिया है, जिन पर शहर के डेढ़ करोड़ लोगों के स्वास्थ्य की निगरानी की जिम्मेदारी है।

बीमारी के बावजूद, नाथ ने कथित तौर पर अपने कर्तव्यों को पूरा करना, महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेना और अपना नियमित कार्यक्रम बनाए रखना जारी रखा है। नाथ गत बुधवार से हल्के बुखार से पीड़ित थे। बीबीएमपी के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी की सिफारिश पर, डेंगू परीक्षण किया गया और यह सकारात्मक पाया गया। शहर में डेंगू के मामलों और अन्य ज्वर संबंधी वायरल बीमारियों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है, केवल 10 दिनों में शहर में डेंगू के कुल 550 मामले सामने आए हैं। यह एक गंभीर बीमारी है जिसका अगर जल्दी पता न लगाया जाए तो जान को खतरा हो सकता है। ताजा जानकारी के मुताबिक बेंगलूरु में कई लोग डेंगू बुखार से पीड़ित पाए गए हैं।

सूरज रेवन्ना यौन शोषण मामले में एक और आरोपी फरार

आठ दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस एमएलसी सूरज रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण मामले में एक आरोपी और अरकलगुड तालुक के युवक के खिलाफ जवाबी मामले में शिकायतकर्ता फरार है। कर्नाटक के हासन जिले के होलेनरसीपुर तालुक के हनुमानहल्ली निवासी एच.एल. शिवकुमार, जिन्होंने खुद को सूरज रेवन्ना ब्रिगेड का कोषाध्यक्ष बताया, ने 21 जून को अरकलगुड के युवक पर सूरज रेवन्ना को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने यौन शोषण के आरोप लगाकर सूरज रेवन्ना को बदनाम करने की धमकी दी। यौन शोषण करने वाले व्यक्ति के आरोप में सूरज रेवन्ना की गिरफ्तारी के साथ ही, अब पूरा रेवन्ना परिवार कानूनी पचड़ों में फंस गया है। 22 जून को युवक ने होलेनरसीपुर

ग्रामीण पुलिस में सूरज रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। उसने यह भी आरोप लगाया कि सूरज रेवन्ना और एच.एल. शिवकुमार ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसने उत्पीड़न के बारे में पुलिस से शिकायत की तो उसे जान से मार दिया जाएगा। हासन पुलिस ने 22 जून की शाम सूरज रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया। बाद में मामला आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया गया। एच.एल. शिवकुमार फरार है। सूरज रेवन्ना हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बड़े भाई हैं, जिन पर भी यौन शोषण के आरोप हैं। इसी बीच 42वीं एसीएमएम जन प्रतिनिधि अदालत ने कथित यौन उत्पीड़न मामले के मद्देनजर विधान परिषद सदस्य सूरज रेवन्ना को आठ दिनों के लिए सीआईडी पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। होलेनरसीपुर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए सूरज रेवन्ना को अदालत में पेश किया गया। जज ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत का आदेश दिया। सीआईडी पुलिस द्वारा सूरज को आगे की जांच के लिए 14 दिनों की रिमांड पर भेजने के अनुरोध के बाद न्यायमूर्ति ने सूरज को 8 दिनों के लिए सीआईडी हिरासत में भेजने का आदेश दिया। ज्ञातव्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार को एक और झटका देते हुए पुलिस ने जेडीएस एमएलसी और गौड़ा के पोते सूरज रेवन्ना को जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के मामले में शनिवार रात को गिरफ्तार किया था। आरोपों की गैर-जमानती प्रकृति के कारण, पुलिस ने गिरफ्तारी से पहले गहन पूछताछ की। डॉ सूरज रेवन्ना को हासन सीईएन पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिया गया था। सूत्रों ने पुष्टि की है कि पुलिस ने गिरफ्तारी से पहले सुबह 4 बजे तक उनसे पूछताछ की। पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना के बड़े बेटे सूरज रेवन्ना को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह शिकायत दर्ज कराने पुलिस स्टेशन आए थे। बताया जाता है कि उन्हें एक जेडीएस कार्यकर्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की कोशिश करते समय हिरासत में लिया गया, जो इस मामले में कथित पीड़ित है। पुलिस ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते सूरज रेवन्ना के खिलाफ शनिवार रात को एफआईआर दर्ज की गई थी और उन्हें जेडी (एस) कार्यकर्ता द्वारा दर्ज कराए गए कथित यौन उत्पीड़न मामले के संबंध में पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन बुलाया गया था।

अभिनेता दर्शन से मिलने उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी जेल पहुंची

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चित्रदुर्गा के रेणुकास्वामी हत्या मामले में विचाराधीन कैदी अभिनेता दर्शन से मिलने उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी और विनोद प्रभाकर जेल पहुंचे। बताया जा रहा है कि जेल में अपने पति से मिलने पहुंची विजयालक्ष्मी और दर्शन के बेटे ने मीडिया के कैमरे देखकर थोड़ी दूरी पर अपनी कार रोक दी।

परप्पना अग्रहारा पुलिस स्टेशन के कर्मचारी उन्हें जेल के पास ले गए और जेल में प्रवेश कराया। बाद में दर्शन के करीबी दोस्त अभिनेता विनोद प्रभाकर भी पहुंचे और गेट के बाहर अपनी कार खड़ी कर सामान्य व्यक्ति की तरह टहलने लगे। उनके और भी कई फैंस और दोस्त उन्हें देखने पहुंच रहे हैं। कुछ लोग बाहर इंतजार कर रहे थे। जिस याचिका में पुलिस ने इस मामले में जेल में बंद दर्शन समेत कई आरोपियों को तुमकुरु जेल में शिफ्ट करने का अनुरोध किया है, उस पर कोर्ट में सुनवाई होगी। इस मामले में आरोपियों का एक ही जगह रहना सुरक्षित नहीं है। एसपीपी प्रसन्ना कुमार ने उनमें से कुछ को तुमकुरु जेल में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था, हालांकि दर्शन के वकील ने उनके अनुरोध पर आपत्ति जताई है।

कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा को घटाकर 10 वर्ष कर दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पॉक्सो अधिनियम के एक मामले में एक आरोपी की सजा को आजीवन कारावास से घटाकर 10 वर्ष कर दिया है, जिसमें अधिकतम दंड लगाते समय वैध कारणों की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

चिकमगलूरु निवासी 27 वर्षीय आरोपी की अपील को न्यायमूर्ति श्रीनिवास हरीश कुमार और सी एम जोशी की खंडपीठ ने आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया। हालांकि, न्यायालय ने उसका जुर्माना 5,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया। यह मामला जून 2016 में आरोपी द्वारा अपने पड़ोस में रहने वाली एक नाबालिग लड़की से दोस्ती करने और उसका बार-बार यौन उत्पीड़न करने से जुड़ा है। लड़की की मां ने दिसंबर 2016 में अपनी बेटी के गर्भवती होने का पता चलने पर शिकायत दर्ज कराई थी। डीएनए परीक्षण से पुष्टि हुई कि आरोपी ही लड़की का जैविक पिता है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की और जांच के बाद आरोप-पत्र दाखिल किया।

11 जून, 2018 को चिकमगलूरु के जिला मुख्यालय शहर में एक विशेष अदालत ने आरोपी को पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई और उसे आपराधिक धमकी का दोषी पाते हुए 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया। आरोपी ने उच्च न्यायालय में फैसले को चुनौती दी, जिसमें तर्क दिया गया कि लड़की की उम्र उचित दस्तावेजों के साथ साबित नहीं की गई थी। खंडपीठ ने पाया कि मौखिक गवाही से लड़की की सहमति का पता चलता है, हालांकि घटना के समय उसकी वास्तविक उम्र 12 वर्ष होने के कारण यह कानूनी रूप से अप्रासंगिक था। पीठ ने टिप्पणी की कि सहमति के इस संकेत ने पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत अधिकतम सजा लगाने का विरोध किया। इसने निष्कर्ष निकाला कि विशेष अदालत ने अधिकतम आजीवन कारावास की सजा लगाने के लिए पर्याप्त कारण नहीं बताए थे। अपराध की तारीख पर कानून के अनुसार, पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 में न्यूनतम 10 वर्ष के कठोर कारावास और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा की अनुमति दी गई थी। अदालत ने फैसला सुनाया कि अधिकतम सजा देने के लिए वैध कारणों की आवश्यकता होती है, जो विशेष अदालत के फैसले में अनुपस्थित थे। नतीजतन, अदालत ने अपने हालिया आदेश में सजा को संशोधित कर 10 साल की कैद कर दिया।

भजन संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस के पूर्व संध्या पर तेयुप हनुमंतनगर द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम द्वारा भजन संध्या का आयोजन साध्वी सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में किया गया। साध्वी आस्थाप्रभा जी ने गीतिका के माध्यम से गुरुवर का गुणगान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक मंगलाचरण से हुआ। ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं व ज्ञानार्थियों ने नए लघु अभिनय द्वारा आचार्य तुलसीगणी जीवन व सिद्धांतों का स्मरण सभागार को कराया। तत्पश्चात् महाश्रमण सुर संगम से प्रभारी सन्नी रांका, सुरेश कोठारी, तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद, परामर्शक विक्रम पुगलिया, राहुल मेहता, सह मंत्री देवेंद्र आँचलिया, संदीप बाबेल ने एकल व सामूहिक प्रस्तुतियों द्वारा गणाधिपति को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महिला मंडल ने प्रस्तुति दी। इस उपलक्ष्य में सभा अध्यक्ष तेजमल सिंघवी, सभा मंत्री हरकचंद ओसतवाल, अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयूप परामर्शक महावीर बोलिया, मंत्री राजीव हिरावत, सहमंत्री द्वितीय सुमित चिंडालिया, संगठन मंत्री दीक्षित सोलंकी, कार्यकारणी सदस्य कमलेश झाबक, नवरत्न बोलिया, नवरत्न बरडिया, महिलामंडल व श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। सफल संचालन राहुल मेहता ने किया।

कलबुर्गी हवाई अड्डे पर मिली बम की धमकी

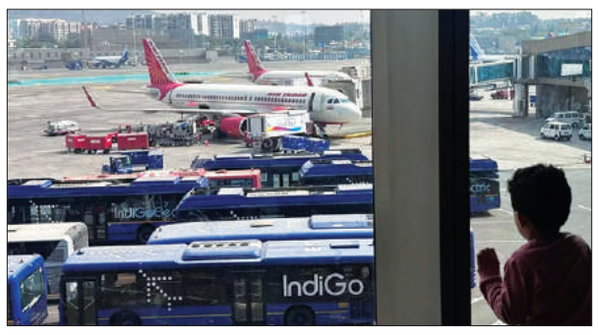

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने बताया कि कलबुर्गी हवाई अड्डे पर सोमवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली और तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे के परिसर में बम निरोधक और डॉग स्क्वॉड काम कर रहे हैं। कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त चेतन आर ने बताया कि हवाई अड्डे के निदेशक को सुबह एक अज्ञात आईडी से ईमेल मिला जिसमें दावा किया गया था कि हवाई अड्डे के परिसर में बम रखा गया है। उन्होंने कहा जैसे ही हमें कलबुर्गी घरेलू हवाई अड्डे पर बम की धमकी वाले ईमेल के बारे में सूचना मिली, बम निरोधक दस्ते को भेज दिया गया। विमान में सवार सभी यात्रियों को उतार दिया गया। हवाई अड्डे के सभी कर्मचारियों और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है, जबकि गहन और गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

शिवकुमार ने चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक अभियान चलाया

लोगों की समस्याएं सुनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार, जो उन तीन विधानसभा क्षेत्रों पर नजर रख रहे हैं जहां उपचुनाव होंगे, ने सोमवार को चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक अभियान चलाया। रामनगर जिले का चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र शिवकुमार के लिए प्रतिष्ठा का क्षेत्र है। बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में पहले ही झटका झेलने के बाद कांग्रेस पार्टी चन्नपट्टना में खड़े होकर बदला लेने की योजना बना रही है। ऐसे में कांग्रेस ने यह नहीं बताया है कि उम्मीदवार कौन है। डीके शिवकुमार पिछले एक सप्ताह में दूसरी बार निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे। पिछले सप्ताह निर्वाचन क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान, डी.के.शिवकुमार, जिन्होंने मंदिरों का दौरा किया और विशेष पूजा की, ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ परामर्श किया। वह सोमवार को दूसरी बार दौरे पर रहे और जनसंपर्क किया। लोकसभा चुनाव से पहले डी.के.शिवकुमार ने जनस्पंदन कार्यक्रम पर जोर दिया था। बेंगलूरु के सभी 28 लोकसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। आचार संहिता की पृष्ठभूमि में भी पिछले तीन माह से जनस्पंदन नहीं हुआ। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा चलाया गया जन अभियान भी निलंबित कर दिया गया। चुनाव प्रक्रिया स्थगित होने के बाद डी.के.शिवकुमार ने पहली बार चन्नपट्टना से चुनाव प्रचार शुरू किया है।

इससे यह साफ हो रहा है कि अगले उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को जीत दिलानी है। उपचुनाव में उम्मीदवार को लेकर काफी चर्चा रही। एक समय डीके शिवकुमार ने यह कहकर राजनीतिक दिलचस्पी जगा दी थी कि वह खुद उम्मीदवार बनेंगे। बाद में उन्होंने अपना बयान बदल दिया और कहा कि चाहे कोई भी चुनाव लड़े, वह उम्मीदवार होंगे, जिससे यह पता चलता है कि निर्वाचन क्षेत्र को किस हद तक गंभीरता से लिया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व सांसद डीके सुरेश इस सीट से उम्मीदवार हो सकते हैं। भाजपा और जेडीएस गठबंधन भी मजबूत उम्मीदवार की तलाश में है। पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर पहले से ही विधान परिषद के सदस्य हैं। उनके दोबारा प्रतिस्पर्धा करने को लेकर तरह-तरह की व्याख्याएं की जा रही हैं। इससे पहले शिवकुमार ने जनसपंदना कार्यक्रम के बाद शक्ति देवी माँ कब्बलम्मा की बहन माँ बिसिलम्मा मंदिर हुनासनहल्ली दर्शन कर माँ का आशीर्वाद लिया।

साध्वी हेमप्रभा की 17वीं पुण्यतिथि पर वृद्धाश्रम में सहयोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा पूज्य साध्वी हेमप्रभा श्री जी की 17 वीं पुण्यतिथि निमित्त मानव सेवा कार्यक्रम के तहत कनकपुरा रोड स्थित शांतिधाम वृद्धाश्रम में सहयोग सामग्री प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के लाभार्थी ज्ञानकंवर कल्याण मल कांकरिया, सुशीला देवी, बहादुर कुमार कांकरिया परिवार थे।

मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने वृद्धाश्रम में निवास कर रहे सभी सदस्यों की कुशलक्षेम पूछी। मंत्री ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आश्रम में निर्मित परमात्मा महावीर के जिनालय में चैत्यवन्दन स्तुति करने के पश्चात सभी निवासियों को अपने हाथों से नाश्ता करवाया। इस अवसर पर लाभार्थी सुशीला देवी, बहादुर कांकरिया, आयुष, रजत कांकरिया, उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, अर्चित पारख, विकास बच्छावत, संकेत डागा, गिरीश बोहरा, विजयराज लोढ़ा, रेखा लोढ़ा आदि सदस्य उपस्थित थे।

कुमारस्वामी ने लोकसभा में कन्नड़ में शपथ ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने लोकसभा सदस्य के रूप में कन्नड़ भाषा में शपथ ली। मांड्या लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित होकर उन्होंने सोमवार को लोकसभा में ईश्वर के नाम पर सत्ता और गोपनीयता की शपथ ली।

कुमारस्वामी ने इस संबंध में पोस्ट कर कहा 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में, मांड्या महाजनता के प्रतिनिधि के रूप में, मैंने अपनी मातृभाषा कन्नड़ में लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष की उपस्थिति में शपथ ली। उन्होंने कहा कि यह मेरे जीवन का एक अवर्णनीय और गौरवपूर्ण क्षण है, मैं मांड्या लोकसभा क्षेत्र के सभी माता-पिता, भाई और बहनों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र के मंदिर में कृतज्ञता के इस क्षण में योगदान दिया।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने शिवमोग्गा में की बैठक

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

पंजाब में संयुक्त किसान मोर्चा के नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल ने कहा कि 400 से अधिक सीटें जीतने का दावा करने वाले लोग चुनाव में किसानों के संघर्ष के कारण हार गए, जो इसे रोकने के सभी प्रयासों के बावजूद जारी रहा। शिवमोगा में सोमवार को किसान नेताओं की राष्ट्रीय स्तर की बैठक में बोलते हुए दल्लेवाल ने कहा कि किसानों ने तमाम बाधाओं के बावजूद विरोध प्रदर्शन किया। केंद्र द्वारा रोकने के लिए अपनी सारी मशीनरी का इस्तेमाल करने के बाद भी किसानों ने अपना संघर्ष जारी रखा। उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली चालें चलीं। जब चुनाव

घोषित हुए और आदर्श आचार संहिता लागू हुई, तो हम पर विरोध प्रदर्शन रोकने का दबाव था। आम तौर पर, चुनावों के दौरान विरोध प्रदर्शन रुक जाते हैं। हालांकि, हमने नहीं रोका। हर राजनीतिक दल को अपने घोषणापत्र में किसानों की मांगों को शामिल करना पड़ा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि संघर्ष के कारण भाजपा 400 सीटों के लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। उन्होंने कहा लोगों ने सरकार को एक कड़ा संदेश दिया, जिसने शांतिपूर्ण विरोध को बाधित करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के किसान संघर्ष जारी रखेंगे। संगठन भाजपा के टिकट पर चुने गए सांसदों को छोड़कर सभी लोकसभा सदस्यों को ज्ञापन सौंपेगा। उन्होंने कहा हम कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की रिपोर्ट को लागू करना चाहते हैं। सरकार को हमारी बात सुननी होगी। कर्नाटक में रायथा संगठननेगला ओक्कुटा के अध्यक्ष कुरुबुरू शांताकुमार ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के लिए कानून की मांग को लेकर संघर्ष जारी रहेगा। भविष्य के संघर्षों की योजना बनाने के लिए शिवमोग्गा में बैठक बुलाई गई थी। उन्होंने कहा यह किसानों के आंदोलनों की भूमि है। हम यहां से आंदोलन को आगे ले जाएंगे। शांताकुमार ने किसान सम्मान योजना में अपना योगदान बंद करने के लिए राज्य सरकार की भी आलोचना की।

येदियुरप्पा ने धर्मस्थल मंजूनाथ का किया दौरा

बेलथांगडी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने धर्मस्थल निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और श्री मंजूनाथ स्वामी के दर्शन किये। साथ ही पुजारी डी. वीरेंद्र हेगड़े से मुलाकात कर चर्चा की।

सुबह मंदिर में भगवान के दर्शन करने के बाद डॉ. वीरेंद्र हेगड़े ने येदियुरप्पा का सम्मान किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि कई सालों के बाद धर्मस्थल विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। हमारे क्षेत्र में सूखा पड़ा है और मैंने मंजूनाथ से प्रार्थना की है कि बारिश हो और खूब पैदावार हो। इस अवसर पर बेलथांगडी विधायक हरीश पूंजा, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीनिवास राव और कई अन्य उपस्थित थे।

जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हुआ परिसर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजराजेश्वरीनगर में स्थित ओमकारा हिल्स में श्री राम गुरुकुल गौसेवा समिति बेंगलूरु एवं डॉ आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी मधुसूदनपुरीजी एवं कथा वाचक महामण्डलेश्वर स्वामी प्रकाशानंद के सानिध्य में रात्रि 7 बजे भव्य जागरण रखा गया। दीप प्रज्वलित कर गुरु वंदना की गई। भजन गायक रमेश सैन ने गणपति वंदना की प्रस्तति देकर जागरण का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में राजस्थान से आए शैतान सिंह राजपुरोहित, स्थानीय भजन गायक रतनसिंह राजपुरोहित, हेमंत जोशी, राधेश्याम माली, मोहन सीरवी ने भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे समाजसेवी सी.के.मौहला हिन्दुस्तान गोल्ड का ट्रस्ट की ओर से सम्मान

किया गया। सीके मौहला हिन्दुस्तान गोल्ड ने कहा कि भाग्य से ज्यादा बलवान कुछ नही है। सबसे बलवान हमारा भाग्य है। राम कथा जीवन में आदर्श बनना सीखाती है। उन्होंने कहा भगवान श्रीराम ने आज्ञा का पालन मर्यादा में रहकर 14 वर्षो का समय वनों में काटा, लेकिन अपने कष्टों का एहसास नही होने दिया। राम नाम के गुणगान से मनुष्य अपनी नैया को पार लगा सकता है। इस अवसर पर मोतीलाल माली, दिनेश राजपुरोहित, शांतिलाल राजपुरोहित, राजू सुथार, भेराराम गुर्जर, बजरंग लाल चौधरी, आकाश राजपुरोहित सहित श्रीराम गुरुकुल गौसेवा समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नामंगला ग्राम में श्री कोड़ी बसवेश्वर स्वामी एवं श्री आदिशक्ति रामादेवी का रथ उत्सव एवं अग्निकुंड उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री मृत्युंजय शिवाचार्य स्वामी ने सानिध्य प्रदान की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा दी। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

चन्नपट्टना उपचुनाव सहित कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगे: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद डीके सुरेश ने स्पष्ट किया है कि वह चन्नपट्टना उपचुनाव सहित कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। जैसा कि आदेश दिया गया है, मैं आराम कर रहा हूं। चन्नपट्टना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं बहुत दबाव में था। आराम की जरूरत थी। लोकसभा चुनाव में लोगों ने मुझे आराम करने की सलाह दी है। मैं तदनुसार कार्य करूंगा। उन्होंने कहा कि उनका दूसरा चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है। किसी ने मुझसे इस बारे में चर्चा नहीं की कि चन्नपट्टना में प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। यहां तक कि केपीसीसी अध्यक्ष ने भी जिक्र नहीं किया। पार्टी सक्षम उम्मीदवार को मैदान में उतारेगी। उन्होंने कहा कि मैं एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह पार्टी प्रत्याशी को जिताने के लिए काम करूंगा। एचडी कुमारस्वामी ने मांड्या लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुने जाने के बाद चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। निर्वाचन क्षेत्र खाली होने के बाद उस पर उपचुनाव की घोषणा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा फिलहाल मेरे पास वहां से चुनाव लड़ने का कोई प्रस्ताव नहीं है। वह पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर के बयान को महत्व नहीं देते। एक एक्टर और प्रोड्यूसर होने के नाते उनके बयान कभी भी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं होगी।

जेपी नड्डा ने मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा पत्र

तमिलनाडु जहरीली शराब कांड पर चुप्पी क्यों?

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तमिलनाडु में जहरीली शराब कांड को लेकर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा। नड्डा ने इस मामले पर उनकी पार्टी की चुप्पी पर सवाल उठाया। जहरीली शराब से राज्य में कई लोगों की मौत हुई है।

नड्डा ने खड़गे को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी पूरी तरह से मानव जनित है। अगर द्रमुक-विपक्षी गठबंधन सरकार और अवैध शराब माफियाओं के बीच सांठगांठ नहीं होती तो शायद 56 लोगों की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने कहा, तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी के बाद कल्लाकुरिची के करुणापुरम गांव में चिताएं जलाने की भयावह तस-वीरों ने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा, करुणापुरम में अनुसूचित जाति की

आबादी काफी ज्यादा है, जो गरीबी और भेदभाव के कारण कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। मैं हैरान हूं कि जब इतनी बड़ी आपदा आई है, तो आपके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने चुप्पी क्यों साध रखी है।

भाजपा प्रमुख ने कहा, कुछ मुद्दों पर हमें पार्टी लाइन से ऊपर उठने की जरूरत है और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति समुदाय का कल्याण और सुरक्षा ऐसा ही मुद्दा है। नड्डा ने खड़गे से कहा कि वह तमिलनाडु की द्रमुक-इंडी गठबंधन सरकार पर सीबीआई जांच कराने और राज्य के निषेध एवं उत्पाद शुल्क मंत्री एस मुथुसामी को उनके पद से तत्काल हटाने का अनुरोध करें। उन्होंने यह भी मांग की कि पीड़ितों के परिजनों को दी जाने वाली मुआवजे की राशि को उचित स्तर तक बढ़ाया जाए, ताकि इन परिवारों का पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित हो सके। पत्र में उन्होंने आगे कहा, आज समय है कि न्याय पर की गई बातों पर सही मायने में अमल किया जाए। न कि इसे केवल एक चुनावी नारे तक सीमित रखा जाए। नड्डा ने आगे कहा, आज तमिलनाडु के लोग और पूरा अनुसूचित जाति समुदाय कांग्रेस पार्टी और खासतौर पर राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के नेताओं की दोहरे मानकों देख रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अचानक संविधान और अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के कल्याण व अधिकारों को सुनिश्चित करने के बारे में राहुल गांधी के सभी उपदेश बंद हो गए हैं। नड्डा ने कहा, कार्रवाई करने का समय आ गया है। खोखले शब्द, फर्जी बयानबाजी और खोखले वादे द्रमुक-इंडी गठबंधन सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के पीड़ितों और उनके परिवारों पर किए गए अन्याय को खत्म नहीं करेंगे। भाजपा प्रमुख ने खड़गे से आग्रह किया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चुप्पी साधने के बजाय पीड़ित परिवारों से मिलने जाएं या कम से कम इस मुद्दे पर आवाज उठाने का साहस जुटाएं।

जेपी नड्डा बने राज्यसभा में सदन के नेता

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता बनाया गया है। वह राज्यसभा में पीयूष गोयल की जगह लेंगे। नड्डा के पास केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और उर्वरक व रसायन मंत्रालय का जिम्मा भी है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2024 में खत्म हो गया था। उन्हें आम चुनाव के चलते छह महीने का विस्तार दिया गया था। उनका कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है।

इस बार 27 जून को सम्पन्न होगा चमलियाल मेला

इस बार पाकिस्तानी रेंजरों को न्यौता नहीं

चमलियाल सीमा चौकी (जम्मू फ्रंटियर), 24 जून (ब्यूरो)।

इस बृहस्पतिवार यानि 27 जून को रामगढ़ सेक्टर में इस चमलियाल सीमांत पोस्ट पर आयोजित किए जा रहे वाले बाबा चमलियाल के मेले में इस बार भी लगातार 7वीं बार भी दोनों मुल्कों के बीच शक्कर और शर्बत नहीं बंटेगा क्योंकि इस बार पाक रेंजरों अड़ियल रवैया को ध्यान में रखते हुए भारतीय सुरक्षाबलों की ओर से उन्हें शिरकत या चादर चढ़ाने का न्यौता ही नहीं दिया गया है।

जीरो लाइन पर स्थित चमलियाल सीमांत चौकी पर जो मजार है वह बाबा दीलिप सिंह मन्हास की समाधि है। इसके बारे में प्रचलित है कि उनके एक शिष्य को एक बार चम्बल नामक चर्म हो गया था। बाबा ने उसे इस स्थान पर स्थित एक विशेष कुएं से पानी तथा मिट्टी का लेप शरीर पर लगाने को दिया था। उसके प्रयोग से शिष्य ने रोग से मुक्ति पा ली। इसके बाद बाबा की प्रसिद्धि बढ़ने लगी तो गांव के किसी व्यक्ति ने उनका गला काट कर उनकी हत्या कर डाली। बाद में उनकी हत्या वाले स्थान पर उनकी समाधि बनाई गई। प्रचलित कथा

कितनी पुरानी है कोई जानकारी नहीं है।

इस मेले का एक अन्य मुख्य आकर्षण भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा ट्रालियों तथा टैंकरों में भरकर शक्कर तथा शर्बत को पाक जनता के लिए भिजवाना होता था। इस कार्य में दोनों देशों के सुरक्षा बलों के अतिरिक्त दोनों देशों के ट्रैक्टर भी शामिल होते हैं और पाक जनता की मांग के मुताबिक उन्हें प्रसाद की आपूर्ति की जाती रही है जिसके अबकी बार भी सम्पन्न होने की उम्मीद खत्म हो चुकी हे। यह लगातार 7वीं बार होगा की न ही पाक रेंजर पवित्र चादर को बाबा की दरगाह पर चढ़ाने के लिए लाएंगे जिसे पाकिस्तानी जनता देती है और न ही भारतीय सुरक्षाबल प्रसाद को उस पार भेजेंगे।

परंपरा के अनुसार पाकिस्तान स्थित सैदांवाली चमलियाल दरगाह पर वार्षिक साप्ताहिक मेले का आगाज वीरवार को होता है और अगले वीरवार को समापन। भारत-पाक विभाजन से पूर्व सैदांवाली तथा दग-छन्नी में चमलियाल मेले में शरीक हुए बुजुर्ग गुरबचन सिंह, रवैल सिंह, भगतू राम व लेख राज ने बताया कि यह ऐतिहासिक मेला है। पाकिस्तान के गांव तथा शहरों के लोग बाबा की मजार पर पहुंच कर खुशहाली की कामना करते हैं। भारत-पाक के बीच सरहद बनने के बाद मेले की रौनक कम हो गई। पहले मेले के सातों दिन बाबा की मजार पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता था। वर्तमान में मेले के आखिरी तीन-चार दिन ही अधिक भीड़ रहती है।

कम्प्यूटर साइंस का छात्र निकला आतंकी

निशानदेही पर 5 और गिरफ्तार

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने मोहम्मद हबीबुल्लाह नामक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। प्रतिबंधित बांग्लादेशी आतंकी संगठन के संबंध में मिली गुप्त सूचना के आधार पर बर्धमान जिला स्थित मीरपारा में की गई कार्रवाई में यह गिरफ्तारी हुई। मोहम्मद हबीबुल्लाह बर्धमान के ही एक कॉलेज में कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का छात्र है। उसके सम्बन्ध बांग्लादेश के आतंकी संगठन अंसार-अल-इस्लाम के साथ पाए गए हैं। इसे अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के रूप में भी जाना जाता है। स्पेशल टास्क फोर्स इस मामले में गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत काम कर रही है। उसके लैपटॉप, मोबाइल फोन व अन्य उपकरणों को जब्त कर लिया गया है। वह पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी आतंकी संगठन के मॉड्यूल के लिए काम कर रहा था। उसे कांकसा पुलिस थाने में लाकर पूछताछ की गई। आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट और एसटीएफ के अधिकारियों ने उससे पूछताछ की। आगे की जांच के लिए उसे कोलकाता भेजा जाएगा।

हबीबुल्लाह से मिले सुराग के आधार पर पानागढ़ क्षेत्र से पश्चिम बंगाल पुलिस ने 5 अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। उक्त छात्र से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी पर काम करते हुए पुलिस ने नाभाघाट क्षेत्र से 5 अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया। शहादत-ए-अल हिकमा के साथ भी इनके संबंध सामने आ रहे हैं। ये सब संगठन अलकायदा के सम्बन्ध हैं। ये सब मिल कर पश्चिम और पूर्वी बर्धमान जिलों के युवाओं को आतंकी संगठनों में भर्ती कर रहे थे।

कश्मीर की यादें ताजा करने श्रीनगर पहुंचीं दिग्गज अभिनेत्रियां

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 24 जून।

देश की तीन दिग्गज अभिनेत्रियां आशा पारेख, हेलेन और वहीदा रहमान श्रीनगर के खूबसूरत शहर में अपनी पुरानी यादें ताजा करने पहुंची हैं। बॉलीवुड के सुनहरे दौर में अपनी शानदार भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली, तीनों अभिनेत्रियों ने अक्सर अपनी फिल्मों में कश्मीर के घास के मैदानों और सेटों पर रोमांस किया है। अब, वे काम के लिए नहीं, बल्कि उस खूबसूरती का आनंद लेने के लिए इस क्षेत्र में लौटी हैं, जिसका आनंद लेने के लिए उन्हें अपने व्यस्त करियर के दौरान बहुत कम समय मिला था।

दिग्गज अभिनेत्री आशा पारेख ने अपने आदर्श रिट्रीट की एक झलक साझा करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। एक तस्वीर में, तीनों एक बगीचे में एक शानदार जगह का आनंद लेते हुए दिखाई दे रही हैं। श्रीनगर में

मेरी प्यारी दोस्तों हेलेनजी और वहीदाजी के साथ कैप्शन के साथ, पारेख गुलाबी पोशाक में चमकती हैं, जबकि हेलेन ने सफेद दुपट्टे के साथ बॉटल ग्रीन रंग का कुर्ता पहना है, और रहमान ने एक ठाठ ग्राफिक प्रिंट शर्ट पहनी है। अपने मनमोहक परिदृश्यों के लिए मशहूर इस खूबसूरत छुट्टी मनाने के स्थान ने कई लोगों को प्रेरित किया है और पारेख की पोस्ट भी अपवाद नहीं हैं।

इस सुनहरी तिकड़ी ने प्रशंसकों के बीच पुरानी यादों की लहर जगा दी है, खास तौर पर हाउसबोट पर उनकी एक तस्वीर वायरल होने के बाद। पारेख ने तस्वीर शेयर की, जिसमें वे लकड़ी के नक्काशीदार अंदरूनी हिस्से की पृष्ठभूमि में दिखाई दे रहे हैं, जिसमें एक शाही झूमर भी है। कैप्शन में लिखा है, श्रीनगर में हाउसबोट का आनंद लेते हुए, साथ ही फ्रेंडस फारएवर और मेकिंग मेमोरिज जैसे हैशटैग भी हैं। प्रशंसकों ने आशा पारेख के कमेंट सेक्शन में प्रशंसा की बाढ़ ला दी। एक यूजर ने कहा, त्रिवेणी संगम। 60 और 70 के दशक की 3 बेजोड़, बेमिसाल डांसिंग क्वीन एक साथ आई हैं। क्या शानदार पल है! दूसरे ने टिप्पणी की, विंटेज क्वीन्स!

तीसरे ने साझा किया, आप सभी को एक साथ देखकर मेरा दिल खुश हो जाता है। मैं चाहता हूं कि वह समय फिर से आए जब आप शूटिंग के लिए कश्मीर गए थे। एक अन्य तस्वीर में तीनों ने ललित ग्रैंड पैलेस में लंच का आनंद लिया, जिसमें शाही अंदाज में मस्ती की गई। पोस्ट का शीर्षक था, श्रीनगर में मेरी प्यारी दोस्त हेलेनजी और वहीदाजी के साथ, और इस पर साधना, नंदा और शम्मी आंटी जैसी अन्य बॉलीवुड की दिग्गज हस्तियों की याद दिलाने वाली टिप्पणियां की गईं।

पारेख, रहमान और हेलेन के बीच की स्थायी दोस्ती इंडस्ट्री में मशहूर है, जो बॉलीवुड में एक दुर्लभ और अनमोल बंधन है। उनकी हालिया हरकतों ने उनके शानदार करियर और कालातीत दोस्ती की यादें फिर से ताजा कर दी हैं।

बिमल रॉय द्वारा निर्देशित 1952 की फिल्म माँ से बॉलीवुड में आशा पारेख की शुरुआती शुरुआत ने उनके शानदार करियर की नींव रखी। 85 साल की उम्र में भी प्रेरणा देने वाली हेलेन ने हाल ही में अपने पिलेट्स रूटीन का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने अपने फिटनेस रूटीन के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा, मैं बहुत ऊर्जावान, बहुत जीवंत और बहुत खुश महसूस कर रही हूँ।ष् यह छुट्टी सिर्फ़ पुरानी यादों को ताज़ा करने की यात्रा नहीं है, बल्कि पुरानी विरासतों और अटूट रिश्तों का जश्न मनाने का मौक़ा है। श्रीनगर में इस दिग्गज तिकड़ी के खुशनुमा पल उनके सदाबहार आकर्षण और दोस्ती की ताकत का सबूत हैं।

वायु प्रदूषण से हर घंटे हो रही 80 बच्चों की मौत

भारत की दशा चिंताजनक

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

वायु प्रदूषण ऐसी वैश्विक समस्या बन चुका है, जिसके कारण दुनियाभर में हर साल लाखों लोगों की मौत हो रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट में यह चिंताजनक खुलासा हुआ है कि बच्चों को लेकर भी वायु प्रदूषण की स्थिति दुनियाभर में बेहद गंभीर होती जा रही है। यूनिसेफ और हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट (एचईआई) की हाल ही में जारी हुई साझा रिपोर्ट स्टेट ऑफ द ग्लोबल एयर-2024 में बताया गया है कि पूरी दुनिया में 2021 में वायु प्रदूषण के कारण कुल 81 लाख लोग मौत के मुंह में समा गए और सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इन 81 लाख लोगों में से दूषित वायु के कारण मरने वालों में 7.09 लाख बच्चे 5 वर्ष से भी कम आयु के थे।

आंकड़ों का विश्लेषण करने पर चता चलता है कि वायु प्रदूषण के कारण दुनिया में हर घंटे 80 से भी ज्यादा बच्चों की मौत हो रही है। भारत में ही 2021 में वायु प्रदूषण 169400 बच्चों की मौत का कारण बना। नाइजीरिया में 114100, पाकिस्तान में 68100, इथियोपिया में 31100 और बांग्लादेश में 19100 बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के कारण हुई। चिंता के साथ-साथ दुख का विषय यही है कि दुनिया में आने के बाद जिन बच्चों ने अभी तक ठीक ढ़ंग से यह दुनिया देखी भी नहीं थी, उससे पहले ही वायु प्रदूषण ने उन्हें इस दुनिया से ही विदा कर दिया। निश्चित रूप से दूषित वायु के कारण इतनी बड़ी संख्या में हो रही बच्चों की मौत के ये आंकड़े व्यथित और परेशान करने वाले हैं। व्यथित करते इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि पांच वर्ष से कम आयु के 15 फीसदी बच्चों की मौत की वजह हवा में घुला जहर ही है।

अमेरिका के गैर सरकारी संगठन हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में बताया गया था कि 2019 में वायु प्रदूषण के कारण पूरी दुनिया में 4.76 लाख बच्चों की मौत हुई थी, जिनमें से भारत में ही 1.16 लाख नवजात की मौत वायु प्रदूषण से हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी 2018 में एयर पॉल्यूशन एंड चाइल्ड हेल्थ नामक एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी, जिसमें कहा गया था कि 2016 में दुनियाभर में पांच वर्ष से कम आयु के छह लाख बच्चों की मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई थी और उनमें से एक लाख से भी अधिक बच्चे भारत के ही थे।

वायु प्रदूषण के कारण नवजात शिशुओं की सर्वाधिक मौतें अफ्रीका तथा एशिया में होती हैं। हालांकि नवजात शिशुओं की अधिकांश मौतें जन्म के समय कम वजन और समय से पहले जन्म से संबंधित जटिलताओं के कारण हुई लेकिन वायु प्रदूषण अब नवजातों की मौतों का दूसरा सबसे बड़ा खतरा बन रहा है, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनियाभर में करीब 90 प्रतिशत बच्चे, जिनकी कुल संख्या 1.8 अरब से भी ज्यादा है, ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है। यूनीसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक भी विश्वभर में करीब दो अरब बच्चे खतरनाक वायु प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहते हैं, जिनमें से 62 करोड़ बच्चे दक्षिण एशियाई देशों में हैं।

आंकड़ों से स्पष्ट है कि हम अब जिस हवा में सांस ले रहे हैं, वह न केवल भारत बल्कि दुनियाभर में वर्ष दर वर्ष लाखों लोगों की जान की दुश्मन बनती जा रही है और बड़े पैमाने पर मासूम बच्चे भी इसके शिकार बन रहे हैं। भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौत के कारणों की पड़ताल करने पर पता चलता है तो कुपोषण के बाद इस आयु वर्ग के बच्चों की मौतों की बड़ी वजह वायु प्रदूषण ही है। यही नहीं, गर्भवती महिलाओं पर भी जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव होने से गर्भ में पल रहे शिशुओं पर भी वायु प्रदूषण का घातक असर पड़ता है। इससे समय से पूर्व प्रसव या फिर कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं और ये दोनों ही शिशुओं में मृत्यु के प्रमुख कारण हैं।

समय से पहले जन्मे बच्चों का शारीरिक विकास सही तरीके से नहीं हो पाता। ऐसे बच्चों के अस्थमा, फेफड़ों की बीमारियों तथा अन्य बीमारियों के शिकार होने का काफी खतरा रहता है।

द लांसेट प्लानेटरी हैल्थ जर्नल में प्रकाशित ब्रिटेन में एबरडीन विश्वविद्यालय और बेल्जियम में हैसेल्ट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अध्ययन के मुताबिक वायु प्रदूषण से वातावरण में फैलने वाले कण और रसायन अजन्मे बच्चों के दिमाग, फेफड़े और अन्य विकासशील अंगों तक पहुंच रहे हैं, जो संभावित रूप से उनके स्वास्थ्य और प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं।

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस बात के प्रमाण पाए हैं कि गर्भावस्था के दौरान वायु प्रदूषण में पाए जाने वाले ब्लैक कार्बन पार्टिकल्स प्लेसेंटा को पार करके फीटल्स सर्कुलेशन सिस्टम में प्रवेश कर सकते हैं। ब्लैक कार्बन आंतरिक दहन इंजनों, कोयले से चलने वाले पावर प्लांट और जीवाश्म ईंधन को जलाने वाले अन्य स्रोतों से हवा में छोड़ा जाने वाला एक कालिखदार काला पदार्थ होता है, जो काफी जहरीला होता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जब ब्लैक कार्बन प्रेगनेंसी के पहले और दूसरे ट्राइमेस्टर में फीटल्स सर्कुलेशन सिस्टम में प्रवेश करता है तो इससे भ्रूण का फेफड़ा, ब्रेन, प्रजनन क्षमता आदि भी प्रभावित होती है। एबरडीन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पॉल फाउलर के मुताबिक इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि ये ब्लैक कार्बन कण विकासशील मानव मस्तिष्क में भी प्रवेश कर जाते हैं, जो बेहद खतरनाक है।

वायु प्रदूषण से बच्चों के मस्तिष्क और दूसरे अंगों पर भी प्रभाव पड़ता है। जून 2018 में यूनिसेफ द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि भारत में लगभग सभी स्थानों पर वायु प्रदूषण निर्धारित सीमा से अधिक है, जिससे बच्चे सांस, दमा तथा फेफड़ों से संबंधित बीमारियों और अल्प विकसित मस्तिष्क के शिकार हो रहे हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु में से करीब 15 फीसदी की मौत वायु प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के कारण होती हैं। हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के पूर्व अध्यक्ष डैन ग्रीनबाम के मुताबिक किसी नवजात का स्वास्थ्य किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है और इन नए साक्ष्यों से दक्षिण एशिया और अफ्रीका में नवजातों को होने वाले अधिक खतरे का पता चलता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि वायु प्रदूषण के कारण बच्चे मंदबुद्धि हो रहे हैं, जन्म के समय कम वजन के बच्चे पैदा हो रहे हैं। गर्भ में भी बच्चे वायु प्रदूषण के प्रभाव से अछूते नहीं हैं, उनका तंत्रिका तंत्र प्रभावित हो रहा है। बच्चों में सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, उनमें दमा और हृदय रोगों के मामले बढ़ रहे हैं और वायु प्रदूषण के कारण हर साल लाखों बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के कारण हो रही हैं।

अत्यधिक प्रदूषण में पलने वाले बच्चे अगर बच भी जाते हैं, तब भी उनका बचपन अनेक रोगों से घिरा रहता है। विभिन्न अध्ययनों में यह तथ्य भी सामने आया है कि घरों के भीतर का प्रदूषण भी बच्चों के स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। कुछ रिपोर्टों के मुताबिक वायु प्रदूषण से नवजातों की मौतों में से दो तिहाई मौतों का कारण घरों के अंदर का प्रदूषण ही है। विश्व स्तर पर वाहनों से उत्सर्जित गैसों और पार्टिकुलेट मैटर के उत्सर्जन पर तो बहुत चर्चा होती है लेकिन घरों के अंदर के प्रदूषण के स्रोतों पर अक्सर कोई चर्चा नहीं होती।

यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर के वैज्ञानिकों के मुताबिक खाना पकाने, साफ-सफाई तथा घर के अन्य सामान्य कामकाजों के दौरान पार्टिकुलेट मैटर और वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स (वीओसी) उत्पन्न होते हैं, जो प्रदूषण के कारक बनते हैं। पार्टिकुलेट मैटर खाना पकाने और साफ-सफाई के दौरान उत्पन्न होते हैं जबकि शैम्पू, परफ्यूम, रसोई और सफाई वाले घोल वीओसी के प्रमुख स्रोत हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रकार के तत्व विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अलावा कैंसर कारक भी होते हैं।

घरों में वायु प्रदूषण के बढ़ते दुष्प्रभावों का सबसे बड़ा कारण आजकल अधिकांश घरों में विभिन्न घरेलू कार्यों में तरह-तरह के रसायनों का बढ़ता उपयोग माना जा रहा है। ऐसे ही रसायनयुक्त पदार्थों के बढ़ते चलन के ही कारण घरों के अंदर फॉर्मेल्डीहाइड, बेंजीन, एल्कोहल, कीटोन जैसे कैंसरजनक हानिकारक रसायनों की सांद्रता बढ़ जा रही है, जिनका बच्चों के स्वास्थ्य पर घातक असर पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि वायु प्रदूषण के कारण बच्चे मंदबुद्धि हो रहे हैं, जन्म के समय कम वजन के बच्चे पैदा हो रहे हैं। गर्भ में भी बच्चे वायु प्रदूषण के प्रभाव से अछूते नहीं हैं, उनका तंत्रिका तंत्र प्रभावित हो रहा है। बच्चों में सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, उनमें दमा और हृदय रोगों के मामले बढ़ रहे हैं और वायु प्रदूषण के कारण हर साल लाखों बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के कारण हो रही हैं।

बहरहाल, वायु प्रदूषण के बच्चों पर पड़ते दुष्प्रभावों और हर साल वायु प्रदूषण के कारण हो रही लाखों बच्चों की मौतों को लेकर पूरी दुनिया को अब संजीदगी से इस पर विचार मंथन करने और ऐसे उपाय किए जाने की आवश्यकता है, जिससे मासूम बचपन प्रदूषण का इस कदर शिकार न बने।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रामलला के दरबार में शीश नवाने पहुंची हरियाणा सरकार

अयोध्या, 24 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को यहां श्रीरामलला के मंदिर में दर्शन पूजन किया।

इस दौरान हरियाणा के विधानसभा अध्यक्ष, कैबिनेट के मंत्रीगण और विधायकगण भी मौजूद रहे। इससे पूर्व नायब सैनी ने श्री राम जन्मभूमि न्यास और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से मिलकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हरियाणा से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए थे। एयरपोर्ट पर प्रदेश के राज्य मंत्री सतीश शर्मा व अयोध्या के मेयर गिरीशपति त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारे लिए यह गौरव का क्षण है।

हमारी संस्कृति हमारी आस्था के प्रतीक भगवान श्री राम का यह भव्य और दिव्य मंदिर 500 वर्षों के बाद हमें देखने को मिला है। हमें एक अलग ऊर्जा भगवान श्री राम के दर्शन करने से मिलती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यहां श्रीराम का भव्य और दिव्य धाम तैयार हो रहा हैं। अयोध्या में हो रहा विकास एक मॉडल के रूप में हम सबके सामने है। उन्होंने कहा कि अयोध्या हमारी संस्कृति और आस्था का केंद्र बिंदु है।

इससे पहले नायब सैनी ने सरयू के दर्शन भी किए और हनुमानगढ़ी में पूजन-अर्चन किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा जा रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा बहुमत के साथ हरियाणा की सत्ता में आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में हम तीसरी बार सरकार बनाएंगे। नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, उसमें हरियाणा भी अपनी भूमिका निभाएगा।

हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली को पानी न दिए जाने के आम आदमी पार्टी के आरोप पर जवाब देते हुए नायब सैनी ने कहा कि दिल्ली को जितना पानी चाहिए हरियाणा उतना पानी दे रहा है। केजरीवाल सरकार का मैनेजमेंट सही नहीं है, उनका ध्यान केवल भ्रष्टाचार पर है। उन्हें भ्रष्टाचार से ध्यान हटाकर आम जनता की सेवा करनी चाहिए।

ई-स्टाम्प को और अधिक सुरक्षित बनाने का प्रयास

जल्दी ही ऑनलाइन उपलब्ध होंगे ई-स्टाम्प

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश में ई-स्टाम्प को और अधिक सुरक्षित बनाने जा रही है। इसके लिए स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुरुआत में छोटी रकम के ई-स्टाम्प के जरिए इस सुविधा का लाभ जनता को देने की तैयारी है। इन ई-स्टाम्प को आधार कार्ड के जरिए ऑनलाइन प्रमाणन के बाद पर्सनलाइज्ड करके उसी आधार कार्ड धारक के द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के प्रयोग के लिए प्राप्त किया जा सकेगा। इससे जाली स्टाम्प के भय से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाएगी। विभाग ई-स्टाम्प के नये प्रारूप की डिजाइन भी फाइनल कर चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर फिलहाल 100 रुपए से कम के ई-स्टाम्प को लेकर ये प्रयोग किया जाएगा। नये प्रारूप की रूपरेखा और ई-स्टाम्प को सुरक्षित रखने के लिए 9 प्रकार के विशेष नये सिक्योरिटी फीचर्स इस्तेमाल में लाए गये हैं। इसमें 1-डी बार कोड, स्टैटिक लाइन, एसडी अमाउंट, स्टैटिक एसडी अमाउंट, टेक्स्ट थ्रेड, एएसवाईएम सर्टिफिकेट आईडी, खरीददार का नाम, सिंगल लेयर लोगो, टेक्स्ट थ्रेड डेट, टेक्स्ट रिबन और बीजी का उपयोग किया गया है। इसके जरिए जाली स्टाम्प बनाना असंभव हो जाएगा।

10 रुपए के स्टाम्प पेपर के मुद्रण में तकरीबन 16 रुपए का खर्च आता है। इसमें कानपुर डिपो से उसके परिवहन की लागत भी शामिल है। छोटे मूल्य के स्टाम्प का प्रयोग अपेक्षाकृत अधिक होता है। शपथ पत्र, विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनाओं, विद्यालय, महाविद्यालय में प्रवेश के वक्त, सेवायोजन में और लोक शिकायतों में छोटे मूल्य के स्टाम्प पेपर इस्तेमाल में लाए जाते हैं। 2023-24 के आंकड़ों पर गौर करें तो 100 रुपए से अधिक मूल्य के 47 लाख से अधिक ई-स्टाम्प जारी किये गये, वहीं 100 रुपए से कम मूल्य के 2 करोड़ 56 लाख से अधिक ई-स्टाम्प पेपर जारी किये जा चुके हैं। माना जाता है कि छोटे मूल्य के स्टाम्प पर आनुपातिक कमीशन कम होता है, ऐसे में अक्सर ऐसी शिकायतें भी मिलती हैं कि कुछ वेंडर छोटे मूल्य के स्टाम्प की कृत्रिम किल्लत बताकर कालाबाजारी का भी प्रयास करते हैं। अब छोटे मूल्य के सुरक्षित ई-स्टाम्प की उपलब्धता के बाद इस प्रकार की परेशानियों से भी निजात मिलेगी।

आगरा किले में लाइट एंड साउंड शो का लुत्फ उठा सकेंगे पर्यटक

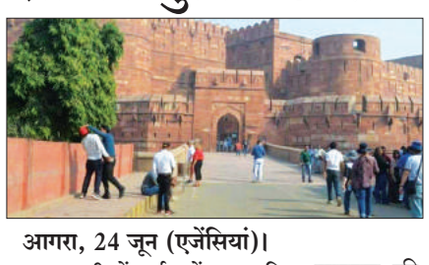

आगरा, 24 जून (एजेंसियां)। ताजनगरी में पर्यटकों का रात्रि प्रवास बढ़ाने और पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा देने के लिए योगी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। ताजमहल का दीदार करने आने वाले पर्यटक अब आगरा किले में लाइट एंड साउंड शो का लुत्फ उठा सकेंगे। 31 जुलाई तक लाइट एंड साउंड शो शुरू होना है। जल्द ही ट्रायल शुरू हो जाएगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन और पुरातत्व विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है।

आगरा किले में मुगल बादशाह, आगरा की संस्कृति, शिवाजी के आगरा आगमन को दर्शाते हुए लाइट एंड साउंड शो तैयार किया गया है। इसका 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन के साथ शो में चलने वाली क्रिएटिव फिल्म भी फाइनल की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा लाइट एंड साउंड शो के शाम सात से रात 10 बजे तक होगा।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी दीप्ति वत्स ने बताया कि लाइट एंड साउंड शो की तैयारियां आखिरी दौर में है। जल्द ही काम पूरा कर लिया जाएगा। एएसआई से अनुमति मिलते ही लाइट एंड साउंड के ट्रायल भी शुरू कर दिया जाएगा। लाइट एंड साउंड शो में रोजाना दो शो होंगे। इससे ताजनगरी आने वाले पर्यटक आगरा की संस्कृति को जानने का मौका मिलेगा। साथ ही पर्यटन उद्योग को भी फायदा मिलेगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बन रहा आत्मनिर्भर और विकसित: योगी

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा सदस्य के रूप में तीसरी बार शपथ ली। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें बधाई दी। सीएम योगी ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा, लोकसभा सदस्य के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेने की आपको हार्दिक बधाई! आपके यशस्वी नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत विकसित भारत की संकल्पना साकार हो रही है। निःसंदेह, यह तीसरा कार्यकाल 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं और अमृतकाल के सभी संकल्पों को पूर्ण करने वाला सिद्ध होगा।

नौ महीने में पूरी तरह तैयार हो जाएगा राममंदिर

जुलाई तक प्रथम तल में स्थापित होगा राम दरबार

अयोध्या, 24 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने रविवार को मंदिर निर्माण के कार्यों की समीक्षा की। चल रहे कार्यों का निरीक्षण भी किया। इसके बाद पत्रकारों को बताया कि राम मंदिर के प्रथम तल का निर्माण 90 फीसदी पूरा हो चुका है। आगामी जुलाई तक प्रथम तल पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इसके बाद प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना की जाएगी। मार्च 2025 तक परकोटे समेत राम मंदिर का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। मार्च तक निर्माण का कोई काम बाकी नहीं रह जाएगा।

नृपेंद्र ने बताया कि प्रथम तल पर स्थापित होने वाले राम दरबार की मूर्तियां संगमरमर की होंगी। इसके लिए राजस्थान के चार मूर्तिकारों से बात हुई है। टेंडर भी निकाला जा चुका है। इसी माह के अंत तक टेंडर खुल जाएगा। फिर मूर्ति निर्माण

के लिए मूर्तिकार का चयन होगा।

भीषण गर्मी के बावजूद रामलला के दरबार में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। रामजन्मभूमि पथ से लेकर मंदिर परिसर तक भक्तों के लिए विभिन्न सुविधाएं विकसित की गई हैं। इस समय रामलला के दरबार में रोजाना एक लाख भक्त दर्शन कर रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब तक करीब दो करोड़ लोग रामलला के दरबार में हाजिरी लगा चुके हैं। पहले दिन की बैठक में राममंदिर निर्माण की प्रगति की समीक्षा व संग्रहालय निर्माण पर मंथन हुआ है।

राम मंदिर में चंदन टीका लगाने व चरणामृत देने पर लगी रोक संबंधित खबर वायरल होने के बाद ट्रस्ट ने इसका खंडन किया है। शनिवार को पहले राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने वायरल खबर का खंडन किया था। साफ कहा था कि राम मंदिर में चंदन टीका व चरणामृत देने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। अब मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने भी इसको लेकर बयान जारी किया है।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में शामिल होने अयोध्या पहुंचे निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने रविवार को कहा कि चंदन टीका और चरणामृत नहीं दिया जाना है, यह भ्रामक बात है। किसी प्रकार की रोक नहीं लगाई गई है। सबसे सामान व्यवहार किया जा रहा है। पहले भी श्रद्धालुओं को चंदन टीका व चरणामृत नहीं दिया जाता रहा है, क्योंकि यह संभव नहीं है।

केवल कुछ विशेष लोगों को जो वीआईपी मार्ग से दर्शन करने आते थे, उनको टीका लगा दिया जाता था। टीका व भगवान का जल यानी चरणामृत नहीं दिया जा रहा है, यह कहना पूरी तरह भ्रामक है। किसी प्रकार की नई रोक नहीं लगाई गई है।

आध्यात्मिक सर्किट का विकास करेगी योगी सरकार

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की कार्ययोजना तैयार

लखनऊ, 24 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार का प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस है। प्रदेश में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए सीएम योगी के विजन अनुसार 12 मेगा टूरिज्म सर्किट्स का विकास जारी है, इसी क्रम में योगी सरकार द्वारा आध्यात्मिक सर्किट में छिपी अपार संभावनाओं को लक्षित करते हुए पर्यटन विकास की प्रक्रिया को गति प्रदान की गई है। सीएम योगी की मंशा अनुसार आध्यात्मिक सर्किट में पर्यटन विकास को लेकर एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी और इसी कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्ययोजना के अनुसार, आध्यात्मिक सर्किट में पर्यटन विकास के लिए टूरिस्ट डेस्टिनेशंस के सर्वे व टूरिस्ट गैप एनालिसिस प्रक्रियाओं को पूर्ण कराया जाएगा। खास बात है कि इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए यूपी टूरिज्म पॉलिसी डॉक्यूमेंट 2022 के अनुसार 7 एस पर आधारित मानकों को मुख्यतः ध्यान में रखा जाएगा जिसमें सूचना, स्वागत, सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता, संरचना व सहयोग प्रमुख हैं।

उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों पर्यटन के लिहाज से काफी तरक्की की है और आज वह देश के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन में शुमार है। यही कारण है कि यहां बड़ी तादात में पूरी दुनिया से टूरिस्ट्स का आगमन हो रहा है। दूसरी ओर, श्री काशी विश्वनाथ धाम को कॉरिडोर से सजाने और श्री अयोध्या धाम के विकास कार्यों ने हाल के वर्षों में इन दोनों स्थानों को प्रदेश के टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन भी होने जा रहा है जिसमें कम से कम 30 करोड़ लोग हिस्सा ले सकते हैं। ऐसे में, प्रदेश में टूरिस्ट गैप एनालिसिस के आकलन के लिए एक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार किया जाएगा। इसके जरिए प्रदेश के आध्यात्मिक सर्किट समेत विभिन्न सर्किट्स में पर्यटन विकास की प्रक्रिया को एक नई दिशा मिलेगी। इसके अलावा, यह रिपोर्ट ब्रांडिंग व मार्केटिंग आदि के लिहाज से भी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि इसके जरिए ही आध्यात्मिक सर्किट के टूरिस्ट डेस्टिनेशन की हैंडलिंग कैपेसिटी समेत विभिन्न मानकों का निर्धारण होगा और इन्हीं मानकों के आधार पर तय होगा कि किस स्ट्रैटेजी को अपनाकर किस टूरिस्ट डेस्टिनेशन का सबसे बेहतर विकास हो सकता है।

कार्य योजना के अनुसार, टूरिस्ट गैप एनालिसिस के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा चयनित एजेंसियों में से कार्यावंटन जिस एजेंसी को प्राप्त होगा वह यह सुनिश्चित करेगी कि सर्वे की मेथोडोलॉजी विभाग की जरूरतों के अनुसार विभाग के अधिकारियों के परामर्श के बाद तय की जाए। वैसे सर्वे रिपोर्ट में सैंपलिंग कितने लोगों के फीडबैक की होगी, सभी चयनित टूरिस्ट डेस्टिनेशन की फोटोग्राफी व वीडियो क्लिप्स की रिकॉर्डिंग भी कराई जाएगी जिसको डीपीआर में शुमार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जरूरत पड़ने पर ड्रोन सैंपलिंग और ड्रोन द्वारा भी फोटो-वीडियो कैप्चरिंग कवरेज कराई जाएगी।

सभी चयनित टूरिस्ट स्पॉट्स व डेस्टिनेशन पर कार्ययोजना के अनुसार डीपीआर के अंतर्गत टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स के संचयन, ग्रोथ ट्रेंड व कैपेसिटी का आकलन, सिटिजन सेंट्रिक अप्रोच के साथ प्रत्येक स्थल को लेकर लोगों से फीडबैक जुटाए जाएंगे। इससे नेशनल इंटरनेशनल गुड प्रैक्टिस ग्लोबल एक्सपीरिएंस व फ्यूचरिस्टिक नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन के जरिए टूरिस्ट स्पॉट्स व डेस्टिनेशन के उचित संचालन व उच्चीकरण की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। इन सभी कार्यों को पूरा करने से इन स्थानों पर टूरिस्ट्स की भीड़ बढ़ने के साथ प्रदेश सरकार को प्राप्त होने वाले राजस्व में वृद्धि होगी, साथ ही इन क्षेत्रों पर दुनिया भर से विदेशी निवेश को बड़े स्तर पर आकर्षित करने में मदद मिलेगी, जिससे क्षेत्र के विकास के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार और बेहतर सुविधाएं मिलने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

भाई की मौत पर इंसाफ मांग रहे होमगार्ड ने दे दी जान

आगरा, 24 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में सादाबाद पुलिस के उत्पीड़न से परेशान होकर दो दिन पहले आत्महत्या करने वाले किसान संजय के होमगार्ड भाई प्रमोद ने भी जान दे दी। वह भाई की मौत पर इंसाफ के लिए पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट रहे थे। पुलिसकर्मियों के खिलाफ भाई को आत्महत्या के लिए उकसाने की तहरीर दी थी। सुनवाई न होने से आहत होकर हाथ में सुसाइड नोट लेकर जान दे दी।

बरहन के गांव रूपधनु में सोमवार अपराह्न 3 बजे होमगार्ड का शव उसी जगह खेत में पेड़ पर फंदे से लटका मिला, जहां छोटे भाई संजय ने जान दी थी। जानकारी पर मृतक के परिजन और कुछ ही देर में पुलिस पहुंच गई। ग्रामीणों ने बरहन पुलिस पर केस दर्ज नहीं करने के आरोप लगाए। दोनों भाइयों का उत्पीड़न करने वाले विवेचक को घटनास्थल पर बुलाने की मांग की। पुलिस ने शव उठाना चाहा तो ग्रामीण भड़क गए। हंगामा करने लगे। पुलिस से हाथापाई और धक्का-मुक्की हुई।

किसान संजय ने शनिवार सुबह खुदकुशी की थी, तब भाई प्रमोद ने आरोप लगाया था कि साले के एक लड़की के साथ जाने पर संजय को सादाबाद थाने की पुलिस परेशान कर रही थी। 8 जून को घर में दबिश देकर संजय को पकड़ा, थाने ले जाकर थर्ड डिग्री दी। 10 जून को 50 हजार रुपये रिश्वत लेने के बाद छोड़ा। 11 को सादाबाद पुलिस एक बार फिर आई। इस बार प्रमोद और उनके बेटे को ले गई। उन्हें भी रिश्वत लेने के बाद छोड़ा। पुलिस उत्पीड़न से परेशान होकर संजय ने आत्महत्या की थी।

पिता चरन सिंह का कहना है कि सादाबाद थाने के पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग अधिकारियों से की थी। मगर, बरहन पुलिस को तहरीर दी। एसओ सहित अन्य ने सादाबाद में जांच का हवाला देकर टाल दिया। केस दर्ज नहीं किया। प्रमोद तनाव में थे। वह अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक के चक्कर काट रहे थे।

उन्होंने बताया कि प्रमोद सोमवार सुबह क्षेत्रीय विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह से मिलने की कहकर घर से निकले थे। दोपहर में 12 बजे घर लौटे, काफी डरे दिख रहे थे। करीब 3 बजे खेत पर बिजली का तार ठीक करने आए कर्मचारी ने प्रमोद का शव फंदे से लटका देखा।

ग्रामीणों ने परिजन को सूचना दी। प्रमोद के हाथ में धागे से कागज भी बंधा था। रात नौ बजे तक शव नहीं उतरने दिया गया। ग्रामीणों की मांग दी थी कि दरोगा हरिओम अग्निहोत्री को बुलाया जाए। उनसे ही शव को उतरवाया जाएगा।

एसीपी एत्मादपुर डॉ. सुकन्या शर्मा ग्रामीणों को समझाने में लगी थीं। बवाल की आशंका पर पीएसी को भी बुला लिया गया। पूरे गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया। ग्रामीण शव को नहीं ले जाने दे रहे थे। पुलिस के एक बार प्रयास करने पर धक्का-मुक्की और हाथापाई तक कर दी। विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह ने भी वार्ता की। केस दर्ज कराने का आश्वासन दिया गया है।

परिजन ने आरोप लगाया कि घटना के बाद सादाबाद पुलिस के फोन आ रहे थे। प्रमोद को बुलाया जा रहा था। बयान के लिए कह रहे थे। इस पर प्रमोद को लग रहा था कि पुलिस कहीं फंसा नहीं दे। शिकायत करने पर कोई गलती तो नहीं कर दी। आगरा पुलिस भी नहीं सुन रही थी।

संपादकीय

उपचुनावों का मांगपत्र

वोटों की मेरिट में तीन उपचुनाव और सियासत के दम पर सत्ता के प्रबंध को कौन नहीं देखना चाहेगा। जनता के लिए चुनाव एक मांगपत्र ही तो है, जहां नेता का प्रत्याशी बनने से लेकर मुद्दों का फरमाइशी बनना भी तसदीक होता है। यूं तो उपचुनाव नालागढ़ व हमीरपुर में भी हैं, लेकिन किश्तियां समुद्र की राह पर देहरा में ही चलेंगी। कल तक टिकट आबंटन पर मातम मना रहे डा. राजेश शर्मा आज अगर भीगी बिल्ली बने हैं, तो चुनाव के मांगपत्र में जीतने का उन्माद भरा है। एक और भीगी बिल्ली रमेश धवाला भी हैं, जो हर चुनाव की बेला में 'आल तू जलाल तू आई बला को टाल तू' सुनाना शुरू कर देते हैं। उपचुनाव की घोषणा मात्र से उनका मांगपत्र किसी गिलहरी की तरह बूटा-बूटा छानने लगता है और फिर भावुक और चाबुक इशारों में टिकट पाने की लालसा टपक पड़ती है। इस बार देहरा उपचुनाव के दो पिंजरे हैं। एक के ऊपर धवाला और दूसरे के ऊपर राजेश शर्मा लिखा है। जाहिर तौर पर भाजपा और कांग्रेस जिंदाबाद के नारों में ये दोनों अपनी-अपनी सल्तनत गंवा कर पिंजरों में बंद हैं। न अब धवाला के लिए कोई जगह है और न ही राजेश शर्मा के लिए राजनीति में कुछ बचा है। यह दीगर है कि सीधे मुकाबले की अंगुलियां अब टेढ़ी होकर घी निकालेंगी। यूं तो वर्षों से धवाला का मांगपत्र यहां टेढ़ा है और उन्हें जब आगे का रास्ता नहीं मिलता, तो जिला बनाने की मांग पर, आंखों में आए आंसू पोंछने लगते हैं। आंसू तो डाक्टर राजेश के भी फरेबी साबित हुए और अचानक आया रोग भी, लेकिन उनका मांगपत्र इस बार देहरा में आकर फट गया। दरअसल डा. राजेश शर्मा पिछले कई सालों 'चुनावी बैचलर' की तरह हर दरगाह को पूज रहे हैं, लेकिन इस दौड़ को अंततः देहरा में आकर विराम लग गया। यह कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे अहम समझौता है और डाक्टर के लिए आगे की शरणस्थली भी। बहरहाल देहरा आज 'तेरा कौन' की परिस्थितियों से उबर कर 'देहरा है मेरा' बन रहा है, तो यह हलका अब हल्का नहीं, मुख्यमंत्री का दूसरा घर, उपचुनावों का मायका और सरकार का ससुराल भी है। यहां मुख्यमंत्री की पादुकाएं पहनकर उपचुनाव आया है, इसलिए उम्मीदवार के रूप में कमलेश का नाम प्रतिष्ठित व सत्ता का पूरक है। दरअसल यहां उपचुनाव राजनीति का ऐसा अवार्ड है जो आने वाले वक्त को मुट्ठी में बंद कर सकता है। जिसके आगमन मात्र से दो बड़े आफिस खुशामद कर रहे हैं, वहां विजयी सत्ता का प्रारूप क्या होगा। देहरा अब जिला बनने की कसौटी से दो कदम दूर है, इस लिहाज से प्रचार हुआ तो भाजपा के पल्ले क्या पड़ेगा। यह दीगर है कि जिलों के खेल में प्रेम कुमार धूमल की भी एक बसी बसाई दुनिया रही है और उनके सुपुत्र अनुराग ठाकुर की कमाई में सेंट्रल यूनिवर्सिटी की पूरी जमात यहां आई है, फिर भी कांग्रेस की ओर से यह एक आसान सा मोर्चा बनता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा के लिए उपचुनावों का मांगपत्र इस बार कुछ थका हुआ एहसास कर रहा है। जाहिर तौर पर हमीरपुर-देहरा में सरकार के पास खुद में शक्तिशाली प्रचार और सामान है, जबकि भाजपा की हथेली पर निर्दलीयों का बोझ और मकसद पर अपनों को सिरदर्दी का मजमून है। उपचुनाव इस बार हस्तियों की छवि और उनके स्वरूप पर हुए तो काफी कुछ कहा और सुना जाएगा। कहीं परिवार हैं, कहीं परिवारवाद है, कहीं जाति है, तो कहीं सत्ता और विपक्ष का समुदाय है। प्रदेश इन उपचुनावों में अपने अनुभव को आजमाने जा रहा है। कोई सत्ता के साथ खड़ा होकर बड़ा होना चाहेगा, तो कोई विरोधी पक्ष में अपना लोकसभा का जोश दोहराना चाहेगा। भले इस बार एक वोट मोदी, एक वोट सुक्खू का नारा न लगे, लेकिन हिमाचल की स्थिर हो चुकी सरकार से कहीं फरियाद भी तो हो सकते हैं ये उपचुनाव।

जनता के लिए चुनाव एक मांगपत्र ही तो है, जहां नेता का प्रत्याशी बनने से लेकर मुद्दों का फरमाइशी बनना भी तसदीक होता है। यूं तो उपचुनाव नालागढ़ व हमीरपुर में भी हैं, लेकिन किश्तियां समुद्र की राह पर देहरा में ही चलेंगी। कल तक टिकट आबंटन पर मातम मना रहे डा. राजेश शर्मा आज अगर भीगी बिल्ली बने हैं, तो चुनाव के मांगपत्र में जीतने का उन्माद भरा है। एक और भीगी बिल्ली रमेश धवाला भी हैं, जो हर चुनाव की बेला में 'आल तू जलाल तू आई बला को टाल तू' सुनाना शुरू कर देते हैं। उपचुनाव की घोषणा मात्र से उनका मांगपत्र किसी गिलहरी की तरह बूटा-बूटा छानने लगता है और फिर भावुक और चाबुक इशारों में टिकट पाने की लालसा टपक पड़ती है। इस बार देहरा उपचुनाव के दो पिंजरे हैं। एक के ऊपर धवाला और दूसरे के ऊपर राजेश शर्मा लिखा है। जाहिर तौर पर भाजपा और कांग्रेस जिंदाबाद के नारों में ये दोनों अपनी-अपनी सल्तनत गंवा कर पिंजरों में बंद हैं। न अब धवाला के लिए कोई जगह है और न ही राजेश शर्मा के लिए राजनीति में कुछ बचा है। यह दीगर है कि सीधे मुकाबले की अंगुलियां अब टेढ़ी होकर घी निकालेंगी। यूं तो वर्षों से धवाला का मांगपत्र यहां टेढ़ा है और उन्हें जब आगे का रास्ता नहीं मिलता, तो जिला बनाने की मांग पर, आंखों में आए आंसू पोंछने लगते हैं।

अगले पांच वर्षों के दौरान विकास और इक्विटी रिटर्न प्रभावित होगी

सेंसेक्स और आर्थिक अहमियत की ऊंचाई

डा. जयंतीलाल भंडारी

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है और 20 जून को बीएसई सेंसेक्स 77479 अंकों की सर्वकालिक नई ऊंचाई पर बंद हुआ है और अब कुछ घट-बढ़ के साथ शेयर बाजार की अच्छी संभावनाएं बनी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों 13 से 15 जून के बीच इटली में आयोजित जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष रूप से आमंत्रित भारत की प्रभावी अहमियत दिखाई दी है और यूरोपीय देशों ने भारत को प्राथमिकता दिए जाने के संकेत दिए हैं। गौरतलब है कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी भारत के शेयर बाजार और भारत की विकास दर के बढ़ते नए अनुमान प्रस्तुत किए हैं।

इन दिनों प्रकाशित हो रही दुनिया की प्रमुख क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और आर्थिक संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई गठबंधन सरकार के द्वारा आर्थिक नीतियों, आर्थिक सुधारों और विकास की डगर पर तेजी से आगे बढने के रणनीतिक कदमों से भारत की विकास दर में वृद्धि, शेयर बाजार की नई ऊंचाई तथा वैश्विक परिदृश्य पर भारत की आर्थिक अहमियत बढ़ते हुए दिखाई दे रही है। जहां एक ओर हाल ही में 18 जून को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है और 20 जून को बीएसई सेंसेक्स 77479 अंकों की सर्वकालिक नई ऊंचाई पर बंद हुआ है और अब कुछ घट-बढ़ के साथ शेयर बाजार की अच्छी संभावनाएं बनी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों 13 से 15 जून के बीच इटली में आयोजित जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष रूप से आमंत्रित भारत की प्रभावी अहमियत दिखाई दी है और यूरोपीय देशों ने भारत को प्राथमिकता दिए जाने के संकेत दिए हैं। गौरतलब है कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी भारत के शेयर बाजार और भारत की विकास दर के बढ़ते नए अनुमान प्रस्तुत किए हैं। कहा गया है कि बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि नीतिगत सुधार जारी रहेंगे। इससे अगले पांच वर्षों के दौरान विकास और इक्विटी रिटर्न प्रभावित होगी। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि सरकार महंगाई की आक्रामकता पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। मूडीज ने अगले एक वर्ष में भारतीय शेयर बाजारों का प्रदर्शन सकारात्मक रहने का अनुमान जताया है और कहा है कि अगले 12 महीनों के दौरान बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 82 हजार के स्तर के पार जा सकता है और इसमें मौजूदा स्तर से 14 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इन सबके साथ-साथ रिपोर्ट में आने वाले दिनों में और अधिक संरचनात्मक सुधारों की उम्मीद की गई है। कहा गया है कि 2025-26 तक आय वृद्धि पूर्वानुमान के साथ कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो आम सहमति से 500 आधार अंक या पांच प्रतिशत अधिक है। इतना ही नहीं, दुनिया में अगला दशक भारत का होगा। वैश्विक वृद्धि में भारत की भागीदारी करीब 20 प्रतिशत होगी। दुनिया भर में भारत की सेवाओं और वस्तुओं की बढ़ती मांग से इसमें मदद मिलेगी। इससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग में

वृद्धि होगी। साथ ही देश के उन्नत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय शेयर बाजार की ऊंचाई का लाभप्रद नया रिकॉर्ड बना है। जहां भारत के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण अब बढकर 5.21 ट्रिलियन डॉलर हो गया है, वहीं हांगकांग के शेयर बाजार का पूंजीकरण घटकर 5.17 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। ऐसे में भारत ने बाजार पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को एक बार फिर पछाड़ दिया है और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। स्थिति यह है कि देश की नई सरकार से देश और दुनिया में विकास व सुधारों की उम्मीद बढ़ी है। पिछले दिनों दुनिया की प्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, तेज आर्थिक सुधार और बढ़ती राजकोषीय मजबूती के मद्देनजर भारत की रेटिंग को स्थिर यानी स्टेबल से बदलकर पॉजिटिव कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि पिछले तीन साल में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की औसत वास्तविक वृद्धि दर 8.1 फीसदी सालाना रही है और अब यह विकास दर अगले तीन साल में लगातार 7 फीसदी के करीब होगी। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार की वैश्विक आर्थिक अहमियत पिछले दिनों 13 से 15 जून के बीच एक बार फिर दुनिया के सात प्रमुख विकसित देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में दिखाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली में आयोजित जी-7 देशों की 50वीं शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया। भारत उन 12 देशों और पांच संगठनों में शामिल था जिन्हें इटली में जी-7 कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। मोदी के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में जी-7 बैठक एक बेहतर वैश्विक मंच साबित हुई है। इस सम्मेलन के दौरान मोदी ने कई प्रभावी बातें कहीं। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में एकाधिकार खत्म करने की भी मांग की, साथ ही हरित युग को अपनाने की अपील की है। इस मौके पर उन्होंने दुनिया के प्रमुख नेताओं से जो द्विपक्षीय बातचीत की, उसके भी अच्छे परिणाम दिखे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमिर जेलेंस्की के साथ मुलाकात करके मोदी ने कहा कि यूक्रेन के द्वारा रूस के साथ युद्ध को बातचीत और कूटनीति के जरिए हल करना ही बेहतर है। इस सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली, फ्रांस, जापान और इंग्लैंड के राष्ट्र प्रमुखों से द्विपक्षीय वार्ताएं भी की। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के लिए सबसे ठोस लाभ जी-7 की उस प्रतिबद्धता से उपजा, जिसमें कहा गया कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को बढ़ावा दिया जाएगा। इस गलियारे के निर्माण की घोषणा गत वर्ष भारत में जी-20 शिखर बैठक के समय की गई थी। जी-7 सम्मेलन में कहा गया है कि खास तौर पर आईएमईसी को मूर्तरूप देने के लिए समन्वय और वित्तपोषण पर जोर दिया जाएगा। ज्ञातव्य है कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना के तहत सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सडक, रेलमार्ग और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना की गई है, ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके। आईएमईसी को समान विचारधारा वाले देशों ने चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के समक्ष रणनीतिक प्रभाव हासिल करने की पहल के रूप में पेश किया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की बढ़ी अहमियत से चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के मद्देनजर भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में और अधिक उभरकर सामने आएगा। अब नई गठबंधन सरकार निर्यात बढ़ाने और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने की अच्छी संभावनाएं रखती है। निश्चित रूप से इस समय घटते हुए वैश्विक निर्यात और घटते हुए वैश्विक व्यापार के बीच भारत से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में उच्चतम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 776.68 अरब डॉलर रहा है।

दृष्टि कोण

वन विभाग को व्यापक रणनीति की जरूरत

वनाग्नि विश्वव्यापी समस्या है। दुनिया के कई हिस्सों में भीषण आग लगने से धरती पर जंगलों को भारी नुकसान हो रहा है। वनाग्नि के पीछे जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग को भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है। पर्यावरण दिवस के अवसर पर जंगलों में लगी आग के विषय पर भी विश्व स्तर पर चर्चा होनी चाहिए तथा विश्व वन सुरक्षा दिवस मनाना चाहिए। भारत में हिमाचल, नागालैंड, मणिपुर सीमा, मध्य ओडीसा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दक्षिणी छत्तीसगढ़, पश्चिम महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के जंगली क्षेत्रों में आग का सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। भारत में 36 प्रतिशत जंगलों में बार-बार आग लगती है। चार प्रतिशत जंगल ऐसे हैं जो गंभीर रूप से आग लगने वाले हैं। हर वर्ष गर्मी का मौसम शुरू होते ही हिमाचल प्रदेश के जंगलों में आग लगने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस वर्ष शुष्क मौसम एवं कम बारिश होने के कारण वनाग्नि की ज्यादा घटनाएं हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश का 27,73 प्रतिशत भूभाग वन क्षेत्र में है जिसमें 2769.62 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में चीड़ के वन हैं। ये चीड़ के वन आग के लिए ज्यादा संवेदनशील होते हैं। हिमाचल में कुल 2026 वन बीट हैं, इनमें से 339 अति संवेदनशील, 667 संवेदनशील तथा शेष 1020 कम संवेदनशील हैं। इस वर्ष वनाग्नि के सीजन में मंडी, धर्मशाला, हमीरपुर, नाहन, सोलन, बिलासपुर, शिमला, चम्बा, रामपुर, कुल्लू वृत्त, सिरमौर के पच्छाद, नैना टिक्कर के वन क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। चौपाल के नेरवा में एक व्यक्ति के खिलाफ थाने में धारा 285 के तहत मामला दर्ज किया गया। वह बार-बार जंगल में आग लगा रहा था। सोलन के डगशाई के जंगलों में लगी आग से कई हेक्टेयर वन जमीन में आग लगी। डलहौजी के जंगलों में लगी आग की चपेट में सरकारी दफ्तर भी आ गया। आग बुझाने के लिए वायु सेना की मदद ली गई। हिमाचल में इस वर्ष 12 जून तक 1767 वनाग्नि के मामले हुए और 18530 हेक्टेयर वन संपदा राख हुई। वन्य प्राणियों का कोई लेखा-जोखा वन विभाग ने प्रकाशित नहीं किया। कई जगह तो घरों, बागीचों, स्कूलों तथा सरकारी दफ्तर आदि को भी वनाग्नि से काफी नुकसान पहुंचा है। सबसे ज्यादा आग की घटनाओं से प्रभावित धर्मशाला, मंडी और हमीरपुर सर्कल हैं, क्योंकि यहां चीड़ के जंगल हैं। हिमाचल के वनों में लगी आग से ऐसा लगता है कि वन विभाग ने कोई कारगर योजना वनाग्नि से निपटने के लिए नहीं बनाई है। वन विभाग 1767 वनाग्नि की घटनाओं के बावजूद अभी भी वनाग्नि को बुझाने के लिए बारिश के इंतजार में है। वनाग्नि को रोकने के लिए वन विभाग के पास बजट की कमी है। दूसरी तरफ सरकार पर्यावरण दिवस तथा वन महोत्सव मनाने के लिए लाखों रुपए खर्च करती है। वन विभाग को वनाग्नि से निपटने के लिए कारगर योजना बनाकर इसका कार्यान्वयन करना चाहिए ताकि महत्वपूर्ण ईकोसिस्टम को बचाया जा सके। हिमाचल सरकार को इस ओर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि हिमाचल में पर्यटन प्राकृतिक सुंदरता एवं पर्यावरण पर निर्भर करता है। साधारणतया वनाग्नि के मुख्य कारण हैं : प्राकृतिक रूप से बिजली गिरना, कोयले जलने की वजह, बीड़ी-सिगरेट पीने वालों की भूल तथा जानबूझकर जंगलों को आग लगाना आदि। ज्यादा गर्मी और शुष्क मौसम के कारण भी वनों में आग लग रही है। वनाग्नि का एक और कारण है, सरकारी एवं वन विभाग की जमीन जिसकी सीमा वनों के साथ लगती है। इस जमीन पर लोगों ने अवैध कब्जे किए हैं। न्यायालयों ने अवैध कब्जे हटाने के आदेश दिए हैं परंतु सरकार और वन विभाग ये जमीनें वापस नहीं ले पा रहे हैं। ये अवैध कब्जाधारी ही इस जमीन पर घास/झाडियां आदि जलाने के लिए आग लगाते हैं, ताकि बरसात में घास अधिक हो। यही आग साथ लगते जंगलों में फैल जाती है। कई बार ये लोग साथ लगते वनों में जानबूझकर आग को लगाते हैं। 95 प्रतिशत से अधिक जंगल की आग जानबूझकर एवं इनसानी लापरवाही के कारण लगती है। जंगल की आग विभिन्न तरह से प्रभावित करती है जैसे, अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना, मिट्टी कटाव का खतरा बढ़ जाना, वातावरण को प्रदूषित करना, स्वास्थ्य सम्बन्धित स्मस्याएं, पेड़ों के नुकसान से जलवायु परिस्थितियां बाधित होना, बहुत से जंगली जानवरों का बच्चे देने का सीजन भी प्रभावित होता है। कई जानवरों की मौत कुछ जानवरों का शहर की तरफ भागना, वनस्पति तथा जीवों का नष्ट होना, मिट्टी की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पडऩा, आग से जंगलों में बीज बैंक को क्षति पहुंचती है तथा अंकुर और पौधे नष्ट हो जाते हैं। जंगली आग जानवरों के प्रजनन जोड़े की अखंडता को लंबे समय के लिए प्रभावित करती है।

कुछ अलग

आदमयुगीन बर्बरता

यह अमानवीय कृत्य तार्किकता से परे है कि बेटियों को निर्ममता से इसलिये मार दिया जाए कि उन्होंने अपनी मर्जी के जीवनसाथी के साथ अपनी नई दुनिया बसाने का फैसला ले लिया है। निस्संदेह, मां-बाप बड़े अरमानों से जिगर के टुकड़े को पालते-पोसते हैं। उनके भविष्य व वैवाहिक जीवन को लेकर उनके भी सपने होते हैं। लेकिन जब 21वीं सदी में उम्मीदों के नये आकाश तलाशती बेटियों के कदम दैहिक आकर्षण व सुकोमल अहसासों के चलते मनमर्जी की दिशा में बढ़ने लगते हैं तो उसके लिये मरने-मिटने वाले परिजन क्रूरता से उसका जीवन खत्म कर देते हैं। निस्संदेह, सदियों पुरानी रूढ़ियों व जातीय ग्रंथियों वाला हमारे समाज का एक तबका पूर्वाग्रहों से मुक्त नहीं हो पा रहा है। उसके पारिवारिक निर्णय आज भी समाज में लोकलाज और कथित शान के नजरिये से प्रभावित होते हैं। यह समझ से परे है कि जिस हरियाणा की बेटियां तमाम खेलों में सोने के तमगे बटोरने से लेकर एवरेस्ट की चोटियों की ऊंचाइयां बार-बार नाप रही हैं, उस समाज में बेटियों को लेकर ये दकियानूसी सोच क्यों है? क्यों बहन की रक्षा के लिये राखी बंधवाने वाला भाई आवेश में उसकी जान ले लेता है? वो कितना भयानक मंजर होगा जब बहन भाई को हत्यारे के रूप में आता देखती होगी? निश्चय ही इक्कीसवीं सदी में कथित ऑनर किलिंग की घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा ही है। देश-दुनिया में ऐसी क्रूरता का कोई अच्छा संदेश नहीं जाता। प्रगतिशील सोच की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से तीन तरफ से जुड़े हरियाणा में सोलहवीं सदी की सोच क्यों जीवित हो रही है यह समाज विज्ञानियों के लिये विचारणीय प्रश्न है। इसके बावजूद जीवन के तमाम क्षेत्रों में हरियाणा ने नये मानक स्थापित किये हैं। लेकिन सिरसा की सरबजीत कौर और कैथल की कोमल रानी की दिल दहला देने वाली हत्याएं हजार सवाल पूछती हैं। भले मां-बाप की दृष्टि में जीवन साथी चुनने में उन्होंने गलती की हो, लेकिन इस पर आदिम युगीन दंड उससे बड़ा अपराध है। बहरहाल, इस घटनाक्रम के आलोक में यह विरोधाभास भी सामने आता है कि जो राज्य अपनी महिला खिलाड़ियों, विशेषकर पहलवानों के लिये दुनियाभर में प्रसिद्ध है, उस समाज में कुछ बेटियों को लैंगिक अन्याय का दंश क्यों झेलना पड़ रहा है। वह भी उस हरियाणा में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी 2015 में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की शुरुआत की थी। पूरे देश में इस मुहिम को सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला। इस मुहिम का मकसद राज्य में शिशु लिंगानुपात में सुधार करना और नारी सशक्तीकरण को बढ़ावा देना था। निश्चित रूप से पिछले वर्षों में राज्य में जन्म के समय के लिंगानुपात के आंकड़ों में सुधार भी आया। जो हरियाणा लिंगभेद के लिए सवालों के घेरे में था, वहां यह अनुपात नौ सौ का आंकड़ा भी पार कर गया। लेकिन इसके बावजूद सामाजिक परिवर्तन के दीर्घकालीन लक्ष्य पाने में सफलता नहीं मिली, विशेष रूप से ग्रामीण हरियाणा में। दरअसल, राज्य में एक तबके में पितृसत्तात्मक मानसिकता की जड़ें खासी गहरी हैं। जो ग्रामीण समाज में लड़कियों के जीवन पर लगातार नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। ये वही हरियाणा है जिसके बीबीपुर गांव में नौ साल पहले तत्कालीन सरपंच सुनील जागलान ने 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान की शुरुआत की थी। जिसकी शेष देश में ही नहीं विदेशों में भी खासी चर्चा हुई थी। तमाम माता-पिताओं ने बताने का प्रयास किया था कि उन्हें अपनी बेटियों पर गर्व है। निश्चित रूप से ऐसे प्रगतिशील कदम समाज की सोच में बदलाव के लिये उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। ऐसी एक नहीं तमाम प्रगतिशील पहलों के लिये प्रयास होने चाहिए। बहरहाल, जिस हरियाणा की बेटियां तमाम वैश्विक स्पर्धाओं में सफलता के नये आयाम स्थापित कर रही हैं।

देश दुनिया से

भारत को पूर्णकालिक सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया जाए

प्रधानमंत्री मोदी के साथ इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी की भरमार है। वह कॉलेज जाने वाली किशोरी की तरह लग रही हैं, जो अपने हीरो के साथ सेल्फी लेकर बहुत खुश और अभिभूत हैं और उत्साह में चिल्लाती हैं-मेलोडी (मेलोनी और मोदी) टीम की ओर से हेलो! प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर आलोचक भी यह स्वीकार करेंगे कि हमारे सत्तर वर्षीय प्रधानमंत्री ने अलग- अलग तरह के वैश्विक नेताओं के साथ गर्मजोशी, मिलनसारिता और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने में अनूठी महारत हासिल कर ली है। उन्हें केवल आउटरीच सेशन में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सामूहिक तस्वीर लेते वक्त उन्हें प्रमुखता से केंद्र में रखा गया।

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी की भरमार है। वह कॉलेज जाने वाली किशोरी की तरह लग रही हैं, जो अपने हीरो के साथ सेल्फी लेकर बहुत खुश और अभिभूत हैं और उत्साह में चिल्लाती हैं-मेलोडी (मेलोनी और मोदी) टीम की ओर से हेलो! प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर आलोचक भी यह स्वीकार करेंगे कि हमारे सत्तर वर्षीय प्रधानमंत्री ने अलग- अलग तरह के वैश्विक नेताओं के साथ गर्मजोशी, मिलनसारिता और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने में अनूठी महारत हासिल कर ली है। उन्हें केवल आउटरीच सेशन में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सामूहिक तस्वीर लेते वक्त उन्हें प्रमुखता से केंद्र में रखा गया। संक्षेप में कहें, तो उनके प्रति काफी सम्मान और शिष्टाचार दर्शाया गया। और हो भी क्यों नहीं? अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपतियों तथा ब्रिटिश एवं कनाडा के प्रधानमंत्रियों (जनमत सर्वेक्षणों में जिनकी लोकप्रियता घट गई है और अनिश्चित राजनीतिक भविष्य का सामना कर रहे हैं) की तुलना में मोदी ने भारत में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच दिया है, हालांकि उनकी अपनी पार्टी लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे मुद्दे उठाए, जो न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। एआई और ऊर्जा, अफ्रीका एवं भूमध्यसागर पर जी-7 के आउटरीच सेशन में उन्होंने कई विषयों पर प्रकाश डाला, मुख्य रूप से मानव प्रगति में प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग पर। मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रौद्योगिकी के उदय ने साइबर सुरक्षा के महत्व की भी पुष्टि की है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अपनी विकास यात्रा के लिए किस तरह से एआई का लाभ उठा रहा है। यह जरूरी है कि एआई पारदर्शी, सुरक्षित, सुलभ और जिम्मेदार बना रहे। जहां तक ऊर्जा का सवाल है, भारत का दृष्टिकोण उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। हम निर्धारित समय से पहले अपनी कॉप प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। भारत लाइफ (एलआईएफई) मिशन के सिद्धांतों के आधार पर हरित युग की शुरुआत करने के लिए काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने धरती को और अधिक टिकाऊ बनाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि समय से पहले कॉप प्रतिबद्धताओं को पूरा करने वाला भारत पहला देश होगा और यह 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। सितंबर, 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी यूनियन को उसका पूर्ण सदस्य बनवाने के भारत के प्रयासों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ की भलाई के लिए बोलने और विश्व मंच पर अपनी प्राथमिकताओं और चिंताओं को व्यक्त करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत-इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने भारत-प्रशांत और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की आशा व्यक्त की। पिछले दो दशक से ज्यादा समय से हम सुन रहे हैं कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जन्मी मौजूदा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) आज दुनिया की वास्तविकताओं को नहीं दर्शाती और उसकी समस्याओं का समाधान करने में अक्षम है। यही बात जी-7 के साथ लागू होती है, जिसकी स्थापना 1975 में दुनिया के सबसे बड़े औद्योगिक लोकतंत्रों (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान) के एक अनौपचारिक समूह के रूप में तेल संकट, वित्तीय संकट और मंदी से निपटने के लिए की गई थी। इस समूह में कनाडा 1975 में शामिल हुआ। इसका न तो मुख्यालय है, न सचिवालय और न ही चार्टर। इसकी अध्यक्षता बारी-बारी से हर साल सदस्य देशों द्वारा की जाती है। मौजूदा अध्यक्ष एजेंडा निर्धारित करता है और गैर-सदस्य देशों को उचित समझकर आमंत्रित करता है। पिछले कुछ वर्षों में मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक चिंताओं के अलावा जलवायु परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रवासन जैसे कई मुद्दे जी-7 की चर्चाओं में प्रमुखता से शामिल रहे हैं। जी-7 देशों की कुल जीडीपी, जो विश्व की जनसंख्या का मात्र 10 फीसदी है, 463 खरब डॉलर है।

आप का नजरिया

लाखों मौतों की जवाबदेही

यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट के वे आंकड़े परेशान करने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। दुखद बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित व परेशान करने वाले हैं। वहीं नीति-नियंताओं को शर्मसार करने वाले भी हैं कि इस दिशा में अब तक गंभीर प्रयास क्यों नहीं हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण संकट से अकेला भारत ही जूझ रहा है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही को ही दर्शाता है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। दरअसल, अनियोजित कॉलोनियों व बहुमंजिली इमारतों के निर्माण से हवा का वह स्वाभाविक प्रवाह बाधित हुआ है जो वायु प्रदूषण रोकने में मददगार होता था। दीवाली के आसपास पराली जलाने का ठीकरा किसानों के सिरों पर फोड़कर प्रदूषण नियंत्रण की जवाबदेही से मुक्त होने का जो उपक्रम होता है, वह जगजाहिर है। यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से वर्ष 2021 में जिन 21 लाख लोगों की मौत होने का जिक्र है, दुर्भाग्य से उनमें 1,69,400 बच्चे हैं। जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका शारीरिक विकास भी सही से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है।

रूस-उ. कोरिया के बीच रक्षा समझौते से बौखलाया चीन अमेरिका ने तीनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की जताई आशंका

वॉशिंगटन, 24 जून । (एजेंसियां) ।

अमेरिका के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच रक्षा समझौतों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच इस समझौते से चीन के साथ टकराव होने की संभावना है। वायु सेना जनरल सीक्यू ब्राउन ने कहा कि उत्तर कोरिया के साथ रक्षा समझौते के बाद रूस और चीन के बीच तनाव बढ़ सकता है। सीक्यू ब्राउन ने मीडिया से बात करते करते हुए कहा, हमें कोई मिल गया है, जो हस्तक्षेप कर रहा है। यह रूस और चीन के बीच तनाव बढ़ा सकता है। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि तीनों देश इससे कैसे निपटते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था। इस समझौते के बाद अब इन दो देशों पर बीजिंग का प्रभाव कम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह चीन की वैश्विक, आर्थिक और रणनीतिक महत्वकांक्षाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। रूस-उत्तर कोरिया के बीच रक्षा समझैता रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस अब उत्तर कोरिया को हथियार प्रदान कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि उत्तर कोरिया रूस से लड़ाकू विमान, सतह से हवा में वार रने वाली मिसाइलें, बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन सामग्री उत्तन तकनीक हासिल करने के लिए इच्छुक है। सीक्यू ब्राउन ने कहा, यह एक व्यापक समझौता था जिसमें कोई बाधा नहीं है। यह समझौता आपको बताता है कि वे एक साथ काम करना चाहते हैं, लेकिन इसके साथ ही वे अपने बंधे नहीं रखना चाहते हैं। रूस और उत्तर कोरिया ने रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया। इस समझौते के तहत प्रत्येक पक्ष को उनमें से किसी के खिलाफ आक्रमण की स्थिति में दूसरे को तत्काल सैन्य सहायता प्रदान करना होगा। आक्रमण के दौरान दोनों ही देश एक-दूसरी की मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उत्तर कोरिया के साथ यह समझौता पश्चिम के लिए निवारक के रूप में साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन में युद्ध के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। इस बीच अमेरिका और यूक्रेन ने दावा किया कि उत्तर कोरिया रूस को तोपखाने के गोले और बैलिस्टिक मिसाइलें उपलब्ध करा चुका है। हालांकि, रूस ने इन दावों को नकार दिया है।

न्यूज ब्रीफ

बाइडन-ट्रंप के बीच इस दिन होगी पहली राष्ट्रपति बहस, गर्भपात मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति को लगेगा झटका या फिर कुछ और

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। अमेरिकी चुनाव 2024 भी 2020 की तर्ज पर बाइडन बनाम ट्रंप लड़ा जाएगा, इसकी संभावना काफी अधिक है। देश की जनता जो बाइडन को अपना कीमती वोट देकर लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बनाएगी या फिर इस बार डोनाल्ड ट्रंप को चुनेगी, यह सब कई अहम मुद्दों पर निर्भर करेगा। इस बार के अहम मुद्दों में गर्भपात, सीमा सुरक्षा, गाजा युद्ध और गन कल्चर है। माना जा रहा है कि अमेरिका में पिछली बार हुए मध्यावधि चुनाव की तरह इस बार भी गर्भपात का मुद्दा छाया रहेगा। बाइडन और ट्रंप के बीच होने वाली बहस में यह मुद्दा प्रमुखता से उठेगा। रिपब्लिकन पर मतदाताओं को अलग-थलग नहीं करने का दबाव होगा। यह है मामला दरअसल, 24 जून 2022 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात के अधिकार को मिली संवैधानिक सुरक्षा खत्म कर दी थी। अदालत ने 49 साल पुराने रो वी वेड केस में दिए गए फैसले को पलट दिया था। वहीं, कुछ राज्यों ने उसी दिन से गर्भपता पर प्रतिबंध लगा दिया, जिससे क्लीनीकों को जल्दबाजी में बंद करने पर मजबूर होना पड़ा। इस पार्टी को मिल रहा इसका फायदा गर्भपात के अधिकार को गैरसंवैधानिक करार देने के बाद अमेरिकी महिलाएं रिपब्लिकन पार्टी से नाराज चल रही हैं। यही वजह है कि डेमोक्रेट इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, रिपब्लिकन इससे बचने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले चुनाव में गर्भपात का मुद्दा टॉप-10 में भी नहीं था मगर इस बार ये सबसे पहले नंबर पर है। दो भागों में बंटा देश पहले से ही राजनीतिक रूप से प्रभावित देश अब दो भागों में बंट गया है। एक तो वे राज्य जिन्होंने गर्भपात पर प्रतिबंध लगा दिया है या इस तक पहुंच को काफी सीमित कर दिया है। दूसरे वे राज्य, जिन्होंने गर्भपात कराने के महिला के अधिकार के लिए नए संरक्षण उपाय अपनाए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से पूरे देश में राजनीतिक हलचल मच गई तथा इसके दुष्परिणाम भी हुए। इस निर्णय के बाद से कंजर्वेटिव गर्भपात तक पहुंच के मुद्दे पर लगभग हर जनमत संग्रह या मतदान हार चुका है।

फ्रांस में फिर से हिंसा, नौ लोगों की मौत, कई इमारतें आग के हवाले की गईं, कई इलाकों में तनाव

नौमिया (फ्रांस) । फ्रांस के न्यू कैलेडोनिया में हिंसा के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। बताया जा रहा है कि रात भर में एक पुलिस स्टेशन और एक टाउन हॉल सहित कई इमारतों में आग लगा दी गई। फ्रांसीसी प्रशांत क्षेत्र में अशांति के बीच अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा की वजह से मेनलैंड, पिंस और मारे द्वीप पर तनाव का माहौल है। यहां आगजनी और सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया। पुलिस को भी निशाना बनाया गया। हिंसा की वजह क्या दरअसल, न्यू कैलेडोनिया में मई के मध्य में एक चुनावी सुधार योजना को अमली जामा पहनाने की तैयारी की गई। इसके बाद से यहां दंगे और लूटपाट शुरू हो गई। नई योजना से स्थानीय कनक लोगों के मन में यह डर बैठ गया कि वे स्थायी रूप से अल्पसंख्यक बन जाएंगे और उनकी स्वतंत्रता की उम्मीदें पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। अब तक कितना नुकसान इस तनाव में नौ लोग मारे गए हैं।

अमेरिका से इजराइल आने वाले हथियारों में कमी आई, नाराज नेतन्याहू ने बाइडन प्रशासन को घेरा

यरूशलम । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यरूशलम में एक कैबिनेट बैठक के बाद एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका हथियारों की डिलीवरी रोक रहा है। अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए नेतन्याहू ने बताया कि चार महीने पहले अमेरिका से इजराइल आने वाले हथियारों में तेजी से कमी आई थी। कई हफ्तों तक हमने अपने अमेरिकी दोस्तों से बातचीत की और उन्हें हथियारों के शिपमेंट में तेजी लाने का अनुरोध किया। अमेरिका से नाराज नेतन्याहू नेतन्याहू ने बैठक की शुरूआत में ही जो बाइडन प्रशासन को घेरा। उन्होंने कहा, करीब चार महीने पहले तक अमेरिका से इजराइल आने वाले हथियार सामग्री में कमी कई थी। हमने कई हफ्तों तक अमेरिका से शिपमेंट में तेजी लाने का अनुरोध किया। हमने ऐसा बार-बार किया। हमने उच्चतम स्तर पर ऐसा किया। हमें सभी प्रकार के स्पष्टीकरण मिले। बुनियादी स्थिति नहीं बदली। कुछ वस्तुएं छिटपुट रूप से आईं, लेकिन बड़े पैमाने पर युद्ध सामग्री पीछे ही रही गई।

दागेस्तान-माखचकाला में आतंकी हमला, 16 पुलिसकर्मियों समेत कई नागरिकों की मौत, छह हमलावर भी ढेर

दागेस्तान (रूस), 24 जून । (एजेंसियां) ।

रूस में ईसाईयों और यहूदियों के धर्मस्थल पर अंधाधुंध गोलीबारी में 16 पुलिसकर्मी और आम नागरिकों के मारे जाने की खबर है। दागेस्तान में हुए इस आतंकी हमले में एक पादरी की भी हत्या हुई है।

रूस के दक्षिणी प्रांत- दागेस्तान में ईसाईयों और यहूदियों के धर्मस्थल (सिनेगॉग) पर अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी किए जाने की खबर है। गोलीबारी दागेस्तान के डर्बेंट शहर में हुई है। बताया कि दागेस्तान के गवर्नर ने बताया कि बंदूकधारियों के हमलों में 16 से अधिक पुलिसकर्मियों और कई नागरिकों की हत्या कर दी गई है। वहीं, सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में छह आतंकियों को मार गिराया है। हमले में 20 से अधिक लोगों के घायल होने की भी खबर है।

इन जगहों पर हुआ हमला

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस के दागेस्तान में आतंकियों ने दो चर्च, एक सिनेगॉग (यहूदी मंदिर) और एक पुलिस पोस्ट पर हमला किया। क्षेत्र में शोक दिवस मनाया जाएगा। दागेस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने कैस्पियन सागर पर स्थित डर्बेंट शहर में एक सिनेगॉग और एक चर्च पर गोलीबारी की। इससे दोनों जगह आग लग गई। लगभग उसी समय, माखचकाला में एक चर्च और एक यातायात पुलिस चौकी पर हमले की खबरें सामने आईं।

इतने हमलावर मार गिराए

अधिकारियों ने क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया और पांच हमलावरों को मार गिराया। हालांकि, गवर्नर का कहना है कि छह बंदूकधारियों को मार गिराया है। फिलहाल, इसकी स्पष्ट पुष्टि नहीं हो सकी है।

सुरक्षाबलों ने हमलावरों को मार गिराया

हमलों की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। अधिकारियों ने एक आतंकवादी अधिनियम के आरोप में एक आपराधिक जांच शुरू की। इससे पहले देर रात आई विदेशी मीडिया की शुरुआती खबर में इसे आतंकी हमला बताया गया। फायरिंग में चर्च के पादरी और पुलिसकर्मी समेत सात लोगों की मौत की खबर आई थी। अब मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 16 हो चुका है। वहीं, हमलावरों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के दौरान रूस के सुरक्षाबलों ने कई हमलावरों को मार गिराया।

एक को हिरासत में लिया

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने कानून प्रवर्तन सूत्रों के हवाले से बताया कि दागेस्तानी के एक अधिकारी को हमलों में उनके बेटों की संलिप्तता को लेकर हिरासत में लिया गया है।

मेलिकोव ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति कानून प्रवर्तन और स्थानीय अधिकारियों के नियंत्रण में है। उन्होंने कसम खाई कि हमलों की जांच तब तक जारी रहेगी जब तक कि आतंकवादियों का पता नहीं चल जाता। उन्होंने बिना सबूत दिए दावा किया कि हमलों की तैयारी विदेश से की गई हो सकती है।

छह अधिकारियों और पादरी की मौत

इससे पहले हमले के बारे में दागेस्तान लोक निगरानी आयोग के शमील खदुलेव ने बताया था कि चर्च पर हमले में पादरी और छह अधिकारियों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक डेरबेंट के चर्च में मारे गए पादरी की पहचान 66 वर्षीय फादर निकोले के रूप में हुई है। आतंकियों ने गला रेतकर इनकी नृशंस हत्या कर दी। चर्च की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी की हत्या गोलीमार की गई। गार्ड के पास केवल एक पिस्तौल थी।

माखचकाला शहर में पुलिस यातायात स्टॉप पर आतंकी हमला

खबर के मुताबिक आतंकी हमले के बाद यहूदियों के धर्मस्थल की एक मंजिल पर बनी खिड़कियों से आग की बड़ी-बड़ी लपटें निकलती देखी गईं। धुएं का गुबार भी देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन जगहों पर हमले किए गए। माखचकाला शहर में पुलिस यातायात स्टॉप पर हमले की खबरें मिली हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमलों में 12 कानून प्रवर्तन अधिकारी घायल भी हुए हैं।

डर्बेंट शहर में हमले के समय ही माखचकाला में भी हमला हुआ

अधिकारियों के मुताबिक तीनों जगहों पर हमले के तरीके और समय को देखते हुए ऐसा लगता है कि हमलावरों ने संगठित तरीके से हमले किए। जिस समय डर्बेंट शहर में हमला हुआ उसी समय यहां से करीब 120 किलोमीटर दूर माखचकाला में पुलिस यातायात चौकी पर भी गोलीबारी की गई। इस हमले में एक पुलिसकर्मी के घायल होने की भी खबर है।

अब तक 1300 से अधिक हाजियों की मौत, 83 फीसदी से अधिक अनधिकृत थे, सऊदी सरकार ने दी जानकारी

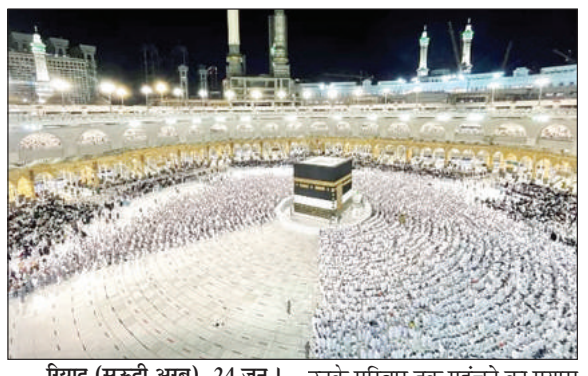

रियाद (सऊदी अरब), 24 जून ।

सऊदी अरब के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक हज यात्रा के दौरान 1301 लोगों की मौत हुई है। इनमें कई मामले भीषण गर्मी के कारण तनाव से जुड़े हैं। मृतकों में अधिकांश की यात्रा अनधिकृत भी बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक हर पांच में चार मौतें अनधिकृत तौर पर हज यात्रा पर आने वाले यात्री की हुई है। सऊदी सरकार ने एक बयान में कहा कि मौसम के कारण गंभीर रूप से बीमार हुए कई लोगों का अभी भी इलाज कराया जा रहा है। मरने वाले लोगों में 83 फीसदी हज करने के लिए अनधिकृत थे।

मरने वाले लोगों की पहचान हो चुकी है

रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार ने 1300 से अधिक हाजियों की मौत पर अफसोस जाहिर करते हुए कहा, भीषण गर्मी के बावजूद बिना किसी आराम और आश्रय के ये लोग लंबी दूरी तक पैदल यात्रा करते थे। मरने वाले लोगों में कई बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार यात्री भी शामिल हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक सभी मृतकों की शिनाख्त हो चुकी है। उनके परिवार तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

अनधिकृत तीर्थयात्रियों की संख्या के कारण समस्याएं बढ़ीं

इस साल हज यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने का कारण अत्यधिक गर्मी, लगातार सामान्य से ऊपर रहे तापमान को बताया जा रहा है। मक्का में तापमान रिकॉर्ड 125 डिग्री फॉरेनहाइट तक पहुंच गया। सेल्सियस में यह तापमान 51 डिग्री से भी ऊपर दर्ज किया गया। विभिन्न अधिकारियों ने कहा है कि अनधिकृत तीर्थयात्रियों की संख्या के कारण समस्याएं बढ़ गई हैं। मक्का में आने की क्या है परेशानी, 1.8 मिलियन लाइसेंस मिलते हैं उल्लेखनीय है कि हज परमिट सऊदी सरकार की तरफ से कोटा प्रणाली के आधार पर अलग-अलग देशों को देती है। सऊदी अरब में मक्का जाने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री को कानूनी रूप से प्रवेश करने के लिए लाइसेंस हासिल करना जरूरी है। लगभग 1.8 मिलियन लाइसेंस उपलब्ध हैं। एक लाइसेंस की लागत कई हज़ार अमेरिकी डॉलर होती है।

लाल सागर में हूतियों का आतंक जारी, व्यापारिक जहाज को बनाया निशाना, हिंद महासागर में भी किया हमला

यमन, 24 जून (एजेंसियां) ।

यमन के पास लाल सागर में एक ड्रोन हमले में एक व्यापारिक जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। दो समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की। बता दें कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग पर हमले की घोषणा की है। यमन के हूती पिछले कुछ महीनों से ही लाल सागर में जहाजों पर निशाना बनाकर हमले कर रहा है। उनका कहना है कि वह यह हमला गाजा पट्टी में जारी इजराइल हमास संघर्ष में फलस्तीनियों के समर्थन में कर रहे हैं। हूतियों ने लाल सागर और हिंद महासागर में एक-एक जहाज को निशाना बनाया था।

लाल सागर में हूतियों का हमला

ब्रिटेन मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि ताजा हमला यमनी के होदेदा शहर से 120 किमी पश्चिम की तरफ किया गया है। एजेंसी ने बताया कि व्यापारिक जहाज के मास्टर ने अनक्वर्ड एरियल सिस्टम (यूएएस) की चपेट में आने की रिपोर्ट दी, जिसमें जहाज को नुकसान पहुंचा। उन्होंने आगे कहा, जहाज अपने अगले बंदरगाह की तरफ बढ़ रहा है। इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी हमले की जांच कर रहे हैं। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे ने बताया कि ग्रीस के जहाज में लाइबेरिया का झंडा लगा था। संयुक्त समुद्री सूचना केंद्र (जेएमआईसी) इस क्षेत्र में पश्चिमी नेतृत्व वाली नौसैनिक टास्क फोर्स के साथ काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया है। यूकेएमटीओ ने बताया कि उन्हें एक दूसरे जहाज से संकटपूर्ण कॉल प्राप्त हुआ। दरअसल, यमन के दक्षिण-पूर्वी तट पर जहाज को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। चालक दल को जहाज छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, यूकेएमटीओ ने अभी तक घटना के कारणों की पुष्टि नहीं की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने समकक्ष नाहयान से की मुलाकात, बोले- रणनीतिक संबंधों पर हुई गहन बातचीत

अबू धाबी, 24 जून (एजेंसियां) ।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने यूएई समकक्ष से मिलने के बाद कहा कि अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से अबू धाबी में मिलकर बहुत खुशी हुई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अपने समकक्ष अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ भारत और यूएई के बढ़ते व्यापक रणनीतिक संबंधों पर उपयोगी और गहन बातचीत की। इसके अलावा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। इससे पहले जयशंकर अबू धाबी में प्रतिष्ठित बीएपीएस हिंदू मंदिर गए। वहीं, 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भी भाग लिया।

क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा

अपने समकक्ष से मिलने के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से अबू धाबी में मिलकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने आगे कहा कि हमारे बढ़ते व्यापक रणनीतिक संबंधों पर उपयोगी और गहन बातचीत हुई। इसके अलावा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की।

बीएपीएस मंदिर भारत-यूएई के बीच एक सांस्कृतिक पुल: जयशंकर

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर आबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर गए व मंदिर में विधि-विधान से पूजा पाठ किया। उन्होंने कहा, मैं बीएपीएस हिंदू मंदिर आकर धन्य हो गया। यह मंदिर भारत-यूएई दोस्ती का एक स्पष्ट प्रतीक है। यह दुनिया को एक सकारात्मक संदेश देता है। यह दोनों देशों के बीच एक सच्चा सांस्कृतिक ब्रिज है। जयशंकर ने मंदिर में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम संगठन (बीएपीएस) के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की थी। बीएपीएस ने यूएई द्वारा दान की गई भूमि पर मंदिर बनवाया है। इसके अलावा, विदेश मंत्री ने भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का उद्घाटन किया और उसमें भाग लिया, जो लौर अबू धाबी संग्रहालय परिसर में आयोजित किया गया था।

पीएम मोदी ने इस साल की थी यूएई की यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगस्त 2015 में संयुक्त अरब अमीरात की ऐतिहासिक यात्रा के बाद, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया है। दोनों देशों ने आर्थिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए फरवरी 2022 में एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। व्यापार समझौते में कई लाभ दिए गए हैं, जिनमें टैरिफ को खत्म करना और कम करना, खुले व्यापार के माहौल को बढ़ावा देना और विभिन्न क्षेत्रों में सेवा प्रदाताओं के लिए बाजार पहुंच को बढ़ाना शामिल है।

संसद में खालिस्तानी आतंकी निज्जर के लिए मौन पर घिरी ट्रूडो सरकार, मीडिया ने करार दिया नैतिक अपमान

ओटावा, 24 जून (एजेंसियां) ।

कनाडा की संसद में खालिस्तानी आतंकवादी और सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रखे जाने पर, कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन सरकार की आलोचना की है। डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि यह एक नैतिक अपमान है। इसका आसान स्पष्टीकरण यह है कि सरकार में खालिस्तानी घुसपैठ है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल में कई उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी फिलिस्तीनी हैं। और यह करीब एक दशक से जारी है।

इस दौरान डैनियल बोर्डमैन ने आगे कहा कि मेरा एक दोस्त था जिसकी हत्या आईआरजीसी, एक विदेशी आतंकवादी संगठन की तरफ से की गई थी। उसके कनाडाई संसद में दो मिनट का मौन धारण नहीं किया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि निज्जर के लिए दो मिनट के मौन रखने की आवश्यकता क्यों है। यह वास्तव में शर्मनाक है। आतंकवाद और धोखाधड़ी के लिए उस व्यक्ति को दो बार कनाडा आने से मना किया गया और फिर किसी तरह से वह चुपके से आ गया। मैं भारत में किसी को भी कोई तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं दे सकता कि कनाडा हरदीप सिंह निज्जर के लिए मौन क्यों रखा है।

देश के गुरुद्वारों में खालिस्तानियों ने की घुसपैठ

डैनियल बोर्डमैन ने इस दौरान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि ट्रूडो को गलत काम करने के लिए किसी कारण की जरूरत है। यह इस समय एक तरह की नैतिक मजबूरी है। हमास ने उनकी प्रशंसा की है और वो चर्चों को जलाए जाने का समर्थन कर रहे हैं। ये उनकी भयावह नैतिक विफलताओं का एक संगम है। कनाडाई पत्रकार ने आगे कहा कि हमारे देश में बहुत से पागल गुरुद्वारे हैं, जिनमें खालिस्तानियों ने घुसपैठ की है।

बगैर जांच के आ रहे खालिस्तानी- डैनियल बोर्डमैन

ट्रूडो सरकार पर टिप्पणी करते हुए डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि इस समय छात्र वीजा सबसे बड़ा संकट है। जो अभी भी जारी किए जा रहे हैं और ये लोग बिना जांच के आ रहे थे और खालिस्तानी गुरुद्वारों में घुस रहे थे। मैंने बहुत से सिखों को इस बारे में बात करते हुए सुना है। कनाडाई लोग इससे थकने लगे हैं और खालिस्तानियों को हमारी सड़कों पर घूमने वाले पागलों के समूह में शामिल कर दिया गया, जो सब कुछ बदतर बना रहे हैं। फिलहाल औसत कनाडाई के बीच जागरूकता बढ़ रही है।

भारत ने खालिस्तानियों के ओसीआई कार्ड किए रद्द

डैनियल बोर्डमैन ने आगे कहा कि, भारत पहले से बेहतर कर रहा है। इसमें सबसे अच्छी चीज में से एक ये है कि उन्होंने खालिस्तानियों के ओसीआई कार्ड रद्द करना शुरू कर दिया है। इस पर किसी तरह के रोकथाम की जरूरत है, अपराधियों को जेल जाना चाहिए। अगर आप बुरे काम करते हैं, तो आपके साथ भी बुरा होगा। इसलिए कार्रवाई के कारण अब खालिस्तानियों की सड़कों पर मौजूदगी कम होने लगी है।

क्या है पूरा मामला

दरअसल कनाडा की संसद में खालिस्तानी आतंकवादी और सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की पुण्यतिथि पर मौन रखा गया था। भारत ने कनाडाई संसद की इस कदम की कड़ी आलोचना की थी। बता दें कि भारत ने कनाडा को 40 वांछित आतंकियों की लिस्ट सौंपी थी, उसमें निज्जर का भी नाम था। जिसकी बीते साल 18 जून को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा की सरकार ने निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया था। हालांकि भारत की सरकार ने कनाडा के आरोपों को खारिज कर दिया था।

आईओए ने पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा, पेंशन शुरू करने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि देश का यह शीर्ष खेल निकाय सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजना लाने योजना तैयारी की है। उषा ने आईओए की कार्यकारी समिति को सिफारिशें प्रस्तावित की हैं जिन पर जल्द ही चर्चा होगी।

उषा को यह विचार भारतीय तीरंदाज लिंबा राम की दुर्दशा को देखने के बाद आया। प्रस्ताव के मुताबिक आईओए इन सभी खर्चों को पूरी तरह से अपने खजाने से वहन करेगा। उषा ने यहां अपने आवास पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के मौके पर महान भारतीय खिलाड़ी गुरबचन सिंह रंधावा को सम्मानित करते हुए कहा, आईओए कई एथलीट-केंद्रित कदम उठा रहा है और इनमें से हमारे सभी पूर्व-ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा और पेंशन शामिल है।

उषा ने कहा, हमने सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए कार्यकारी समिति सदस्यों को प्रस्ताव सौंप दिया है। यह पूर्व ओलंपियनों के लिए आईओए की ओर से एक छोटी सी मदद है। हमें अपने सभी पूर्व ओलंपियनों के योगदान की सराहना करना चाहते हैं।

उषा ने कहा कि उन्हें यह विचार तब आया जब वह बीमार ओलंपियन लिंबा राम से मिलीं थी। तीरंदाजी के इस दिग्गज खिलाडी को मस्तिष्क आघात हुआ था और उन्होंने वित्तीय सहायता के लिए व्हीलचेयर पर आईओए से संपर्क किया था।

उन्होंने कहा, जब मैंने आईओए कार्यालय में लिंबा राम को व्हीलचेयर पर वित्तीय सहायता के लिए संघर्ष करते हुए देखा तो इसने मुझे झकझोर दिया। उसी क्षण मेरे दिमाग में यह विचार आया। रंधावा ने दो ओलंपिक खेलों में भाग लिया है। वह 1964 के तोक्यो ओलंपिक में 110 मीटर बाधा दौड़ में पांचवें स्थान पर रहे थे। एशियाई खेलों (1962) के डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी ने आईओए प्रमुख के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इसके साथ अनुभवी ओलंपियनों की भलाई के लिए और अधिक प्रयास करने का अनुरोध किया।

न्यूज़ ब्रीफ

आलोचकों को कानूनी कार्रवाई कर सबक सिखाएंगे बाबर आजम

लाहौर । टी20 विश्वकप में टीम पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही टीम के कप्तान बाबर आजम निशाने पर हैं। विश्वकप से टीम के बाहर होने के बाद दिग्गज खिलाड़ियों सहित प्रशंसकों ने भी आजम की काफी आलोचना की थी। यहां तक की उनपर एक पत्रकार ने वीडियों जारी कर फिक्सिंग के भी आरोप लगाये थे। इससे नाराज बाबर अब इस मामले में कानूनी कार्रवाई कर बेवजह आरोप लगाने वालों को सबक सिखाना चाहते हैं। बाबर उन यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप के दौरान उन पर खराब व्यवहार का आरोप लगाया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भी कानूनी कार्रवाई के लिए सबूत एकत्र कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व कप के दौरान बाबर को बदनाम करने के उद्देश्य से एक समन्वित सोशल मीडिया अभियान शुरू किया गया था। पीसीबी का कानूनी विभाग अब कई यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों द्वारा दिए गए अपमानजनक बयानों को लेकर उनपर शिकंजा कसने का प्रयास कर रहा है। गौरतल है कि पूर्व क्रिकेटर अहमद शहजाद सहित कई अन्य ने आजम की कप्तानी पर सवाल उठाए थे। वहीं पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा था कि बाबर टीम में माहौल खराब कर रहे हैं। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं, जो उनसे खुश नहीं हैं जबकि वसीम अकरम ने कहा था कि मुझे टीम के इस खराब प्रदर्शन पर शर्म आती है।

ईस्ट बंगाल एफसी से खेलेगें फुटबॉलर जोथनपुइया

कोलकाता । ईस्ट बंगाल एफसी ने मिजोरम के मार्क जोथनपुइया से करार किया है। जोथनपुइया अभी भारतीय अंडर-23 टीम से खेलते हैं। एफसी ने जोथनपुइया के साथ तीन साल के लिए करार किया है। ऐसे में जोथनपुइया 2026-27 सत्र के अंत तक ईस्ट बंगाल से खेलेंगे।

जोथनपुइया के आने से टीम को मिडफील्ड और रक्षापंक्ति के लिए एक बेहतर खिलाड़ी मिल जाएगा। ईस्ट बंगाल एफसी प्रबंधने ने जोथनपुइया को शामिल किये जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इस खिलाड़ी के आने से टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा। साथ ही कहा कि जोथनपुइया देश के सबसे उभरते हुए युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उवल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने का प्रयास करेंगे। जोथनपुइया ने एफसी पुणे सिटी की युवा टीम और फिर हैदराबाद एफसी की मुख्य टीम की ओर से 2020-21 सत्र में खेला है। वह 2021-22 सत्र में आईएसएल विजेता टीम में शामिल रहे हैं। इस खिलाड़ी ने कहा , ''ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लब के लिए खेलना किसी भी युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए एक सपना है। मेरा प्रयास उसके लिए बेहतरीन प्रदर्शन करना रहेगा।

रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की घटना के बाद एक्शन में यूएफा , यूरो मुकाबलों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी

फ्रैंकफर्ट । यूरोपीय चैम्पियनशिप में खेल प्रेमियों को खिलाड़ियों तक पहुंचने से रोकने के लिए मैदान के बाहर किनारे पर सुरक्षा बढ़ायी जाएगी क्योंकि कम से कम छह प्रशंसकों ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की थी। यूएफा ने कहा कि जर्मनी के 10 स्टेडियमों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जायेंगे। हालांकि इस योजना के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। यूएफा ने कहा, पिच पर किसी भी तरह घुसने की कोशिश करना स्टेडियम के नियमों का उल्लंघन होगा जिसके कारण उसे स्टेडियम से बाहर कर दिया जाएगा। साथ ही उसे टूर्नामेंट के सभी मैचों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और मैदान में घुसने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज की जाएगी। पुर्तगाल की तुर्की पर मिली 3-0 की जीत के दौरान चार प्रशंसक सेल्फी लेने के लिए रोनाल्डो का पीछा करते हुए मैदान पर आ गए थे। मैच खत्म होने के बाद और भी खेल प्रेमियों ने सेल्फी लेने की कोशिश की। हालांकि, वे सिर्फ सेल्फी लेना चाहते थे लेकिन टूर्नामेंट सुरक्षा योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों को किसी भी नुकसान से बचाना भी शामिल है।

रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराकर भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

सेंट लुसिया, 24 जून (एजेंसियां)।

टीम इंडिया ने अपने आखिरी सुपर-8 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम 5वीं बार इस टूर्नामेंट के टॉप-4 में पहुंची है। वेस्टइंडीज के सेंट लूसिया में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 92 रन की पारी खेली। वे टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज सेंचुरी लगाने से चूक गए, हालांकि सबसे तेज हाफ सेंचुरी लगाई। उन्होंने 41 गेंदों पर 92 रन पूरे किए। 7 चौके और 8 सिक्स मारे और 224 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। एक वक्त उनका स्ट्राइक रेट 300 तक पहुंच गया था। फिर सूर्यकुमार (31), शिवम दुबे (28) और हार्दिक पंड्या (27) ने टीम का स्कोर 205 तक पहुंचा दिया। टीम ने इस टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार 200+ का स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने 4 ओवर में सिर्फ 14 रन दिए और एक विकेट लिया। हेजलवुड के अलावा हर बॉलर ने अपने ओवर्स में 10 से ज्यादा रन दिए। रन चेज में ऑस्ट्रेलिया ने 13 ओवर में दो विकेट पर 128 रन बना लिए थे। उसके बाद आखिरी के 7 ओवर्स में भारतीय गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और कंगारू टीम को 20 ओवर में 181/7 के स्कोर पर रोक दिया। अर्शदीप सिंह ने टिम डेविड, मैथ्यू वेड और डेविड वॉर्नर के विकेट लिए, जबकि कुलदीप यादव ने ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मार्श को पवेलियन भेजा। बुमराह ने ट्रैविस हेड (76 रन) का विकेट लेकर मैच भारत के पक्ष में कर दिया। हेड ने 43 बॉल पर 76 रन की पारी खेली।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाली पहली भारतीय बनीं

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी श्रीजा ने फाइनल में चीन की डिंग यिजी को 4-1 से हराया। श्रीजा ने इस टूर्नामेंट में कुल दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। अगले महीने से होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया।

श्रीजा डब्ल्यूटीटी कंटेंडर में सिंगल्स वर्ग का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी श्रीजा ने फाइनल में चीन की डिंग यिजी को 4-1 से हराया। श्रीजा ने इस टूर्नामेंट में कुल दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

महिला सिंगल्स फाइनल में अकुला की शुरुआत थोड़ी खराब रही और वह अपनी चीनी प्रतिद्वंद्वी को पहला गेम 10-12 से गंवा बैठीं। लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए अगले चार गेम 11-9, 11-6, 11-8, 11-6 से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस तरह भारत ने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ अपना अभियान खत्म किया।

महिला डबल्स में भी जीता स्वर्ण

श्रीजा ने अर्चना कामथ के साथ मिलकर महिला डबल्स वर्ग में हमवतन दीया चिताले और यशस्विनी घोरपड़े को 3-0 (11-9, 11-6, 12-10) से हराकर दूसरा स्वर्ण भी जीता। भारत ने पुरुष डबल्स वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीता। हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की जोड़ी ने अजीज सोलंके और ओलाजिदे ओमोटायो को 3-0 (11-811-9, 11-8) से हराया।

2036 तक के लिए हॉकी इंडिया की प्रायोजक बनी रहेगी ओड़ीसा सरकार

भुवनेश्वर, 24 जून (एजेंसियां) ।

उड़ीसा सरकार ने हॉकी इंडिया के साथ प्रायोजन करार 2036 तक बढ़ा दिया है। राज्य की नई सरकार ने ये भी कहा है कि वह हॉकी को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसलिए ये करार 2036 तक बढ़ाया गया है। प्रायोजन करार आगे बढ़ाये जाने से उत्साह हित हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और खेल एवं युवा मंत्री सूर्यवंशी सूरज के साथ हमारी सार्थक बैठक हुई। हमने खेलों के विकास और हमारे प्रिय खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की रणनीतियों पर चर्चा की। वहीं हॉकी इंडिया के सचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि भारतीय हॉकी के लिए राज्य सरकार का लगातार समर्थन अमूल्य रहा है। अब हॉकी इंडिया के साथ भागीदारी 2036 तक बढ़ाना उनके खेल और युवा विकास को बढ़ावा देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। इससे देश में हॉकी का स्तर तेजी से बढ़ने के साथ ही युवा प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिल रहा है। प्रायोजन करार राज्य के पूर्व मुख्यमंत्र नवीन पटनायक के कार्यकाल से ही चला आ रहा है।

टी20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

एंटीगा, 24 जून (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टी20 विश्व कप के पहले सुपर 8 मुकाबले में मेजबान टीम वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। बारिश से प्रभावित इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाये। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम को डकवर्थ नियम के अनुसार 17 ओवर में 123 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने पांच गेंद शेष रहते हुए सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टॉस जीत कर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शाई होप पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद काइल मेयर्स ने 35 रन बनाए जबकि निकलस पूरन 3 गेंदों में ही एक रन बनाकर आउट हो गये। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने 42 गेंदों पर सबसे अधिक 52 रन बनाए जबकि आंद्रे रसेल ने 15 रन बनाए। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरैज शम्सी ने 3 विकेट लिए। इसके बादा लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। दोनों ही बल्लेबाज शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। क्विंटन डिकॉक 12 रन जबक रीजा हैंडरिक्स

पहली ही गेंद पर पूरन का शिकार बने। इसके बाद बारिश आ गई जिसके बाद टीम को मिला लक्ष्य कर करके 123 रन कर दिया गया। कप्तान एडेन मार्कराम भी 18 बनाकर आउट हो गये। हेनरिक क्लासेन ने 22 रन बनाकर टीम को संभाला जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 29 रन बनाये। डेविड मिलर केवल 4 रन ही बना पाये। अंतित ओवर में दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत के लिए 5 रन चाहिए थे। ऐसे में मार्को यानसेन ने पहली गेंद पर ही छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने 3, आंद्रे रसेल ने 2 और अल्जारी जोसेफ ने भी इतने ही विकेट लिए। इस मैच में मिली हार के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम का टी20 विश्व कप में सफर समाप्त हो गया।

भारतीय रिकर्व तीरंदाजों ने जीते दो कांस्य पदक, भारत ने अपने नाम किए कुल इतने पदक

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय तीरंदाजों ने पेरिस ओलंपिक से पहले शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में दो कांस्य पदक और जीते। भारत के लिए धीरव बोम्मादेवरा और भजन कौर की मिक्स्ड रिकर्व टीम ने मैक्सिको को हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह इस टूर्नामेंट में अपने अभियान का समापन चार पदक के साथ किया।

भारत के लिए इससे पहले ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण पदक जबकि प्रियांश ने रजत पदक जीता था।

भारतीय मिक्स्ड जोड़ी ने वापसी कर जीता पदक

मिक्स्ड डबल्स में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी पहला सेट हारने के बाद 0-2 से पिछड़ रही थी, लेकिन उसके बाद उसने बेहतरीन वापसी करके मैक्सिको के एलेजांद्रा वालेंसिया और मटियास ग्रांडे को 5-3 (35-38, 40-39, 38-37, 38-38) से हराया। धीरज ने इसके बाद व्यक्तिगत वर्ग के क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहने के बाद देश को एक और पदक दिलाया। उन्होंने इटली के नौवें वरीय मार्को नेस्पोली को 7-3 (28-27, 29-28, 27-28, 28-28, 30-29) से हराया। यह विश्व कप में उनका दूसरा कांस्य पदक है। उन्होंने पिछले साल इसी स्थान पर प्रतियोगिता के शुरुआती चरण में अपना पहला पदक जीता था। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के तीसरे नंबर के पूर्व ओलंपिक टीम पदक विजेता दक्षिण कोरिया के किम वूजिन से हार गए थे। सेना के इस जवान को अंतिम चार मैच में 2-6 (29-29, 27-30, 29-29, 27-29) से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अंकिता भकत पदक से चूकीं

भारत के पास एक और पदक जीतने का मौका था, लकिन अंकिता भकत महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की यांग शियाओली से मामूली अंतर से हार गईं।

यांग ने फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक जीता लेकिन अंकिता कांस्य पदक के मैच में भी हार गईं। क्वालीफिकेशन में 45वें स्थान पर रहने वाली अंकिता ने सेमीफाइनल तक का सफर कर प्रभावित किया, लेकिन यांग के खिलाफ दबाव के क्षणों में लय बरकरार नहीं रख सकीं और 2-6 (26-30, 28-27, 26-27, 27-28) से हार गईं। कांस्य पदक मैच में अंकिता के सामने दुनिया की तीसरी नंबर की खिलाड़ी एलेजांद्रा वालेंसिया की चुनौती थी। वालेंसिया के खिलाफ भारतीय खिलाड़ी को 3-7 (27-29, 26-27, 29-27, 29-29, 27-29) से हार का सामना करना पड़ा।

हिंडनबर्ग हमला हमें बदनाम करने व अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया, शेयरधारकों से बोले अडाणी

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)।

अदाणी समूह के एजीएम के दौरान समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने निवेशकों को संबोधित किया। भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी के बीच अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने निवेशकों को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की ओर से समूह को बदनाम करने के लिए और अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए हमला किया गया।

अदाणी ने कहा कि शॉर्ट-सेलर की ओर से किए गए हमले के बाद लिक्विडिटी हमारे लिए सबसे बड़ी संपत्ति बन गई। धन जुटाने से से बाजार का भरोसा बहाल हुआ, अस्थिरता के खिलाफ पोर्टफोलियो की रक्षा की गई। अदाणी ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक संबंधों को तनाव देते हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती है। प्रौद्योगिकी परिवर्तन हमारे जीने और काम करने के तरीके को प्रभावित करता है। शेयरधारकों के संबोधन का समापन अदाणी ने हम करके दिखाएंगे कहकर किया।

कंपनी के वार्षिक आम बैठक के दौरान अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने कहा कि 2 साल के लिए कर्ज के पुनर्भुगतान को कवर करने के लिए हमने 40,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को बताया कि पिछले 5 साल में समूह का सालाना खर्च तीन गुना हो गया।

गौतम अदाणी ने कहा कि हिंडनबर्ग के आधारहीन दावों से हम प्रभावित हुए। इससे हमारा एफपीओ प्रभावित हुआ। अदाणी ने कहा, चुनौतियों के बावजूद हमने अपने निवेशकों का विश्वास हासिल किया। जीक्यूजी, क्यूआईए, यूएस डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प ने हम पर भरोसा जताया। हमारी परीक्षा लेने वाली विपरीत परिस्थितियों ने हमें और भी मजबूत बना दिया।

न्यूज ब्रीफ

मेटा एआई अब भारत में व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य पर उपलब्ध

नई दिल्ली। टेक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने भारत में व्हाट्सएप, फेसबुक , मैसेंजर, इंस्टाग्राम और मेटा डॉट एआई पर अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) असिस्टेंस की उपलब्धता की घोषणा की। इसे लेटेस्ट लामा 3 लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) के साथ बनाया गया है।कंपनी ने एक बयान में कहा कि देश में लाखों यूजर्स अपने काम को पूरा करने, कंटेंट क्रिएट करने और टॉपिक पर जानकारी प्राप्त करने के लिए फीड, चैट और अन्य ऐप्स में मेटा एआई का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने द्वारा उपयोग किए जा रहे ऐप को छोड़ने की जरूरत नहीं है। मेटा ने कहा, भारत में इसे अंग्रेजी में शुरू किया जा रहा है। आप व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर और इंस्टाग्राम पर मेटा एआई का इस्तेमाल करके काम कर सकते हैं, सीख सकते हैं, क्रिएट कर सकते हैं और उन चीजों से जुड़ सकते हैं जो आपके लिए बेहद जरूरी हैं। कंपनी ने पिछले साल के कनेक्ट इवेंट में पहली बार मेटा एआई की घोषणा की थी। भारत में यूजर्स व्हाट्सएप ग्रुप चैट में मेटा एआई से आपके और आपके दोस्तों के लिए शानदार व्यूज वाले और वेगन रेस्तरां रिकमेंड करने के लिए कह सकते हैं। कंपनी ने कहा, मेटा एआई से पूछें कि रोड ट्रिप पर रुकने के लिए कौन सी जगह अच्छी है यदि आप किसी टेस्ट की तैयारी कर रहे हैं तो मेटा एआई से वेब पर मल्टीपल चॉइस टेस्ट के बारे में पूछें। फेसबुक फीड पर स्क्रॉल करते समय भी मेटा एआई तक पहुंचा जा सकता है। कंपनी के अनुसार, क्या आपको कोई ऐसा पोस्ट मिला है जिसमें आपकी दिलचस्पी है आप मेटा एआई से सीधे पोस्ट से ही ज्यादा जानकारी ले सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदवाव

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में तेल कंपनियों ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। चारों महानगरों में भी ईंधन की कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है जबकि कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है पर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है पर है। वहीं अन्य शहरों की बात करें तो उत्तर प्रदेश के नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर जबकि गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर वहीं चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर पर है।

आम 2400 रुपए तो भिंडी 650 रुपए प्रति किलो! लंदन में रुला देंगे खाने की चीजों के ऊंचे दाम

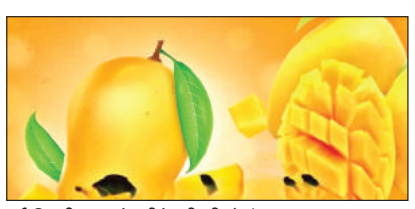

नई दिल्ली। खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। वहीं, क्या आप कल्पना कर सकते हैं भारत के बाहर खाने-पीने की चीजों के दाम कितनी ऊंची छलांग लगा सकते हैं। 20 रुपये का चिप्स का पैकेट लंदन में भारतीय जनरल स्टोर पर 95 रुपये का बेचा जाता है। इतना ही नहीं, मैगी लंदन में 300 रुपये की बेची जा रही है। लंदन में कितना महंगा बिक रहा खाने-पीने का आम सामान दरअसल, सोशल मीडिया पर भारतीय जनरल स्टोर में मिलने वाली चीजों के ऊंचे दाम वाला एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो मूल रूप से दिल्ली में रहने वाली छवि अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम पर अपलोड किया है, जो कि अब लंदन में रह रही हैं। छवि अग्रवाल ने ब्रिटिश राजधानी में एक भारतीय जनरल स्टोर के हर आइटम की कीमत को लेकर जानकारी दी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

78 फीसदी...

29 सीटों वाली तृणमूल कांग्रेस चौथी बड़ी पार्टी है। लोकसभा के सांसदों के उम्र को देखें तो सबसे ज्यादा 166 सांसद 50-60 आयु वर्ग के हैं। जबकि 60-70 आयु वर्ग में 161, 40-50 में 110, 70-80 वर्ग में 52, 30-40 आयु वर्ग में 45, 20-30 में सात तथा 80+ में एक सांसद हैं। 64 फीसदी यानी 346 सांसद राष्ट्रीय दलों से चुनाव जीतकर आए हैं। राज्य स्तर के दलों के 179 सांसद चुनकर आए हैं 11 सांसद गैर मान्यता प्राप्त दलों के हैं तथा सात निर्दलीय हैं।

इस बार लोकसभा चुनाव में 281 सांसद (52 फीसदी) ऐसे हैं, जो पहली बार चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। 17वीं लोकसभा में यह संख्या 267 थी, लेकिन 2014 में 16वीं लोकसभा के लिए रिकॉर्ड 314 सांसद पहली बार जीतकर सदन पहुंचे थे। दो सांसद आठवीं बार सदन पहुंचे। 18वीं लोकसभा में दो टर्म वाले 114, तीन टर्म वाले 74, चार टर्म वाले 35, पांच टर्म वाले 19, छह टर्म वाले 10, सात टर्म वाले सात एवं आठ टर्म वाले दो सांसद चुनकर आए हैं।

नई लोकसभा में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि इस बार कम उम्र के सांसदों की संख्या बढ़ी है। पिछली बार लोकसभा की औसत आयु 59 साल रही थी, जो इस बार थोड़ी घटकर 56 साल हो गई है। जाहिर है कि ज्यादातर दलों ने कम उम्र के उम्मीदवारों को मैदान में उतारा।

भितरघातियों के ...

53 सीटों वाली बस पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। ड्राइवर को गोली लगने के बाद बस खाई में जा गिरी। इस आतंकी हमले में 9 लोगों की मौत हो गई। जबकि 41 अन्य घायल हो गए थे। बस में यूपी के अलावा राजस्थान और दिल्ली के तीर्थयात्री सवार थे। इस मामले की जांच एनआईए को सौंपी गई है।

जनता ने लगातार...

प्रधानमंत्री ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल 25 जून है। 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस कलंक के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था, संविधान के हर हिस्से की धज्जियां उड़ा दी गई थीं, देश को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबा दिया गया था। पीएम मोदी ने कहा, अपने संविधान, भारत के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए देशवासी संकल्प लेंगे कि भारत में दोबारा कोई ऐसा करने की हिम्मत न कर सके, जो 50 साल पहले किया गया था। हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे। हम भारत के संविधान के निर्देशों के अनुसार सामान्य मानव के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि संसद का ये गठन भारत के सामान्य जन के संकल्पों की पूर्ति का है। नए उमंग, नए उत्साह के साथ नई गति, नई ऊंचाई प्राप्त करने का यह अवसर है। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर आज 18वीं लोकसभा का प्रारंभ हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने हमेशा एक परंपरा का पालन करने का प्रयास किया है। हमारा मानना है कि सरकार चलाने के लिए बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन देश चलाने के लिए सर्वसम्मति सबसे महत्व-पूर्ण है। इसलिए हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि हम मां भारती की सेवा करें और 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं को सबकी सहमति से और सबको साथ लेकर पूरा करें। हम संविधान की पवित्रता को बनाए रखते हुए, सबको साथ लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं और फैसले लेने में तेजी लाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों को विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद है, लेकिन अब तक यह निराशाजनक रहा है। उम्मीद है कि वह अपनी भूमिका निभाएगा और लोकतंत्र की मर्यादा बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि भारत को एक जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत है और लोग नारे नहीं, बल्कि सार्थकता चाहते हैं। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वे संसद में चर्चा और परिश्रम चाहते हैं, व्यवधान नहीं। 18वीं लोकसभा में युवा सांसदों की अच्छी खासी संख्या का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत से परिचित लोगों को पता है कि हमारे यहां 18 अंक का बहुत सात्विक मूल्य है। उन्होंने गीता के 18 अध्याय, पुराणों और उप-पुराणों की संख्या भी 18 होने का जिक्र किया और कहा कि इसका मूलांक नौ है और नौ पूर्णता की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि नौ पूर्णता का प्रतीक अंक है। 18 वर्ष की आयु में हमारे यहां मताधिकार मिलता है। 18वीं लोकसभा भारत के अमृतकाल की, इस लोकसभा का गठन, वह भी एक शुभ संकेत है।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो गया। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी नव निर्वाचित सांसदों को लोकसभा के प्रोटेम अध्यक्ष भर्तृहरि महताब ने शपथ दिलाई। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। राज्यसभा का सत्र गुरुवार से शुरू होगा। संसद का यह सत्र तीन जुलाई तक प्रस्तावित है।

अलग-अलग...

मुरलीधर मोहोल ने मराठी भाषा में शपथ ली। उधमपुर लोकसभा सीट से सांसद जितेंद्र सिंह ने डोगरी भाषा में शपथ ग्रहण की। सर्वानंद सोनोवाल असमी भाषा और राममोहन नायडू ने तेलुगु भाषा में शपथ ली। एचडी कुमारस्वामी ने और प्रह्लाद जोशी ने कन्नड़ भाषा में शपथ ली। जी किशन रेड्डी ने तेलुगु भाषा में शपथ ली।

असम पर...

उन्होंने कहा कि हालांकि भाजपा असमिया लोगों और आदिवासियों के लिए काम करती रही है, लेकिन इन समुदायों ने भगवा पार्टी को 100 प्रतिशत वोट नहीं दिया है। हिमंत ने कहा, अगर हम बांग्लादेशी मूल के लोगों की बहुलता वाले केंद्रों पर विचार करें तो करीमगंज को छोड़कर 99 प्रतिशत वोट कांग्रेस को गए हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग भले ही प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए घरों में रह रहे हों, मोदी द्वारा दी गई बिजली और अन्य सुविधाओं का लाभ उठा रहे हों, लेकिन जब वे वोट देने जाते हैं तो वे कांग्रेस को वोट देते हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम कांग्रेस को वोट दे रहे हैं, क्योंकि वे अगले 10 वर्षों में राज्य पर नियंत्रण करना चाहते हैं। सीएम सरमा ने आरोप लगाया कि जब आचार संहिता लागू होने के कारण भाजपा सरकार सक्रिय नहीं थी तो इस समुदाय के सदस्यों ने बारपेटा के लखीमपुर गांव में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया और कोकराझार में भूमि पर अतिक्रमण करने की कोशिश की। जब राज्य में भाजपा की सरकार नहीं होगी तो इस तरह के कितने हमले होंगे, इसकी कल्पना की जा सकती है। भाजपा नेता ने कहा, इस बार हमें 47 प्रतिशत वोट मिले हैं। हमारा लक्ष्य 2026 के राज्य चुनावों में 50 प्रतिशत वोट हासिल करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों ने इस लोकसभा चुनाव में 126 विधानसभा क्षेत्रों में से 92 पर जीत हासिल की है, जो राज्य में किसी भी सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अब तक की सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा राष्ट्र निर्माण की राजनीति करती है और सभी भागों के विकास के लिए काम करती रहेगी, भले ही उसके उम्मीदवार उन क्षेत्रों से जीते हों या नहीं।

कांग्रेस के...

आज भी 25 जून 1975 क बारे में पढ़कर पढ़कर मन में भय उत्पन्न हो जाता है।

अनिल बलूनी ने कहा कि कांग्रेस के सत्तावाद को बेनकाब करने के लिए देशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत 25 जून को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में होगी। आपको बता दें कि संविधान के अनुच्छेद 352 के अनुसार अगर देश की सुरक्षा के लिए कोई गंभीर खतरा होता है तो राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा की जा सकता है। प्रधानमंत्री ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल 25 जून है। 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस कलंक के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था, संविधान के हर हिस्से की धज्जियां उड़ा दी गई थीं, देश को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबा दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की ओर से पेश हुए अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने आबकारी घोटाले से जुड़े ईडी के मामले में जमानत आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक हटाने का अनुरोध किया। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता एसवी राजू ने केजरीवाल की याचिका का विरोध किया और कहा कि हाईकोर्ट उनकी रोक याचिका पर फैसला सुनाने वाला है।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अभिषेक मनु सिंघवी से कहा कि अगर वह हाईकोर्ट के स्थगन आदेश के खिलाफ सीएम केजरीवाल की याचिका पर कोई आदेश पारित करता है, तो यह मामले को लेकर पूर्वाग्रह होगा। आम आदमी पार्टी (आपा) के राष्ट्रीय संयोजक को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट की जज न्याय बिंदू ने उन्हें ईडी की बिना सुने केजरीवाल को जमानत दे दी थी। केजरीवाल पिछले शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आ सकते थे, लेकिन हाईकोर्ट ने संघीय जांच एजेंसी (ईडी) की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी जमानत पर स्टे दे दिया था। इस मुद्दे पर हाईकोर्ट का फैसला मंगलवार को आएगा। ईडी ने सोमवार को जमानत के विरोध में अपना जवाब दाखिल कर दिया है।

आम आदमी पार्टी (आपा) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। हाईकोर्ट की एक अवकाशकालीन पीठ ने कहा था कि अगले आदेश तक जिस फैसले को चुनौती दी गई है, उसे अमल में नहीं लाया जा सकेगा। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को 24 जून तक लिखित दलील दाखिल करने को कहा था।

सीबीआई टीम...

इस संबंध में बिहार पुलिस की टीम ने झारखंड के देवघर में छापेमारी कर मास्टरमाइंट संजीव मुखिया के रिश्तेदार चिंटू कुमार समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन गिरफ्तार आरोपियों में चिंटू, बिट्टू, पंकू, काजू, राजीव और अजीत कुमार शामिल हैं। पंकू को छोड़कर सभी नालंदा के रहने वाले हैं। नीट पेपर लीक केस में अब तक गिरफ्तार किए गए प्रमुख आरोपियों में सिकंदर यादवेंदु, बिट्टू, नीतीश, अमित आनंद, आयुष (परीक्षार्थी), अनुराग (परीक्षार्थी), चिंटू, पंकू, काजू, राजीव और अजीत कुमार शामिल हैं।

बिहार सरकार ने नीट-यूजी परीक्षा पेपर लीक मामले में जांच के दौरान केंद्र सरकार को जानकारी दी है कि उनकी जांच में स्पष्ट तौर पर पेपर लीक के संकेत मिल रहे हैं। राज्य सरकार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने पेपर लीक से जुड़े कथित जले हुए पेपर के 68 सवालों का मिलान असली पेपर से किया है। यह पेपर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने पांच दिन पहले ईओयू के साथ साझा किया था।

इसके अलावा ईओयू की रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बिहार पुलिस ने जिस घर में गिरफ्तार अभ्यर्थी रह रहे थे, वहां से जले हुए पेपर के टुकड़ों को बरामद किया है और यह पेपर झारखंड के परीक्षा केंद्र का है जिसका मिलान यूनिक परीक्षा केंद्र कोड से किया गया है। जिस स्कूल में यह पेपर पहुंचना था वह सीबीएसई से मान्यता प्राप्त एक निजी स्कूल है। ईओयू ने जले हुए पेपर के टुकड़ों का मिलान मूल पेपर और उसके प्रश्नों से करने के लिए फॉरेंसिक लैब की मदद ली है।

आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की रिपोर्ट के आधार पर ही शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया। ईओयू ने इस मामले में रविवार को पांच और संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिससे पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 18 हो गई है। बिहार सरकार के दावों से यह साबित होता दिख रहा है कि पेपर लीक हुआ है। इसका एक कारण तो 68 सवाल एक जैसा होना माना जा रहा है और दूसरा जले हुए पेपर और मूल पेपर पर प्रश्नों के क्रमांक भी एक जैसे हैं।फिलहाल आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) पेपर लीक के समय और स्थान की पहचान करने की कोशिश कर रहा है। एनटीए ने हाल ही में प्रश्नपत्र की कस्टडी की चेन साझा की है, जिसकी मदद से ईओयू लीक की पहचान करने के लिए एनटीए की कस्टडी से झारखंड स्कूल तक पेपर कैसे और कहां होकर पहुंचा यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है। दो दिन पहले हुई जांच में हजारीबाग के ओएसिस स्कूल से बरामदगी ने एक अहम सुराग दिया। जब टीम ने स्कूल का दौरा किया और सभी लिफ़ाफ़े और बक्से उठाए जिनमें प्रश्नपत्र आए थे, तो पाया कि एक लिफाफा दूसरे सिरे से कटा हुआ था। जिस ढंग से इसे खोला गया था यह नियमों के खिलाफ था।

ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक से जब सम्पर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि पेपर स्कूल पहुंचने से काफी पहले लीक हो गया होगा। ओएसिस स्कूल सहित हजारीबाग के चार केंद्रों में परीक्षा आयोजित करने के लिए जिला समन्वयक एहसानुल हक ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से साफ पता चला है कि स्कूल के केंद्र अधीक्षक और एनटीए द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक ने 5 मई की सुबह (परीक्षा के दिन) पैकेट हासिल किया था। हक ने कहा, निरीक्षकों सहित छात्रों के सामने पेपर वाला पैकेट खोला गया था। उन्होंने कहा कि अगर स्कूल की ओर से कोई गलत काम हुआ होता, तो स्कूल के अधिकारियों को हिरासत में लिया जाता।

जब आंखों का पानी...

दिल्ली सरकार का 2023-24 का आर्थिक सर्वे बताता है कि वर्ष 2006 में दिल्ली में इस पानी साफ करने की क्षमता कुल 650 मिलियन गैलन/दिन थी। यह शीला दीक्षित सरकार के दौरान यह प्रति वर्ष बढ़ रही थी।

वर्ष 2015 तक आते आते यह क्षमता 906 मिलियन गैलन/दिन हो चुकी थी। यानी 2006 से 2013 के बीच दिल्ली में पानी साफ करने की क्षमता में 39% बढ़ोतरी हुई थी। इसके बाद केजरीवाल सत्ता में आ गए और मुफ्त पानी का वादा भी किया। 2015 के बाद से 2024 तक लगातार केजरीवाल लगातार सत्ता में हैं। उनके शासनकाल के दौरान दिल्ली की पानी साफ करने की क्षमता में मात्र 40 मिलियन गैलन/दिन की वृद्धि हुई और यह क्षमता 946 मिलियन गैलन/दिन पहुंच पाई। यानी जहां 2006-15 के बीच वृद्धि 39% हुई थी तो वहीं 2015-2024 में यह मात्र 4% रह गई। ऊपर दिए गए ग्राफ से यह तुलना आसानी से समझी जा सकती है।

केजरीवाल सरकार की इस शिथिलता का खामियाजा दिल्लीवासियों को भुगतना पड़ रहा है। केजरीवाल सरकार की इस नाकामी के बीच दिल्ली में पानी की मांग प्रति वर्ष बढ़ती जा रही है। दिल्ली में वर्ष 2006 में पानी की मांग 963 मिलियन गैलन/दिन थी, यह 2015 तक बढ़ कर 1020 मिलियन गैलन/दिन हो गई। 2023-24 के लिए दिल्ली की पानी मांग और बढ़ कर 1290 मिलियन गैलन/दिन हो चुकी है। ऐसे में साफ होता है कि जहां 2015 में दिल्ली पानी की रोजाना मांग का 94% पानी साफ करने की क्षमता उसके पास थी तो वहीं 2024 तक आते-आते यह 73% हो चुकी है। यानी दिल्ली वर्तमान में जितना पानी चाहती है, उतना पानी साफ करने की उसके पास क्षमता नहीं है। वर्तमान में दिल्ली की एक चौथाई पानी की मांग पूरे करने के साधन उसके पास नहीं हैं। दिल्ली की केजरीवाल सरकार इसका इलाज करने के बजाय अपने मंत्रियों को धरने पर बिठाने और दूसरे राज्यों पर दोष डालने में लगी हुई है।केजरीवाल सरकार ने पानी साफ करने की क्षमता बढ़ाने पर तो नहीं ही काम किया, उन्होंने दिल्ली से निकलने वाले सीवरेज को साफ करने पर भी कोई ध्यान नहीं दिया। दिल्ली के सभी सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की कुल क्षमता कमोबेश उतनी ही है, जितनी वह 2015 में हुआ करती थी। 2006 में दिल्ली के सभी सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की कुल क्षमता 512 मिलियन गैलन/दिन हुआ करती थी। यह 2015 आते-आते 613 मिलियन गैलन/दिन हो चुकी थी। यानी इसमें 6 वर्ष के भीतर लगभग 100 मिलियन गैलन/ दिन की वृद्धि हुई थी।

दिल्ली सरकार का 2023-24 का आर्थिक सर्वे बताता है कि मार्च 2023 में 632 मिलियन गैलन/दिन की क्षमता के सीवर ट्रीटमेंट प्लांट हैं। यानी 2015 से 2023 के बीच केजरीवाल सरकार ने मात्र 19 मिलियन गैलन/दिन सीवर ट्रीटमेंट क्षमता बढ़ाने का काम किया है जबकि उनकी पूर्ववर्ती सरकार ने 100 मिलियन गैलन/दिन क्षमता बढ़ाई थी। दिल्ली सीवर से आने वाले पानी की सफाई को लेकर निवेश न करना दिल्ली को दो तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। पहला तो यह है कि गंदा पानी साफ होकर वापस दिल्ली वासियों को नहीं मिल पा रहा, जिससे पानी की कमी में और बढ़त हो रही है। वहीं इस गंदे पानी के साफ पानी के स्रोत में मिलने से और भी समस्या हो रही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि यदि लम्बे समय ऐसा नहीं किया जाता तो साफ साफ पानी के स्रोतों की क्षमता भी कम हो जाती है।

दिल्ली की केजरीवाल सरकार जहां एक ओर लम्बे चौड़े वादे करती हैं तो वहीं जमीन पर काम करने के दौरान उसके सारे वादे हिरन हो जाते हैं। दिल्ली सरकार के आर्थिक सर्वे ने ही बताया है कि जितना पैसे की योजनाएं दिल्ली में प्रति वर्ष बनाई जा रही हैं, उतना खर्च नहीं हो रहा। पिछले तीन वर्षों में इसमें भारी गिरावट आई है। आर्थिक सर्वे के अनुसार, 2020-21 के दौरान दिल्ली पानी की कमी को पूरा करने के लिए 4004 करोड़ खर्च करने की योजना बनाई गई थी। इसके मुकाबले 3584 करोड़ की ही धनराशि जारी की गई।वर्ष 2021-22 के दौरान 2951 करोड़ खर्च की मंजूरी दी गई थी लेकिन इस वर्ष मात्र 1892 करोड़ ही जारी किए गए। 2022-23 में तो जितना बजट मंजूर हुआ उसकी आधी धनराशि ही जारी की गई। 2022-23 में दिल्ली में पानी से सम्बन्धित सुविधाओं पर 6344 करोड़ के खर्चे की मंजूरी दी गई थी। इसकी तुलना में मात्र 3171 करोड़ ही जारी किए गए। पानी साफ करने की नई क्षमताओं का विकास न करना, सीवर व्यवस्था को न बढ़ाना और पानी की आपूर्ति पर खर्च न करना दिल्ली में वर्तमान जल संकट का बड़ा कारण है। दिल्ली की आपा सरकार इस नाकामी का ठीकरा हरियाणा और हिमाचल प्रदेश पर फोड़ कर बचना चाह रही है। उसके मंत्री केंद्र सरकार को पत्र लिख रहे हैं, आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं लेकिन जमीन पर काम नहीं कर रहे। मात्र जुबानी जमा खर्च करके ही काम चलाया जा रहा है।

6 जुलाई से प्रारंभ होंगे आषाढ़ गुप्त नवरात्रि

हिंदू पंचांग के अनुसार पहली गुप्त नवरात्रि आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवमी तिथि तक मनाई जाती है। इस वर्ष आषाढ़ गुप्त नवरात्रि शनिवार 6 जुलाई 2024 से प्रारंभ हो रही है। इस गुप्त नवरात्री के अवसर पर 10 महाविद्याओं की पूजा की जाती है। यह समय महाकाली एवं भगवान शिव यानी कि शाक्त और शैव की पूजा करने वालों के लिए विशेष माना जाता है। तंत्र साधक इस दौरान विशेष साधनाएं करते हैं। इस बार आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि में कई विशेष योग बन रहे हैं। जिससे इस नवरात्रि का महत्व और भी बढ़ गया है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष आषाढ़ गुप्त नवरात्रि शनिवार 6 जुलाई 2024 से प्रारंभ हो रही है। इस बार आषाढ़ गुप्त नवरात्रि 6 जुलाई से शुरू होगी, जो 15 जुलाई तक रहेगी। यानी इस बार ये गुप्त नवरात्रि 9 नहीं बल्कि 10 दिनों की होगा, ऐसा चतुर्थी तिथि की वृद्धि होने के कारण होगा। आषाढ़ शुक्ल पक्ष नवरात्रि को गुप्त नवरात्रा कहा जाता है। इन नवरात्रों में 10 महाविद्याओं की पूजा करने का विशेष विधान शास्त्रों में बताया गया है। इस दौरान तंत्र विद्या का विशेष महत्व है। गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की पूजा-अर्चना की जाती है। इसी कारण गुप्त नवरात्रि का पर्व हर कोई नहीं मनाता है। इस समय की गई साधना जन्मकुंडली के समस्त दोषों को दूर करने वाली तथा चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और कोक्ष को देने वाली होती है। इसका सबसे महत्वपूर्ण समय मध्य रात्रि से सूर्योदय तक अधिक प्रभावशाली बताया गया है। आषाढ़ माह में पड़ने वाली नवरात्रि को भी गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। इस दौरान प्रतिपदा से लेकर नवमी तक मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। गुप्त नवरात्रि में साधक महाविद्याओं के लिए खास साधना करते हैं।

नवरात्रि का पावन त्योहार आदिशक्ति मां दुर्गा को समर्पित माना गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, साल भर में कुल चार नवरात्रि आते हैं। जिसमें से दो चैत्र व शारदीय और दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। आषाढ़ मास में पड़ने वाले नवरात्रि को आषाढ़ गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। गुप्त नवरात्रि में 10 महाविद्याओं मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धुम्रावती, मां बंगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की पूजा की जाती है।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि तिथि

इस बार आषाढ़ गुप्त नवरात्रि 6 जुलाई से शुरू होगी, जो 15 जुलाई तक रहेगी। यानी इस बार ये गुप्त नवरात्रि 9 नहीं बल्कि 10 दिनों की होगा, ऐसा चतुर्थी तिथि की वृद्धि होने के कारण होगा।

10 महाविद्याओं की साधना

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के साथ दस महाविद्या की भी पूजा की जाती है।

मां काली मां तारा मां त्रिपुर सुंदरी मां भुवनेश्वरी मां छिन्नमस्ता मां त्रिपुर भैरवी मां धूमावती मां बगलामुखी मां मातंगी मां कमला

गुप्त नवरात्रि की तिथियां

प्रतिपदा तिथि- घटस्थापना और मां शैलपुत्री की पूजा

द्वितीया तिथि - मां ब्रह्मचारिणी पूजा

तृतीया तिथि - मां चंद्रघंटा की पूजा

चतुर्थी तिथि - मां कूष्मांडा की पूजा

पंचमी तिथि - मां स्कंदमाता की पूजा

षष्ठी तिथि - मां कात्यायनी की पूजा

सप्तमी तिथि - मां कालरात्रि की पूजा

अष्टमी तिथि - मां महागौरी की पूजा

नवमी तिथि - मां सिद्धिदात्री की पूजा

दशमी- नवरात्रि का पारण

गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा को लगाएं भोग

प्रतिपदा- रोगमुक्त रहने के लिए प्रतिपदा तिथि के दिन मां शैलपुत्री को गाय के घी से बनी स फे द चीजों का भोग लगाएं।

द्वितीया- लंबी उम्र के लिए द्वितीया तिथि को मां ब्रह्मचारिणी को मिश्री, चीनी और पंचामृत का भोग लगाएं।

तृतीया- दुख से मुक्ति के लिए तृतीया तिथि पर मां चंद्रघंटा को दूध और उससे बनी चीजों का भोग लगाएं।

चतुर्थी- तेज बुद्धि और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने के लिए चतुर्थी तिथि पर मां कुष्मांडा को मालपुए का भोग लगाएं।

पंचमी- स्वस्थ शरीर के लिए मां स्कंदमाता को केले का भोग लगाएं।

षष्ठी- आकर्षक व्यक्तित्व और सुंदरता पाने के लिए षष्ठी तिथि के दिन मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाएं।

सप्तमी- संकटों से बचने के लिए सप्तमी के दिन मां कालरात्रि की पूजा में गुड़ का नैवेद्य अर्पित करें।

अष्टमी- संतान संबंधी समस्या से छुटकारा पाने के लिए अष्टमी तिथि पर मां महागौरी को नारियल का भोग लगाएं।

नवमी- सुख-समृद्धि के लिए नवमी पर मां सिद्धिदात्री को हलवा, चना-पूरी, खीर आदि का भोग लगाएं।

गुप्त नवरात्रि में करते हैं विशेष साधना

आषाढ़ की गुप्त नवरात्रि का तंत्र-मंत्र और सिद्धि-साधना के लिए विशेष महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि तंत्र मंत्र की सिद्धि के लिए इस समय की गई साधना शीघ्र फलदायी होती है। इस नवरात्रि में मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, माँ धूमावती, माँ बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की पूजा की जाती है।

इस मंदिर का एक लोटा जल सभी समस्याओं का है हल

यहां एक छत के नीचे करें द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन

सावन का महीना नजदीक आने को है। सावन के पावन महीना भगवान शंकर के गुणगान का महीना होता है। इस दौरान शिवालयों के साथ सभी मंदिरों में शिव भक्त पहुंचते है। भगवान शिव की आराधना करते है। झारखंड में एक ऐसा मंदिर है। यहां श्रद्धालुओं को एक हीं स्थान पर द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन हो जाते है। लोगों की मान्यता है कि यहां चढ़ाया हुआ एक लोटा जल सभी समस्याओं का है हल।

पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के रेड़मा चौक समी काली माता मंदिर स्थित है। जो भगवती भवन के नाम से प्रसिद्ध है। इस मंदिर में 1960 से द्वादश ज्योतिर्लिंग विराजमान है।मंदिर के पुजारी श्याम बाबा ने बताया कि मंदिर समिति का मानना था। सबों के लिए द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए सभी तीर्थ स्थलों पर जाना संभव नहीं है। इसलिए क्यों न मंदिर में द्वादश ज्योतिर्लिंग को प्रतिमूर्ति के रूप में स्थापना करा दिया जाए। जिसके बाद अभी ज्योतिर्लिंग से जल और मिट्टी लाकर द्वादश ज्योर्तिलिंग की प्रतिमूर्ति का स्थापना कराया गया।

जल चढ़ाने से मुराद होती है पूरी

इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन के साथ उनपर एक लोटा जल चढ़ाने मात्र से सभी समस्याओं का हल हो जाता है। यहां सावन के मौके पर रोजाना 2000 लोगों की भीड़ उमड़ती है। सावन के एकम से लेकर पूर्णिमा तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

दक्षिणेवार काली मां भी है विराजमान

इस मंदिर परिसर में मुख्य दरबार दक्षिणेश्वर मां काली का है। इसके साथ द्वादश ज्योतिर्लिंग, गणेश जी, हनुमान जी, राधा कृष्ण दरबार, ब्रह्म स्थान, शीतला माता, स्वामी विवेकानंद जी, मां शारदा का दरबार है। यह मंदिर सुबह 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 8:30 बजे तक खुला रहता है।

क्या लड्डू गोपाल को लेकर घूमते हैं बहुत ज्यादा करते हैं श्रृंगार?

जान लें नियम, कहीं पूजा न हो जाए बेकार

घर के लड्डू गोपाल हिंदू धर्म को मानने वाले ज्यादातर लोगों के घरों में भगवान कृष्ण का ये बाल स्वरूप पूजा जाता है। कई लोग अपने बच्चे की तरह लड्डू गोपाल का ध्यान रखते हैं। तरह-तरह के भोग प्रसाद, तमाम सुविधाएं अर्पण करते हैं। लड्डू गोपाल के श्रृंगार से लेकर रहन-सहन का पूरा ध्यान रखते हैं। लेकिन, कई बार जाने-अंजाने हम कुछ गलतियां कर देते हैं, जो शास्त्रों के नियम विरुद्ध होती हैं।

वर्तमान में दौर चला है कि कई लोग लड्डू गोपाल को अपने घरों में तो रखते हैं, लेकिन जहां-तहां जाते समय भी लड्डू गोपाल को साथ ले जाते हैं। इसका प्रभाव व्यक्ति के ऊपर नकारात्मक पड़ सकता है। साथ ही ऐसे लोग भी हैं जो लोग लड्डू गोपाल की पूजा के नियमों की अनदेखी करते हैं। ऐसा करना भक्तों के विपरीत हो सकता है।

जिस घर मे लड्डू गोपाल की पूजा नियम और विधान के साथ हो, वहां के लोगों का भाग्योदय होने में देर नहीं लगती। शारीरिक, आर्थिक, मानसिक सभी प्रकार के दुख समाप्त हो जाते हैं। लेकिन, अगर लड्डू गोपाल की पूजा नियम के साथ नहीं की जाए तो जीवन तबाह भी हो सकता है। कई लोग डोलची में लेकर लड्डू गोपाल को घूमते दिख जाते हैं, लेकिन इसके नियम जानने आवश्यक हैं।

लड्डू गोपाल की पूजा के इन नियमों को जानें

जूठी थाली में न रखें

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि लड्डू गोपाल की हर दिन पूजा करनी चाहिए। साथ ही उन्हें हर दिन भोग भी लगाना चाहिए। वह भोग आधे घंटे के अंदर लड्डू गोपाल के सामने से हटा लें। क्योंकि वह झूठी थाली बन जाती है और लड्डू गोपाल के सामने ज्यादा समय झूठी थाली नहीं रखनी चाहिए।

ज्यादा सजावट न करें

जहां पर लड्डू गोपाल विराजते हैं, वहां पर ज्यादा सजावटी सामान नहीं रखनी चाहिए। क्योंकि उसमें धूल जम जाती है। इससे आपके ऊपर अशुभ प्रभाव पड़ सकता है।

तामसिक भोजन का भोग न लगाएं

घर में बने खाने का ही लड्डू गोपाल को भोग लगाना चाहिए। लेकिन, ध्यान रहे उस खाने में लहसुन-प्याज भूल कर भी न पड़े। क्योंकि लहसुन-प्याज तामसिक चीजों में आता है और अगर लड्डू गोपाल को तामसिक भोजन का भोग लगाते हैं तो नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

साफ सफाई का रखें ध्यान

लड्डू गोपाल को गंदे कपड़े बिल्कुल भी नहीं पहनाना चाहिए। इ स के साथ ही जहां पर लड्डू गोपाल रखे हों, वहां प र किसी दूसरे देवी-देवताओं की टूटी-फूटी तस्वीर या मूर्ति बिल्कुल भी न रखें। ऐसा करने से पाप का प्रभाव बढ़ता है।

कहीं भी लेकर न जाएं

अगर आप कहीं यात्रा पर जा रहे हैं और लड्डू गोपाल को अपने साथ ले जाना चाहते हैं तो साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। बहुत जरूरी हो तभी उनको यात्रा पर ले जाएं, बेवजह हर जगह ले जाने की भूल न करें। यात्रा के दौरान ध्यान रहे कि वह अपवित्र स्थान या अपवित्र हाथों द्वारा न छुएं जाएं।

आर्थिक तंगी हो या फिर सता रहा है ग्रह दोष

हनुमानजी को अर्पित करें ये मीठा पदार्थ

सनातन धर्म में भगवान श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी का बड़ा महत्व है। हनुमान जी को कलयुग का देवता कहा गया है और उन्हें चिरंजीवी, मारुति, विद्यागुरु, पवन पुत्र आदि नामों से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि, भगवान राम को प्रसन्न करना है तो हनुमान जी को मनाना चाहिए, क्योंकि हनुमान जी जल्दी प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की बात रामजी तक पहुंचाते हैं और साथ ही साथ अपने भक्तों की मनोकामना को पूर्ण करते हैं। आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से शहद से जुड़े कुछ उपायों के बारे में।

मंगलवार का दिन हनुमान जी के लिए विशेष है और इस दिन मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहता है। इस दिन भक्त हनुमान जी को कई सारी चीजों का भोग लगाते हैं। कोई गुढ़-चना का भोग लगाता है तो कोई लड्डू और मिष्ठान का। इसके अलावा भी कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हनुमान जी को अर्पित करने पर आपके जीवन में चल रही कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। इन्हीं में से एक है शहद, आइए जानते हैं शहद अर्पित करने से होने वाले फायदों के बारे में।

ग्रह दोष से छुटकारा मिलता है

शहद का उपयोग कई सारे धार्मिक अनुष्ठानों में होता है और इसे देवताओं का अमृत माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आप ग्रह दोष से ग्रसित हैं और इससे मुक्ति पाना चाहते हैं तो किसी भी दिन सुबह पीपल के पेड़ में शहद चढ़ाएं। इससे ग्रह दोष से छुटकारा मिल सकता है।

कार्यक्षेत्र में तरक्की मिलेगी

यदि आपको अपने कार्यक्षेत्र में असफलता का मुंह देखना पड़ता है, लाख कोशिशों के बावजूद सफलता नहीं मिलती। ऐसे में आप मंगलवार के दिन हनुमान जी को शहद चढ़ाएं। इसके बाद आप हनुमान जी का पाठ करें। यह उपाय आपको तरक्की दिलाने में मददगार साबित होगा।

आरोग्य की प्राप्ति होगी

यदि आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता और आए दिन आप बीमार रहते हैं तो आपको सूर्य देव को शहद अर्पित करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि, इससे व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होता है। इसके अलावा व्यक्ति के मान सम्मान में वृद्धि होती और परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है त्रिशा ऑन द रॉक्स

कहानी में है दम, किरदारों से हो जाएगा प्यार

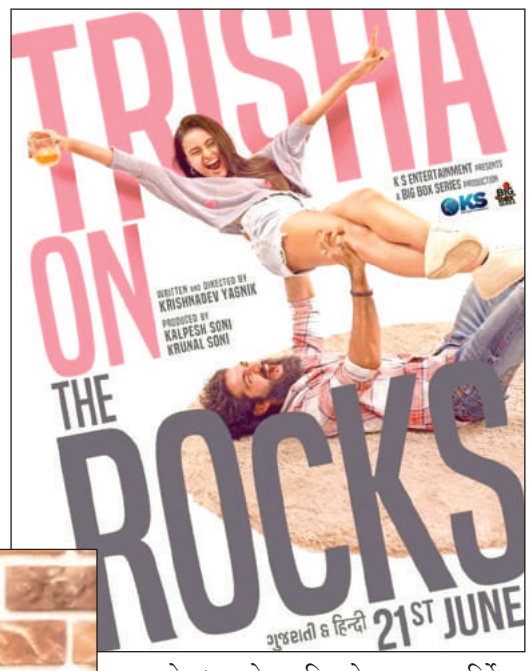

कृष्णदेव याग्निक की त्रिशा ऑन द रॉक्स एक मनोरंजक रोमांटिक कॉमेडी है। इसे गुजराती और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज किया गया है। फिल्म में खूबसूरत किरदार और आकर्षक कहानी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है।फिल्म की कहानी त्रिशा (जानकी बोड़ीवाला) और विशाल (रवि गोहिल) के इर्द-गिर्द घूमती है। त्रिशा जहां जिंदादिल इंसान है और अपनी लाइफ को फुल एन्जॉय करती है, वहीं विशाल शांत व्यवहार का है। दोनों के रिश्ते को बखूबी ढंग से दिखाया गया है, उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को आकर्षित करेगी।जानकी बोड़ीवाला ने त्रिशा के किरदार बेहतरीन तरीके से निभाया है। उन्होंने अपने किरदार में जो एनर्जी दिखायी है, वाकई सराहनीय

है। उनकी दमदार एक्टिंग को बराबर की टक्कर देते हुए एक्टर रवि गोहिल ने भी विशाल की भूमिका में जान भरने का काम किया है।दोनों के बेहतरीन परफॉर्मेंस के चलते स्क्रीन पर रोमांटिक जोड़ी दिखाई दी। सपोर्टिंग रोल में हितेन कुमार ने भी अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया और कहानी में हास्य जोड़ा।कृष्णदेव याग्निक ने कमाल का निर्देशन किया है।

फिल्म में दिल को छू लेने वाले पलों को बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है। फिल्म की कहानी को इस तरह से आगे बढ़ाया है कि दर्शक फिल्म को देखते समय बोर नहीं होंगे। प्रतीक परमार की सिनेमैटोग्राफी ने फिल्म को दिलचस्प बनाने में अहम भूमिका निभाई है।वहीं बात करें, त्रिशा ऑन द रॉक्स के म्यूजिक की तो यह आपके दिल को छू लेगा।

आप म्यूजिक सुनकर कहानी से खुद को आसानी से कनेक्ट कर पाएंगे। साउंडट्रैक इमोशन्स को महसूस करने में मदद करेगा, जिससे फिल्म देखने का एक्सपीरियंस और भी ज्यादा मजेदार होगा।कुल मिलाकर, त्रिशा ऑन द रॉक्स के बारे में यह कहना कि यह दिल को छू लेने वाली और एंटरटेनिंग रोमांटिक कॉमेडी है, गलत नहीं होगा। यह कलाकारों के शानदार परफॉर्मेंस और अच्छी तरह से तैयार की गई कहानी के चलते काफी अलग है। यह कॉमेडी, रोमांस और दिल को छू लेने वाले पलों का एक बेहतरीन मिश्रण है, जो दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ेगी।अगर आप किसी ऐसी फिल्म की तलाश में हैं, जो आपको अच्छा एक्सपीरियंस दे और उसकी कहानी आपके सीधे दिल को छू जाए, तो त्रिशा ऑन द रॉक्स परफेक्ट ऑप्शन है।यह गुजरात की नई युवा संस्कृति पर एक मॉडर्न कहानी है।

थलपति विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का नया गाना चिन्ना चिन्ना कंगल जारी

साउथ सुपरस्टार विजय इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म गोट: ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर चर्चा में बने हुआ हैं। फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच अभी से छाया हुआ है। फिल्म के बारे में दर्शकों को आए दिन नई जानकारियां मिल रही हैं, जो उनका उत्साह बढ़ा रही है। बीते दिन फिल्म के दूसरे गाने का प्रोमो जारी किया गया था, जिसके बाद से गाने के रिलीज होने का इंतजार प्रशंसकों द्वारा किया जा रहा था। आखिरकार अब फिल्म का दूसरा गाना रिलीज हो चुका है।विजय की ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम उर्फ गोट का दूसरा गाना चिन्ना चिन्ना कंगल रिलीज किया गया। अभिनेता के 50वें जन्मदिन के अवसर पर प्रशंसकों को खास तोफहा मिला है। इस विशेष ट्रैक में दिवंगत पार्श्व गायिका भवतारिणी की एआई-जनरेटेड आवाज है, जो उनके लिए अभिनेता के जन्मदिन पर श्रद्धांजलि भी है। गोट के निर्माताओं ने चिन्ना चिन्ना कंगाल का गीतात्मक वीडियो जारी किया। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को खुद अभिनेता विजय ने गाया है।भवतारिणी के भाई और गायक-संगीतकार युवान राजा ने एक्स पर एक भावनात्मक नोट साझा करते हुए गीत के निर्माण को याद किया। उन्होंने लिखा, ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का दूसरा सिंगल मेरे लिए बहुत खास है। इस भावना को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जब हम बैंगलोर में इस गाने की रचना कर रहे थे, विजय और मुझे लगा कि यह गाना मेरी बहन के लिए है और उस समय मैंने सोचा कि एक बार जब वह ठीक हो जाएगी और अस्पताल से बाहर आ जाएगी तो हम उसकी आवाज रिकॉर्ड कर सकते हैं, लेकिन एक घंटे बाद मुझे खबर मिली कि वह अब नहीं रहीं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उनकी आवाज का इस तरह इस्तेमाल करूंगा। मैं अपनी संगीत टीम और इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों का ईमानदारी से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। यह मेरे लिए बहुत ही कड़वा पल है।गोट विजय की 68वीं फिल्म है। यह फिल्म एजीएस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन-आधारित विज्ञान-फाई फिल्म होगी। फिल्म के ट्रेलर पर फिलहाल कोई भी अपडेट देने से निर्माता बच रहे हैं। उनका कहना है कि टीजर या ट्रेलर के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है।वहीं कलाकारों की बात करें तो इस फिल्म में विजय के अलावा माइक मोहन, प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मीनाक्षी चौधरी और योगी बाबू जैसे कलाकारों की टोली भी शामिल है।

अक्षरा सिंह ने बदल लिया अपना हेयरस्टाइल

फैंस बोले, भोजपुरी की जैकलीन फर्नांडीस

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर अपना एक अच्छा-खासा फैन बेस तैयार कर लिया है। फेसबुक हो या फिर इंस्टाग्राम अक्षरा सिंह आए दिन यहां पर अपने नए-नए फोटोशूट से लोगों को रुबरु करवाती रहती हैं। सोमवार को अक्षरा सिंह ने बैक टू बैक अपने नए लुक को फैंस के साथ शेयर किया है। नए लुक में अक्षरा सिंह को देखने के बाद फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस की नई तस्वीरों पर लोग लगातार कमेंट्स की बरसात कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग उनके नए फोटोशूट को देखने के बाद उन्हें जैकलीन फर्नांडिस भी कह रहे हैं।

भोजपुरी की जैकलीन फर्नांडीस

सोशल मीडिया पर अक्षरा सिंह की फोटोज पर कमेंट करते हुए लोग उन्हें भोजपुरी की जैकलीन फर्नांडीस कह रहे हैं। दरअसल हेयरस्टाइल के साथ-साथ अक्षरा सिंह ने अपने मेकअप में भी थोड़े बदलाव किए हैं। सामने आई नई तस्वीरों में जैकलीन सफेद रंग की टीशर्ट में नजर आ रही हैं। एक शख्स ने अक्षरा सिंह की तस्वीरों पर कमेंट करते हुए लिखा है, 'नए लुक में आपका जवाब नहीं है।' वहीं एक दूसरे शख्स ने लिखा है, 'अगर आपको भोजपुरी की जैकलीन फर्नांडीस भी कहा जाए तो गलत नहीं होगा।' वहीं एक और शख्स ने लिखा है, 'आपका ये लुक वाकई में किसी भी बॉलीवुड हीरोइन को टक्कर देने के लिए काफी है।'

अपनी पर्सनल लाइफ पर अक्षरा का रिएक्शन

बीते दिनों अक्षरा सिंह का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वह अपनी लवलाइफ का जिक्र करती दिखी थीं। इस वीडियो में अक्षरा सिंह ने साफ तौर पवन सिंह को लेकर चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस ने इस पॉडकास्ट वीडियो में कहा है कि उन्होंने पवन सिंह के बाद अपनी जिंदगी में किसी को भी डेट नहीं किया। जैकलीन फर्नांडीस पर तुलना होने पर अभी तक अक्षरा सिंह का कोई रिएक्शन तो नहीं आया है। फिलहाल तो आपको अक्षरा सिंह का नया फोटोशूट कैसा लगा? कमेंटबॉक्स में जरूर बताइएगा। साथ ही ऐसी ही भोजपुरी इंडस्ट्री से जुड़ी न्यूज के लिए पढ़ते रहिए बॉलीवुडलाइफ।

चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान देते हुए मोनालिसा ने कराया ग्लैमरस फोटोशूट

दिखी एक्ट्रेस की खूबसूरत अदाएं

भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से एक मोनालिसा आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर हमेशा सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो हमेशा अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी हॉटनेस का जलवा फैंस के बीच बिखेर कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।इन तस्वीरों में उनका ट्रेडिशनल लुक देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं। उनका ये स्टनिंग अवतार लोगों को दीवाना कर रहा है।इन तसवीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने रेड कलर की रेड कलर की बनारसी साड़ी पहनी हुई है।माथे पर बिंदी, कानों में इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी अच्छी खासी है। एक्ट्रेस की इन फोटोज में शोख अदाओं को देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के दीवाने हो गए हैं। मोनालिसा के वर्कफ्रंट की बात करें दतो उन्हें आखिरी बार टीवी सीरियल बेकाबू में देखा गया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव रहेगा पारिवारीक झगड़े बढ़ सकते हैं कहासुनी होगी और सहयोगियों के साथ विवाद संभव है. आपको विनम्रता एवं धैर्य के साथ मसलों को निपटाना होगा संपत्ति सम्बंधित मामलों में सावधानी से निपटने की आवश्यकता है और इस संबंध में आपको एक ठोस कदम उठाना चाहिए. स्त्री वर्ग की सेहत कुछ चिंता का कारण बन सकती है. यह समय किसी नए कारोबार मे निवेश के लिए श्रेष्ठ नही हैं, सेहत बढीया रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को संतुलित भोजन लेने की आवश्यकता हैं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपके काम समय से पूरे होंगे. साथ ही आपको अपनी मेहनत का फल भी अवश्य मिलेगा. आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा. कुछ लोगों को आप का व्यक्तित्व प्रभावित करेगा ऑफिस में सहकर्मी आपकी मदद के लिये तैयार खड़े रहेंगे. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा . हराचारा गौशाला मे दान करें ।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आय के स्रोत बढ़ेंगे धन लाभ हो सकता है. ऐसे काम करना होगा जो लंबे समय तक फायदा देगा कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं. अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है. आप बुद्धि से अपने काम पूरे करवा सकते हैं. आज आप खुद को साबित करके दिखा देंगे. दोस्तों और परिवार से सहयोग मिलनेके योग हैं. कोई अच्छी खबर भी आज आपको मिल सकती है. आप खुश हो जाएंगे । बच्चों का सहयोग रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज क्रोध के आवेश मे आकर घरेलू मसले आप उलझाएंगे दिमाग़ को ठंडा रखें ऐसे व्यवहार से काम करने की क्षमता को भी ख़राब कर देंगे. धन की स्थिति कमजोर दिखाई देगी, इसे मजबूत बनाने का प्रयास करें. आज आप घर के कामों में व्यस्त रहेंगे. इस वजह से बाहर जाना मुश्किल होगा. धन खर्च की मात्रा बढ़ेगी. आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद साबित होगा. सुबह घर मे गोबर की धूप प्रज्वलित करें मानसिक शान्ति होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिश्रित रहेगा आप मे से कुछ के लिए अति शुभ परिणामदायक हो सकता है.किसी के लिए तकलीफ़े पैदा हो सकती हैं आप लंबित असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होंगे. सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए कुछ विशेष उपलब्धि संभव है. कारोबारी के लिए समय शुभ है. नए संघों का गठन भी किया जा सकता है, जो लाभकारी होंगे. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय आपको अच्छा लाभ देगा. पारिवारिक संबंध और बातचीत अच्छी रहेगी और घर मे उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन का काम फटाफट पूरा होगा आप रिलैक्स फील करेंगें । छात्रों के लिए दिन उत्साह वर्धक रहेगा पहले की तुलना मे अच्छे और संतोष जनक परिणाम आएंगे . वकालत करनेवालो के लिए दिन तनाव मे गुजरेगा परिश्रम अधिक होगा. करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे. आप जिससे भी मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी. कौवे को रोटी का तुकडा डालें , चीटियों को आटा डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज रुके हुए पूरे काम हो जाएंगे अधिक परिश्रम की आवश्यकता नहीं हैं शाम का वक्त फ्री होगा भविष्य की योजना बनाए फायदा हो सकता है. आज आप अच्छा महसूस करेंगे. सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है. परिवार के ज्यादातर काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ समय बिताएंगे. धन लाभ हो सकता है. उधार दिया गया पैसा आपको मिल सकता हैं भैरव मंदिर मे कालाउडद चढाए तेलका दीपक प्रज्वलित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिवार की जरुरते पूरी करेंगे बच्चों के लिए भविष्य निधि सुरक्षित करें । अपने दफ्तर में बिल्कुल संतुलित व्यवहार करें. आपकी इनकम बढ़ने के भी चांस ज्यादा है. प्रेम में इमोशन प्रभावी रहेगा. मानसिकता को बदलने की बेहत जरूरत है. उन्नति में बाधा आएगी. आपका मन काम में लगेगा. ससुराल जाने का प्रोग्राम बनेगा आप को सम्मान और प्यार दोनो मिलेगा छात्रो को जरुर निराशा मिलेगी मन कुछ उदास रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज खर्चा अधिक होगा परन्तु कुछ आप को लिमिट तय करनी पडेगी क्योंकि आमदनी सीमित रहेगी. मानसिक तनावों को हावी ना होने दें. विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की अपनी क्षमता का प्रयोग करें. अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. जल्दबाजी में कोई काम ना करें. नये लोगों के साथ अनजान जगह जाने से बचें घात सम्भव हैं अथवा अनावश्यक किसी परेशानी में पड़ जाएं. विरोधियों पर भरोसा नही करना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन कमजोर ही रहेगा. आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए. किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा. बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कुछ कम रूचि ले सकते हैं. बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए. ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ गिफ्ट कर सकते हैं. खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए.अपनी किमती वस्तु को बहुत सम्हाल कर रखें ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को मजबूती से और धैर्य से काम लेना होगा .पुश्तैनी जमीन प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं. कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं. रोजमर्रा के कामकाज ज्यादा ही रहेंगे. थोड़े समय में सब ठीक हो जाएगा. धैर्यरखें। आगे बढ़ने के लिए आपको कुछ नया सीखना होगा. सेहत स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहेगा चिंता मुक्त रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बहुत इमोशनल होनी की जरुरत नही हैं दिमाग से सोच समझकर ही किसी भी निर्णय को अन्तिम रुप देना होगा करियर में आगे बढने के बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे. शिक्षा, बिजनेस, नौकरी या महत्वपूर्ण कागजात को बडी ही सूझबूझ से इस्तेमाल मे लेना होगा यात्रा के योग भी बन रहे हैं आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा. आप अपने रोजमर्रा के काम में ही बिजी रहेंगे. कबूतर को दाना डालें और मंदिर मे श्री फल अर्पण करें ।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 25 जून 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 11:13 तक
नक्षत्र : श्रवण दोपहर 02:33 तक
योग : वैधृति प्रातः 09:05 तक
करण : बव दोपहर 12:20 तक
चन्द्रराशि : मकर रात्रि 01:50 तक
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अंगारक संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 10:02 , पंचक आरंभ रात्रि 01:51 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कोटा में पुलिस ने पानी की बौछार से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को खदेड़ा

कोटा, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में कोटा में सोमवार को प्रदर्शन के बाद कलेक्टर कार्यालय में घुसने की कोशिश कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को खदेड़ने के लिये पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों में हल्की धक्का-मुक्की के बाद पुलिस ने पानी की बौछार से कार्यकर्ताओं को खदेड़ दिया।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद आम आदमी बिजली-पानी जैसी जनसुविधाओं से वंचित होने, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने, महिलाओं के खिलाफ आपराधिक मामले बढ़ने, नीट की परीक्षा में धांधली उजागर होने के बाद लाखों बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ने के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया गया था। कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुये पुलिस ने यहां सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किये थे।

सभा के बाद मांगपत्र देने के लिये कार्यकर्ताओं की भीड़ ने पुलिस की ओर से लगायी गयी बैरीकेडिंग हटाने का प्रयास करते हुये जब भीतर घुसने की कोशिश की तो पुलिस को उनको खदड़ने के लिये बल प्रयोग करना पड़ा, जिसके तहत कार्यकर्ताओं पर पुलिस के वाहन से पानी की बौछारे फ़ेंककर कार्यकर्ताओं को दूर तक खदेड़ दिया। पुलिस की इस कार्रवाई में किसी को चोट आने की अब तक जानकारी नहीं मिली है।

आपातकाल के विरोध में भाजपा आज पूरे राजस्थान में मनाएगी काला दिवस

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 25 जून को भारतीय लोकतंत्र के काले दिवस के रूप में मनायेगी। पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने सोमवार को बताया कि 25 जून के दिन ही 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी। भाजपा संविधान का सम्मान करती है, जबकि संविधान की हत्या का काम कांग्रेस ने कई बार किया है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण आपातकाल है। ऐसे में भाजपा राज्य में सभी जिला मुख्यालयों पर विचार संगोष्ठी आयोजित करेगी।

श्री बगड़ी ने बताया कि भाजपा राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर इस काले दिन के अवसर पर विचार संगोष्ठी का आयोजन करेगी। इस दौरान प्रबुद्ध जन, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, विद्यार्थी, नौजवान सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थिति रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस गोष्ठी में भाजपा की ओर से सभी पदाधिकारियों को जिला अनुसार जिम्मेदारी दी गई है।

उन्होंने बताया कि इसमें भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर बतौर मुख्य अतिथि दौसा जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहेगी। वहीं जयपुर शहर में चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक ओंकार सिंह लखावत, जयपुर

देहात उत्तर में राज्यसभा सांसद मदन राठौड, जयपुर देहात दक्षिण में प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

इसी तरह पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनियां नागौर, अरूण चतुर्वेदी टोंक, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा भीलवाडा, सीआर चौधरी चित्तौडगढ़, प्रभुलाल सैनी कोटा शहर, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत चूरू, ओमप्रकाश भडाणा झुंझुनूं, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया हनुमानगढ़, वासुदेव चावला सीकर, भूपेंद्र सैनी अलवर उत्तर और आईदान सिंह भाटी जोधपुर देहात उत्तर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि सभी जिला मुख्यालयों पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी या अन्य प्रभारी मौजूद रहेंगे।

नवाचार अपनाकर विद्यार्थियों में कौशल विकसित करें: दिलावर

कोटा, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि विद्यालयों में नवाचार अपनाया जाए, जिससे बच्चे कौशल विकसित करके रोजगार पा सकें।

श्री दिलावर सोमवार को हरिशचंद्र माथुर लोक प्रशिक्षण संस्थान में विद्यालय प्राचार्यों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार देकर उन्हें अच्छे नागरिक बनाना हमारा मूल उद्देश्य होना चाहिए। शिक्षकों के प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में सुधार लाकर बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। श्री दिलावर ने कहा कि शिक्षकों का लक्ष्य समय पालन, विद्यालय परिसर में साफ-सफाई, बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करना होना चाहिये। हमें बच्चों को शिक्षण के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति भी जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर एवं गुणात्मक शिक्षा देने

के साथ-साथ उन्हें आदर्श नागरिक बनाने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है और इस दिशा में सभी शिक्षक आत्मचिंतन करते हुए सकारात्मक कदम उठायें।

निदेशक रामगोप मीणा ने बताया कि 26 जून तक चलने वाले विद्यालय के प्राचार्यों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उन्हें वित्त एवं लेखा नियम, स्ट्रेस मैनेजमेंट, साइंस ऑफ हैप्पीनेस, एप्लीकेशन ऑफ कम्प्यूटर, एसएसओ, राजकाज ई-फाइल, ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, राजस्थान सेवा नियम, सीसीए रूल्स 1958 आदि विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जायेगा ताकि उनकी कार्यक्षमता में अभिवृद्धि हो सके।

कंपनी संचालक के साथ 33 करोड़ की ठगी मामले में छह गिरफ्तार

सिरसा, 24 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा जिले की डबवाली रोड पर स्थित राइस मिल मशीनरी उपकरण बनाने वाली कम्पनी एसएफ फूड प्रोटेक लिमिटेड संचालक संजीव गुप्ता के साथ हुई करीब 33 करोड रुपए की ठगी व गबन मामले में संलिप्त फतेहाबाद व सिरसा के छह लोगों को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है। पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया है।

इस संबंध में जारी विज्ञप्ति में पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राहुल पुत्र परमानंद निवासी रानिया गेट सिरसा, संजय उर्फ डेजी पुत्र टेकचंद निवासी अग्रवाल कॉलोनी फतेहाबाद, दिनेश उर्फ बंटी उर्फ डीजे पुत्र प्रीतम पाल निवासी शिव चौक सिरसा, शुऽभम उर्फ मोनू पुत्र रमेश कुमार निवासी बेगू रोड सिरसा, अजय उर्फ गोलू पुत्र राजेंद्र कुमार नोहरिया बाजार सिरसा तथा

हरपाल उर्फ पाली पुत्र सुरेंद्र कुमार निवासी गोल डिग्गी, सिरसा के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी छह आरोपियों को अदालत में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है । उन्होंने बताया कि रिमांड अवधि के दौरान पकड़े गए आरोपियों की निशान देही पर जहां गबन व ठगी की राशि बरामद की जाएगी, वहीं इस घटना में संलिप्त अन्य लोगों के बारे में जानकारी हासिल कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी । उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सामने आया है कि पकड़े गए सभी आरोपी क्रिकेट सट्टा से जुड़े हुए है।

भूषण ने बताया कि इस संबंध में कंपनी (फैक्ट्री) संचालक संजीव गुप्ता की शिकायत पर बीती एक जून 2024 को विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत शहर के सिविल लाइन थाना में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जाँच के के दौरान पुलिस ने महतवपूर्ण सूराग जुटाते हुए आरोपियों को फतेहाबाद व शहर सिरसा से काबू कर लिया । उन्होंने बताया कि फैक्ट्री के मुनीम साकेत कुमार निवासी ईरा- कॉलोनी बरनाला रोड सिरसा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जोकि फिलहाल सिरसा जेल में बंद है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुनीम साकेत कुमार उक्त कंपनी में पिछले करीब 15 सालों से कार्यरत था, तथा कंपनी का करीब 50 अन्य कंपनियों से लेनदेन का कार्य होता था। उन्होंने बताया कि मुनीम साकेत कुमार ने कंपनी संचालक व अन्य न्य पारिवारिक सदस्यों के विश्वास का नाजायज फायदा उठाया तथा गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों के साथ षडयंत्र रचकर उनके खातों में पैसे ट्रांसफर करवाता था तथा क्रिकेट सट्टा लगाता था । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस जांच के दौरान सामने आया है कि आरोपी राहुल,बंटी,डीजे व शुभम उर्फ मोनू कंपनी के मुनीम साकेत कुमार को क्रिकेट सट्टा की फेयरवेट-7 की आईडी उपल्बध करवाते थे, जबकि आरोपी संजय उर्फ डेजी निवासी फतेहाबाद,राहुल बंटी, दिनेश, हरपाल व शुभम उर्फ मोनू को क्रिकेट सट्टा की फेयरवेट-7 आईडी उपल्बध करवाता था। उन्होंने बताया कि पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार किया गया।

एसवाईएल पर कांग्रेस, आपा और भाजपा जनता को दे रही हैं धोखा : अभय चौटाला

चंडीगढ़, 24 जून (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि कांग्रेस के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा बयान दे रहे हैं कि सतलुज यमुना लिंक नहर(एसवाईएल) के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के हक में फैसला दिया है पर लोगों को यह नहीं बता रहे कि लोकसभा चुनावों में उसी आम आदमी पार्टी (आपा) से समझौता किया था, जिसकी पंजाब में सरकार है और उन्होंने ही पानी रोक रखा है।

श्री चौटाला ने कहा कि यह रिकॉर्ड पर है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि हरियाणा को एसवाईएल का एक बूंद पानी नहीं देंगे। हरियाणा में कांग्रेस, आपा और भारतीय जनता पार्टी(भाजपा)

सभी मिल कर हरियाणा की जनता को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह तो हरियाणा में भाजपा की सरकार है, जो दिल्ली को पानी दे रही है, अगर इनेलो की सरकार होती तो दिल्ली को एक बूंद पानी तब तक नहीं देते, जब तक ये हमारे हिस्से का पानी पंजाब से नहीं दिलाते। उन्होंने कहा कि एसवाईएल पर उच्चतम न्यायालय का फैसला न मानना सरासर न्यायालय की अवमानना है। न तो केंद्र की भाजपा सरकार और न ही पंजाब में आपा सरकार न्यायालय के फैसले को लागू कर रही है।

लघु एवं सीमान्त कृषकों को 26 लाख निःशुल्क बीज मिनीकीटों का वितरण

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की बजट घोषणा की अनुपालना में कृषि विभाग द्वारा प्रमुख खरीफ फसलों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए खरीफ 2024 में कृषकों को ज्वार, बाजरा, मूंग, मोठ एवं मक्का की उन्नत किस्मों के बीज मिनीकिटों का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है।

कृषि आयुक्त कन्हैया लाल स्वामी ने बताया कि प्रदेश के 12 लाख किसानों को मक्का, आठ लाख को बाजरा, चार लाख को मूंग और एक-एक लाख कृषकों को ज्वार व मोठ बीज के मिनिकिट वितरित किये जा रहे है। बीज मिनिकिट के बैगो पर निःशुल्क टैग मार्किंग है। उन्होंने बताया कि बाजरा मिनिकिट 1.5 किग्रा का, ज्वार, मोठ व मूंग मिनिकिट चार किग्रा का और मक्का मिनिकिट पांच किग्रा

वजन का है। जिनका वितरण अनुसूचित जाति व जनजाति, लघु व सीमान्त और महिला कृषकों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत के सरपंच, एक महिला वार्ड पंच, एक अनुसूचित जाति या जनजाति के वार्ड पंच व कृषि पर्यवेक्षक की कमेटी द्वारा किया जा रहा है। सम्बन्धित संयुक्त निदेशक कृषि जिला परिषद द्वारा समस्त कृषकों को मिनिकिट वितरण कार्यक्रम की जानकरी विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कृषक गोष्ठियों और किसान सेवा केन्द्रों के माध्यम से दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि कृषकों को मिनिकिट का वितरण राज किसान साथी पोर्टल पर जन आधार कार्ड के माध्यम से ऑन-लाईन किया जा रहा है। एक पात्र कृषक परिवार को एक बीज मिनिकिट ही वितरित किया जायेगा। कृषकों द्वारा आवेदन करने पर प्राप्त आवेदनों को कमेटी के समक्ष प्रस्तुत कर कृषकों का चयन किया जा रहा है, जिसका रिकॉर्ड सम्बन्धित कृषि पर्यवेक्षक द्वारा रखा जायेगा।

कार ने मारी मोटरसाइकिल को टक्कर, युवक की मौत

फतेहाबाद, 24 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में फतेहाबाद शहर के रतिया पुल के पास फोरलेन पर सोमवार दोपहर को एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान गांव जोगेवाल (सिरसा) के सुरेंद्र कुमार (28) के रूप में हुयी है।वह एक निजी बैंक का कर्मचारी था। वहीं, आरोपी कार चालक वाहन को मौके पर छोडक़र फरार हो गया है।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भेज दिया है। वहीं मृतक के परिजनों को मामले की सूचना दे दी है। गुरुनानकपुरा चौकी प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवाओं के साथ खिलवाड़ करना ही भाजपा का दस साल का रिर्पोट कार्ड : भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, 24 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 10 सालों में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

श्री हुड्डा ने सोमवार अपने आवास पर पत्रकारों से कहा कि युवाओं को नौकरियों का झांसा देकर न्यायालय, सरकारी दफ्तरों के चक्कर कटवाना, भर्ती के नाम पर पेपर लीक जैसे घोटाले करना, अपनी ही भर्तियों को कोर्ट में लटकाना और भर्तियां कैंसिल करना भाजपा का 10 साल का रिपोर्ट कार्ड है। उन्होंने राज्य की नौकरियों में सोशियो-इकॉनोमिक के पांच नंबर को लेकर आये उच्चतम न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल से भाजपा सरकार सीईटी के नाम पर युवाओं को बेवकूफ बना रही है। पहले हरेक भर्ती को

सीईटी का झांसा देकर कैंसल किया गया। उसके बाद साजिश के तहत सीईटी के ऐसे नियम बनाये गये, जो कोर्ट में टिक ही नहीं पाये। कोर्ट के इस इस फैसले की वजह से 23 हजार नियुक्तियां प्रभावित हो सकती हैं। हुड्डा ने कहा कि सीईटी के नाम पर भाजपा ने शुरुआत से ही युवाओं को प्रताड़ित किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारी भर्तियों को पूरी तरह खत्म करना चाहती है। इसीलिये कौशल निगम के जरिये भर्तियां करके पक्की नौकरी, मेरिट और आरक्षण को पूरी तरह समाप्त जा रहा है।

नीट पेपर लीक मामला : राजद ने लगाया आरोप

संजीव मुखिया की पत्नी है जदयू नेता मुख्यमंत्री सहित कई के साथ हैं फोटो

पटना (एजेंसियां)।

नीट पेपर लीक मामले की जांच ईओयू के बाद अब सीबीआई करेगी। वहीं इसको लेकर राजनीतिक सियासत में भी काफी हलचल है। भाजपा इस मामले को लेकर तेजस्वी यादव के पीएस से जोड़कर विपक्ष पर हमला किया। अब राष्ट्रीय जनता दल ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की पत्नी को जदयू नेता बताकर सरकार को घेर रहा है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर पेपार लीक कांड के साथ मिले होने का आरोप लगा रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल ने सोशल मीडिया पर दो पोस्ट किए गए हैं,

जिसमें संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री श्रवण कुमार और नीरज कुमार के साथ नजर आ रही है। वहीं दूसरे पोस्ट में चिराग पासवान के आवास पर टिकट के साथ ममता देवी की फोटो शेयर की गई है, जिसमें संजीव मुखिया भी नजर आ रहा है।

सारण से लोक सभा चुनाव हारकर वापस सिंगापुर लौट गई रोहिणी आचार्य ने भी इस मामले पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए सरकार पर हमला किया है। रोहिणी ने लिखा है कि –'हरेक पेपर लीक, गेटिंग-सेटिंग के मामले का वर्तमान सत्ताधारी जमात से कनेक्शन जरूर होता है.. ऐसा क्यूं होता है ? कैसे होता है ? किसके संरक्षण में शैक्षणिक – आतंकवाद का ये मॉड्यूल फल-फूल रहा है ? इन सबों का जवाब इन तस्वीरों में ही है'। रोहिणी आचार्य ने इसके साथ ही चार फोटो भी पोस्ट किये हैं, जिसमें संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार सहित अन्य जगहों पर नजर आ रही हैं।

पटना समेत कई जिलों में भीषण गर्मी

स्कूल में बच्चे भी परेशान दिखे

चार जिलों में लू का अलर्ट

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के कुछ जिला में बारिश के बाद तापमान में कमी आई तो लोगों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन, फिर गर्मी बढ़ने लगी। इसी बीच आज से पटना समेत कई जिलों में स्कूल भी खोल दिए गए। बच्चे स्कूल तो पहुंच गए लेकिन झुलसाने वाली गर्मी से काफी परेशान दिखे। मौसम विभाग ने रोहतास, भोजपुर, भोजपुर और अरवल में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। पटना में भी तापमान 42 डिग्री तक जाने के आसार हैं।

गर्मी को देखते हुए लोगों ने शिक्षा विभाग से स्कूल टाइमिंग पर विचार करने की अपील की है। पटना के कई प्राइवेट स्कूल में दोपहर एक बजे छुट्टी होगी। उस समय धूप में नहीं निकलने की चेतावनी रहती है। ऐसे में बच्चे अगर तेज धूप में स्कूल से घर आएं तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है। लू का खतरा भी बना रहेगा। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा गर्मी पटना से सटे वैशाली में पड़ी। इसके अलावा बक्सर और इसके आसपास के जिलों में भी गर्मी से लोग परेशान रहे। पटना में उमस भरी गर्मी से लोग काफी परेशान हैं। सोमवार सुबह से ही इतनी गर्मी पड़ रही है कि लोग घर से निकलने में परहेज कर रहे हैं।

इधर, मौसम विभाग की मानें तो सोमवार को बिहार के दक्षिणी इलाकों में गर्म वातावरण बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन से चार दिन में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय हो सकती है। इसके बाद ही गर्मी से राहत मिलेगी।

सोनाक्षी और जहीर की शादी का पटना में विरोध पोस्टरों में लिखा– नहीं घुसने देंगे बिहार में

पटना (एजेंसियां)।

मशहूर अभिनेता और आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी और अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल की होने वाली शादी का मामला सोशल मीडिया पर कई दिनों से काफी ट्रोल कर रहा था।

सोशल मीडिया पर लगातार इस बात का विरोध किया जा रहा था। अंतत: दोनों ने बांद्रा स्थित एक अपार्टमेंट में शादी कर ली। लेकिन वहीं दूसरी तरफ बिहार की राजधानी में इसका विरोध शुरू हो गया है। सोशल मीडिया के ट्रोल की जगह अब पटना की सड़कों पर पोस्टर के रूप में दिखने लगे हैं, जहां इसे लव जिहाद कहा जा रहा है। पोस्टर के माध्यम से यह विरोध बिहार की हिंदू शिव भवानी सेना ने किया है। संगठन ने पटना में पोस्टर पर धमकी भरे लब्जों में लिखा है कि शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी को बिहार में घुसने नहीं देंगे।

पटना में लगे पोस्टरों में शत्रुघ्न सिन्हा, सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की फोटो लगाई गई है। पोस्टरों पर लिखा है– सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी लव जिहाद को बढ़ावा। पूरे देश को इस्लामीकरण करने की कोशिश।

शत्रुघ्न सिन्हा जी शादी के फैसले पर पुनर्विचार करें नहीं तो अपने बेटों लव और कुश के घर का नाम तुरंत बदलें, इससे हो रहा हिंदू धर्म का अपमान। सोनाक्षी सिन्हा को हिंदू शिव भवानी सेना बिहार में घुसने नहीं देगी।

सोनाक्षी सिन्हा (37) और जहीर इकबाल (35) ने अपने परिवार और करीबी मित्रों की मौजूदगी में बांद्रा स्थित अपार्टमेंट में शादी की है। नवविवाहित जोड़े ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में शादी की खबर साझा की है।

फिलहाल इस शादी की चर्चा सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। हिंदू शिव भवानी सेना का कहना है कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी लव जिहाद को बढ़ावा देना है, इसलिए हम सोनाक्षी का बिहार में इंट्री होने नहीं देंगे।

अतिथि शिक्षकों पर पटना पुलिस ने बरसाई लाठियां

पटना (एजेंसियां)।

सरकार ने कबिनेट की बैठक में नयी बहाली निकालने और लोगों को नौकरी देने की बात कही। वहीं दूसरी तरफ चार हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों की सेवा एक झटके में सरकार ने समाप्सेत कर दी। इसी बात का विरोध करने के लिए अतिथि शिक्षक पटना पहुंचे लेकिन पटना की पुलिस ने उनपर लाठी चार्ज कर दिया। इस लाठी चार्ज में कई शिक्षक बुरी तरह से घायल हो गये जबकि कई चोटिल भी हुए। इस संबंध में शिक्षकों का कहना है कि पटना में सोमवार को सीएम हाउस के सामने अतिथि शिक्षकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। शिक्षक अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे थे। पुलिस ने पहले उन्हें रोका, लेकिन जब वो नहीं माने तो लाठीचार्ज कर उन्हें वहां से हटाया। इसमें कई शिक्षकों को चोट भी आई है।

बिहार के 4257 अतिथि शिक्षक पिछले 6 सालों से प्रदेश के उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ा रहे थे। लेकिन शिक्षा विभाग ने एक झटके में उनकी सेवा को समाप्त कर दिया। उनका कहना है कि इसको लेकर शिक्षा विभाग के निदेशक कन्हैया प्रसाद की ओर से सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को एक पत्र जारी किया गया, जिसमें यह कहा गया कि अतिथि शिक्षकों की सेवा 31 मार्च से खत्म की जाती है।

पप्पू यादव ने डॉक्टरों की फीस को करवाया कम

भागलपुर (एजेंसियां)।

पूर्णिया के नवनिर्वाचित सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने आम लोगों के लिए डॉक्टरों की फीस को कम करवा दिया है। पप्पू यादव आईएमए के सदस्यों के साथ बैठक और सहमति के बाद इस बात की जानकारी दी है।

सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के अनुसार, अब फिजिशियन की फीस 500 रुपये और सर्जन की 300 रुपये हो गई है। इतना ही नहीं बीपीएल परिवारों को इलाज और जांच में विशेष छूट दी जायेगी।

यह छूट तभी मिलेगी, जब जरूरतमंद बीपीएलधारी उनके कार्यालय से चिट्ठी लेंगे। यह पत्र सांसद कार्यालय से ही मिलेगा। इसके लिए उनके कार्यालय में 24 घंटे सेवा उपलब्ध रहेगी।

सांसद पप्पू यादव ने बताया कि बीपीएलपरिवारों को एक्स-रे के लिए 200 रुपये और सीटी स्कैन के लिए 1200 रुपये देने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब डॉक्टर एक महीने के अंदर दोबारा फीस नहीं ले सकते।

निजी नर्सिंग होम में भर्ती गरीब मरीजों के इलाज में 30 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

सांसद पप्पू यादव ने सिविल सर्जन को फर्जी आइसीयू बंद करने के लिए दो माह की मोहलत दी है। उन्होंने कहा कि जहां एमबीबीएस डॉक्टर नहीं है, वहां फर्जी आइसीयू नहीं चलेगा। बगैर डॉक्टर के जो पैथोलॉजी चला रहे हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

उनके लाइसेंस को शीघ्र रद्द किया जाए। मेडिकल दुकानवाले बगैर डॉक्टर के लिखे आवश्यकता से अधिक दवा मरीज को नहीं दें। उन्होंने कहा कि डॉक्टर की मर्जी के अनुसार मरीज की जांच पैथोलॉजी में नहीं होनी चाहिए। मरीज को जहां अच्छा लगे, वहीं जांच कराए। कोई भी पैथोलॉजी या नर्सिंग होम डॉक्टर के ही होने चाहिए। जहां डॉक्टर नहीं हैं, उनके विरुद्ध सिविल सर्जन कार्रवाई करें। ऐसे पैथोलॉजी और नर्सिंग होम दो माह के अंदर बंद हो जाने चाहिए।

सांसद ने कहा कि डॉक्टरों के सम्मान के साथ खिलवाड़ नहीं होगा। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि मेडिकल माफिया का एक गिरोह है, जो मरीज की मौत के बाद तोड़फोड़ और हंगामा करता है। इस पर अविलंब रोक लगायी जायेगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी एक ज्ञापन भेज कर कार्रवाई का अनुरोध किया है।

सांसद पप्पू यादव के द्वारा डॉक्टर की फीस कम का लाभ तभी मिलेगा, जब जरूरतमंद बीपीएलधारी उनके कार्यालय से चिट्ठी लेंगे। यह पत्र सांसद कार्यालय से ही जारी होगा। इसके लिए उनके कार्यालय में 24.7 घंटे सेवा उपलब्ध रहेगी। सांसद पप्पू यादव ने बताया कि बीपीएलपरिवारों को एक्स-रे के लिए 200 रुपये और सीटी स्कैन के लिए 1200 रुपये देने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब डॉक्टर एक महीने के अंदर दोबारा फीस नहीं ले सकते। निजी नर्सिंग होम में भर्ती गरीब मरीजों के इलाज में 30 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

पूर्णिया के लाइन बाजार को मेडिकल हब कहा जाता है। लाइन में इलाज कराने के लिए कोसी और सीमांचल के पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा सहरसा, खगड़िया और सुपौल जिले के मरीज यहां इलाज कराने के लिए आते हैं। इतना ही नहीं पड़ोसी राज्य बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल से भी लोग अपना इलाज कराने पूर्णिया आते हैं।

केंद्र ने बिहार को दी बड़ी सौगात, औरंगाबाद के एनएसटीपीएस बिजली परियोजना के क्षमता विस्तार को मिली मंजूरी

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने बिहार को एक बड़ी सौगात दी है। सरकार ने एनटीपीसी लि. के पूर्ण स्वामित्व की 1980 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन क्षमता वाली औरंगाबाद के नबीनगर सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एनएसटीपीएस) के क्षमता विस्तार स्टेज-2 को मंजूरी दे दी है। स्टेज-2 के तहत एनएसटीपीएस में 800-800 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाली तीन नई इकाइयां स्थापित की जाएंगी। तीन नई इकाइयों की स्थापना से एनएसटीपीएस की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 1,800 मेगावाट से बढ़कर 4,380 मेगावाट हो जाएगी। इससे यह परियोजना सर्वाधिक बिजली उत्पादन करने वाली देश की दूसरी सबसे बड़ी ताप विद्युत परियोजना बन जाएगी। केंद्र द्वारा दी गई मंजूरी के तहत एनएसटीपीएस के क्षमता विस्तार के लिए 25 हजार करोड़ से अधिक का निवेश होगा। यह निवेश बिहार में किसी भी परियोजना के लिए अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। परियोजना के 2,400 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विस्तार के लिए शीघ्र ही निविदा की जाएगी।

केंद्र सरकार और उर्जा मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार एनएसटीपीएस के स्टेज-2 के तहत 800-800 मेगावाट (कुल 2,400 मेगावाट) बिजली उत्पादन क्षमता वाली तीन नई इकाइयों को धरातल पर उतारने के लिए 25 हजार करोड़ से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह बिहार में किसी भी परियोजना के लिए अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा। इस निवेश से इस पूरे इलाके की तस्वीर बदल जाएगी। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि आएगी। प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हजारों लोगों के लिए रोजगार के नए साधन उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही पुनर्वास और पुनर्स्थापना तथा नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में भी काफी मदद मिलेगी। इस मद में जिले में, खासकर परियोजना प्रभावित इलाके में करोड़ों रुपये से बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इतनी बड़ी परियोजना के लिए व्यापक मानव संसाधन की आवश्यकता होगी और इस निवेश से प्रत्येक आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहन मिलेगा।

फिलहाल नबीनगर में दो बिजली परियोजनाएं कार्यरत हैं। इनमें एक 1,000 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाली भारतीय रेल और एनटीपीसी का संयुक्त

उपक्रम भारतीय रेल बिजली कंपनी लि. (बीआरबीसीएल), जबकि दूसरी एनटीपीसी लि. के पूर्ण स्वामित्व वाली नबीनगर सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एनएसटीपीएस) है। इसकी वर्तमान बिजली उत्पादन क्षमता 1,980 मेगावाट है। इन दोनों परियोजनाओं के निर्माण से औरंगाबाद की तस्वीर बदली है। इस बार केंद्र ने इन दोनों परियोजनाओं से भी अधिक बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्षेत्र के विकास में कितना बड़ा बदलाव आएगा और आधारभूत संरचना का भी किस हद तक विकास हो सकेगा। परियोजना के स्टेज-2 में बड़ी राशि के निवेश और परियोजना के पूरा होने पर बिहार को विभिन्न प्रकार के टैक्स के मद में प्रतिवर्ष करोड़ों का राजस्व बढ़ेगा।

एनएसटीपीएस के स्टेज-2 के पूरा होने पर नबीनगर सुपर थर्मल पावर स्टेशन देश का सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन करने वाला देश का दूसरा सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा। स्टेज-2 के पूरा होने से परियोजना से कुल 4,380 मेगावाट बिजली उत्पादित होगी। वर्तमान में विंध्याचल सुपर थर्मल पावर स्टेशन देश का पहला और सबसे अधिक बिजली उत्पादन करने वाला बड़ा प्रोजेक्ट है। जहां लगभग 4,800 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। गौरतलब है कि एनएसटीपीएस में प्रथम चरण में 660-660 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाली तीन इकाइयां स्थापित हैं जो वर्तमान में कुल 1,980 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रही हैं।

एनएसटीपीएस की उत्पादन क्षमता में 2400 मेगावाट की वृद्धि होने के बाद इस परियोजना का दर्जा सुपर थर्मल पावर स्टेशन से बदलकर मेगा थर्मल पावर स्टेशन का हो जाएगा। इससे इस परियोजना को मशीनरी और निर्माण आदि में कर की छूट के अलावा कई अन्य प्रकार की सुविधा हासिल होती रहेगी।

एनएसटीपीएस के स्टेज-2 प्रोजेक्ट की स्थापना से बिहार को सर्वाधिक फायदा होने वाला है। इसके पूरा होने से बिहार की बिजली के लिए दूसरे राज्यों की बिजली परियोजनाओं पर निर्भरता दूर हो जाएगी। साथ ही अगले चार वर्षों में बढ़ने वाली बिजली की आवश्यकता की भी पूर्ति इस परियोजना के माध्यम से आसानी से हो सकेगी। बिहार को बिजली के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बल्कि अपने ही राज्य खासकर औरंगाबाद में उत्पादित 4,380 मेगावाट बिजली से राज्य की बिजली आवश्यकताओं की आधा से अधिक की पूर्ति हो सकेगी। साथ ही स्टेज 2 में बड़े पैमाने पर निवेश और इसके पूरा होने पर बिहार को विभिन्न प्रकार के टैक्स के मद में भी प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का राजस्व बढ़ेगा।

एनएसटीपीएस के बिजली उत्पादन क्षमता में विस्तार की स्टेज-2 परियोजना के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मामले में निविदा की प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य आरंभ हो सकता है, क्योंकि कई तरह की सुविधाएं और संसाधन इस परियोजना के पास पहले से ही उपलब्ध हैं। उदाहरण के रूप में इस परियोजना के पास आज भी 1,400 एकड़ सरप्लस जमीन उपलब्ध है।

डिप्रेशन की शिकार थी ऋचा, फ्लैट के किचन से कूदकर की थी आत्महत्या

पटना (एजेंसियां)।

गया की केवल बीघा मोड़ के पास स्थित सौदागर सिंह अपार्टमेंट में फ्लैट के किचन से कूद कर जान देने वाली ऋचा सेट के मामले में नया मोड़ आ गया है। रामपुर थाना में मृतिका की मां के बयान पर आत्महत्या का मामला दर्ज किया गया है। रामपुर थानेदार रवि कुमार ने बताया है कि ऋचा सेठ की मां अपने बेटे के साथ थाना आई और उन्होंने लिखित शिकायत दर्ज कराई। उनकी बेटी ऋचा सेठ कुछ दिनों से डिप्रेशन की शिकार थी। इसी वजह से उसने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया। इसमें उसके पति और उनके ससुराल वाले का कोई दोष नहीं है।

थानाध्यक्ष ने बताया है कि ऋचा की मां के बयान के आधार पर प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है। इधर, इस मामले को हाई प्रोफाइल देखते हुए गया के सीनियर एसपी आशीष भारती ने इस मामले की जांच करने की जिम्मेदारी सिटी डीएसपी धर्मेंद्र भारती को दिया है। ताकि सारी बातें स्पष्ट हो सके। गया शहर के हार्डवेयर व्यवसायी राजन सेठ की पत्नी ऋचा सेठ ने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से कूद कर जान दे दी थी। जमीन पर गिरने के कारण सिर फट गया और मौके पर ही जान चली गई थी।

शहर के हाई प्रोफाइल मामले को देखते हुए पुलिस हत्या या आत्महत्या दोनों एंगल पर जांच कर रही थी। लेकिन, मां के बयान पर थाने में आत्महत्या का मामला दर्ज कर लिया गया। आसपास के लोगों के अनुसार, घटना के वक्त मृतका का पति राजन सेठ घर ही थे। गौरतलब है कि जिस अपार्टमेंट में राजन रहते हैं वह सात मंजिला है। चौथी मंजिल के 403 नम्बर प्लैट में राजन सेठ अपनी पत्नी के साथ रहते थे। लोगों ने बताया कि राजन सेठ बीते एक सप्ताह से बिजनेस के सिलसिले में बाहर टूर पर गए थे। राजन सेठ घटना के एक दिन पहले ही दिल्ली से वापस लौटे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com